THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 99 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.10 2082 शनिवार, 5 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

लालू प्रसाद यादव फिर बने राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। 13वें कार्यकाल के लिए लालू प्रसाद यादव राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष औपचारिक तौर पर बन गए हैं। परंपरा के तहत इकलौता नामांकन होने के साथ ही उनका पुन: राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना औपचारिकता थी, लेकिन अब राष्ट्रीय जनता दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शुक्रवार को पटना के एक होटल में हुई बैठक में इस कोरम को पूरा कर लिया गया। लालू यादव और राबड़ी देवी के साथ पार्टी के बाकी दिग्गजों ने दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक की शुरूआत की। इसमें बिहार चुनाव के दौरान वोटर लिस्ट बदलने और तेजस्वी यादव को अगला मुख्यमंत्री बनाने पर चर्चा शुरू हो गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर हमारी प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण'

पुणे, 4 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सशस्त्र सेनाएं और देश का नेतृत्व 'स्वराज' यानी देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस भावना का सबसे अच्छा उदाहरण हाल ही में हुआ ऑपरेशन सिंदूर है। अमित शाह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), पुणे में मराठा योद्धा और प्रधानमंत्री पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि एनडीए में इस प्रतिमा का बनना इसलिए भी खास है क्योंकि यह संस्थान सेना के नेतृत्व की ट्रेनिंग देता है।

शिवाजी और बाजीराव से मिलती है प्रेरणा :

अमित शाह ने इस दौरान कहा, जब भी मेरे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, मैं शिवाजी और पेशवा बाजीराव को याद करता हूं। वे विपरीत परिस्थितियों में भी स्वराज स्थापित करने में सफल रहे थे। यह हमें आज के समय में भी प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज देश का स्वराज 140 करोड़ भारतीयों की जिम्मेदारी है और अगर इसे बचाने के लिए लड़ाई की जरूरत पड़ी, तो हमारी सेनाएं और नेतृत्व पीछे नहीं हटेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा, जब स्वराज स्थापित करने की जरूरत थी, हमने लड़ाई लड़ी। और जब स्वराज की रक्षा के लिए लड़ाई की जरूरत होगी, तो हम पीछे नहीं हटेंगे। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में यह बात साफ तौर पर दिखी कि हम स्वराज की रक्षा के लिए हमेशा तैयार हैं।

'श्रीमंत थोरले बाजीराव पेशवा' की प्रतिमा का किया अनावरण

पुणे, 4 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को महाराष्ट्र दौरे पर हैं। वे गुरुवार रात को पुणे पहुंचे थे। यहां शाह चार कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सबसे पहले उन्होंने पुणे के पास खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में 'श्रीमंत थोरले बाजीराव पेशवा' की प्रतिमा का अनावरण किया। 13.5 फुट ऊंची, 4,000 किलोग्राम वजन की कांस्य प्रतिमा श्रीमंत थोरले बाजीराव पेशवा प्रतिष्ठान की ओर से एनडीए को दान की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के प्रशिक्षुओं से बातचीत भी की। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि मराठा साम्राज्य के योद्धा पेशवा बाजीराव के स्मारक के लिए पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) परिसर सबसे उपयुक्त स्थान है।

'ऑपरेशन सिंदूर में फेल हुए चीन और तुर्किये के खतरनाक मंसूबे'

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के उप-सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन पाकिस्तान को भारत की तैयारियों और अग्रिम मोर्चों पर हमारी तैनाती को लेकर इनपुट दे रहा था।

फिक्की द्वारा आयोजित 'न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज' कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तो पाकिस्तान को चीन से हमारे महत्वपूर्ण वैक्टरों के लाइव अपडेट मिल रहे थे। ऐसे में यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमें असल में ज्यादा से ज्यादा और तेजी के साथ काम करने की जरूरत है। अपने संबोधन में उन्होंने चीन-तुर्किए और पाकिस्तान के गठबंधन को बेनकाब करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम एक सीमा पर दो विरोधियों या असल में तीन से जंग लड़ रहे थे। पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था और चीन उसे हर संभव सहायता प्रदान कर रहा था।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास 817 सैन्य हार्डवेयर चीनी है। इस अभियान में चीन ने एक तरह से अपने हथियारों का परीक्षण अन्य हथियारों के खिलाफ किया। पाकिस्तान एक तरह से उनके लिए एक प्रयोगशाला की तरह उपलब्ध था। तुर्की ने भी इस प्रकार की सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने संबोधन में उन्होंने एक मजबूत वायु रक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर पाकिस्तान हम पर हमला करता है तो वह आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बना सकता है। इस बार पूरे ऑपरेशन के दौरान एयर डिफेंस और उसका संचालन बेहतरीन था, लेकिन इस बार हमने आबादी वाले क्षेत्रों में एयर डिफेंस पर ठीक से ध्यान नहीं दिया गया।

डीके शिवकुमार को बड़ी राहत

बेंगलूरू, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को डिप्टी मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को अंतरिम राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रही आपराधिक मानहानि मामले की ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी। यह मामला कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 से पहले कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी किए गए 'करप्शन रेट कार्ड' विज्ञापनों को लेकर भाजपा ने दायर किया था। न्यायमूर्ति एस.आर. कृष्ण कुमार ने इस मामले की सुनवाई करते हुए प्रतिवादी को नोटिस जारी किया और मामले को 29 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया। कोर्ट ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) को भी इसी मामले में राहत दी है, जो सह-आरोपी है। भाजपा ने आरोप लगाया था कि इन विज्ञापनों में सत्ता में रहते हुए भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाने का झूठा आरोप लगाया गया। भाजपा के अनुसार, स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित और ऑनलाइन प्रचारित विज्ञापनों ने पार्टी की सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाया। भाजपा ने कांग्रेस के दावों को पूरी तरह से मनगढ़ंत और "काल्पनिक कल्पना से पैदा हुआ" करार दिया है।

सेनेटरी पैड के पैकेट पर राहुल गांधी की फोटो

भाजपा बोली-ये घिनौनी हरकत महिलाओं का अपमान

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस बिहार में 5 लाख महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटेगी। इस सेनेटरी पैड के कवर पर राहुल गांधी का फोटो लगा है। लिखा है, 'माई-बहिन मान योजना, जरूरतमंद महिलाओं को सम्मान राशि- 2500 रुपए महीना। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने शुक्रवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'बिहार में महिलाओं के लिए हमने विशेष तैयारी की है। हमारा लक्ष्य 5 लाख महिलाओं को घर-घर जाकर सेनेटरी पैड दिया जाएगा।' भाजपा ने इसे बिहार की महिलाओं का अपमान बताया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि ये जानबूझकर की गई घिनौनी हरकत है। बिहार की महिलाएं गरीब हो सकती हैं, लेकिन उनका स्वाभिमान नहीं मरा है। सेनेटरी नैपकिन के पैकेट पर राहुल गांधी की तस्वीर छपी होने के मामले में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि इससे घिनौनी हरकत और कुछ भी नहीं हो सकती। इसे मैं शर्मनाक नहीं कहूंगा.. क्या कांग्रेसी नेता ये सेनेटरी पैड अपने घर में जाकर देंगे। राहुल गांधी विज्ञापन स्टार बन गए हैं। सेनेटरी पैड का अब विज्ञापन कर रहे हैं। राजनीति छोड़ दीजिए और कुछ और कर लीजिए। योजना को लेकर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अल्का लांबा ने कहा, 'हमने बिहार में एक सर्वे किया और चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। अल्का ने कहा-बिहार और आधुनिक भारत में आज भी महिलाएं और बेटियां माहवारी में कपड़ा इस्तेमाल कर रही हैं और गंभीर बीमारियों का शिकार हो रही हैं। महिला कांग्रेस ने जिम्मेदारी ली है कि हम बिहार की अपनी मां-बहन-बेटियों को जो गरीबी की वजह से सेनेटरी पैड इस्तेमाल नहीं कर रही हैं।

चीनी व्यक्तियों ने बनाया फर्जी निवेश एप

> उच्च रिटर्न का दिया लालच, 903 करोड़ रुपये ठगे

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुख्यालय कार्यालय ने चीनी एप निवेश धोखाधड़ी मामले में मास्टर माइंड रोहित विज को गिरफ्तार किया है। बाद में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत रोहित विज, उनकी व्यावसायिक संस्थाओं और सहयोगियों से जुड़े दिल्ली में 5 परिसरों में तलाशी ली गई। इसके परिणामस्वरूप अपराध की आय (पीओसी) की पहचान, बरामदगी और आपत्तिजनक दस्तावेजों की जब्ती हुई है। इस मामले में चीनी व्यक्तियों ने भारतीयों की मदद से एक फर्जी निवेश एप बनाया। उच्च रिटर्न का लालच देकर निवेशकों को धोखा दे दिया। आरोपियों ने 903 करोड़ रुपये का खेल कर दिया। ईडी ने वर्ष 2022 में पीएस साइबर अपराध, हैदराबाद द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ चीनी व्यक्तियों ने (कई भारतीय व्यक्तियों के साथ मिलकर) 'एलओएक्सएम' नामक अपने फर्जी निवेश एप के माध्यम से निवेश पर अवास्तविक रूप से उच्च रिटर्न का लालच देकर और पेशकश करके विभिन्न निवेशकों को धोखा दिया है।

'ईडी का केस बेहद ही अजीब है'

> कोर्ट में सोनिया गांधी की ओर से बोले अभिषेक मनु सिंघवी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शुक्रवार को अदालत में दलील दी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का यह मामला वास्तव में बेहद अजीब और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा, यह मामला सिर्फ अजीब नहीं, बल्कि बहुत ही अनोखा है। यह कथित मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है, लेकिन इसमें न कोई संपत्ति है, न संपत्ति का उपयोग या प्रदर्शन।

क्या है नेशनल हेराल्ड केस :

प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर मनी लॉन्ड्रिंग और साजिश के आरोप लगाए हैं। ईडी का आरोप है कि इन लोगों ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजीएल) की 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को धोखाधड़ी से हड़प लिया। यह वही कंपनी है जो नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करती थी। आरोप है कि यंग इंडियन ने सिर्फ 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले एजीएल की पूरी संपत्ति अपने हाथ में ले ली। मामले की सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा, हर कंपनी को कानून के तहत अपनी देनदारी हटाने की अनुमति होती है।

पीसीआई अध्यक्ष मोंटू पटेल के ठिकानों पर छापेमारी

फार्मेसी कॉलेजों को मान्यता देने में भ्रष्टाचार का आरोप

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई ने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष मोंटू एम पटेल के परिसरों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने बताया कि मोंटू एम पटेल पर फार्मेसी कॉलेजों के निरीक्षण और अनुमोदन प्रक्रियाओं में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के लिए मामला दर्ज किया गया है।

पटेल के खिलाफ यह कार्रवाई प्रारंभिक जांच (पीई) के निष्कर्षों के आधार पर की गई है। जांच के दौरान पता चला था कि उन्होंने कॉलेजों को मंजूरी देने में कथित तौर पर भ्रष्टाचार, नियंत्रण और हेरफेर किया। सीबीआई ने उनके खिलाफ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव की शिकायत के आधार पर जांच और छापेमारी की कार्रवाई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले में फार्मेसी कॉलेजों द्वारा मान्यता प्राप्त करने के तरीकों की जांच की, जिसमें तय नियमों का उल्लंघन और पारदर्शिता की कमी सामने आई। अधिकारियों ने बताया कि आरोप है कि मोंटू पटेल के कार्यकाल में 2023-24 में 391वीं कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान महत्वपूर्ण बदलाव किए गए।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी

ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश, तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी एएफपी को पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है।

रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा।

चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान राजनयिकों को तैनात कर रखा है, लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी।

जमीन पर कोई काम किए बिना ही ठेकेदारों को किया 92 करोड़ का भुगतान

इंदौर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), इंदौर उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 'इंदौर नगर निगम' (आईएमसी) के फर्जी बिल घोटाले के मामले में 34 करोड़ रुपये (लगभग) की संपत्ति को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। कुर्क की गई संपत्तियों में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित 43 अचल संपत्तियां (आवासीय और कृषि दोनों) शामिल हैं। इंदौर नगर निगम के तहत नाली निर्माण कार्य, जो जमीनी स्तर पर हुआ ही नहीं, लेकिन ठेकेदारों को अवैध रूप से 92 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया। इसके लिए फर्जी बिल लगाए गए थे।

ईडी ने आईएमसी फर्जी बिल घोटाले के संबंध में आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत मध्य प्रदेश पुलिस, इंदौर द्वारा दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी की जांच से पता चला कि आईएमसी अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके विभिन्न ठेकेदारों ने आपराधिक साजिश रची। जमीनी स्तर पर कोई काम किए बिना 'नाली निर्माण कार्य' के फर्जी बिल पेश कर अपराध की आय (पीओसी) अर्जित की गई। आरोपी ठेकेदारों को अवैध रूप से 92 करोड़ रुपये का भुगतान भी कर दिया गया।

पीएम मोदी उस देश में गए हैं, जहां 50 सालों में कोई प्रधानमंत्री नहीं गया : पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी घाना की अपनी दो दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद गुरुवार को त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे जहां पियार्को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर ने उनका स्वागत किया। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी उस देश में गए हैं, जहां 50 सालों में कोई प्रधानमंत्री नहीं गया।

पीएम मोदी की 2 दिवसीय त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, उन्होंने एक सूची बनाई कि कौन से प्रधानमंत्री किस देश में गए और कौन से नहीं गए और फिर उस सूची को लागू करने निकल पड़े। पिछले 11 सालों से 'मास्टर स्ट्रोक' की खबरें आ रही हैं। पीएम मोदी उस देश में गए हैं, जहां 50 सालों में कोई प्रधानमंत्री नहीं गया।

पहाड से मैदान तक जलप्रलय, दक्षिण भारत भी अछूता नहीं

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में मॉनसून के आगमन के साथ ही अलग-अलग राज्यों में भीषण बारिश देखने को मिल रही है। उत्तराखंड और हिमाचल में भीषण बारिश ने कहर ढाया हुआ है। यहां भूस्खलन और बाढ़ के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने अलग-अलग राज्यों के लिए मौसम का अलर्ट जारी किया है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है।

इस बीच कई एक्टिव मॉनसून प्रणालियों के कारण, उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और तटीय राज्यों में लगातार और तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है। 6 जुलाई के बीच राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तापमान में मामूली गिरावट के साथ-साथ रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। 5 और 6 जुलाई के आसपास गरज के साथ बारिश होने की संभावना है, जिससे गर्मी और कम होगी। हालांकि इस दौरान हवा का रुख बदल सकता है।

उत्तर-पश्चिम भारत में भारी बारिश की संभावना

आईएमडी ने बताया कि सक्रिय मानसून ट्रफ और चक्रवाती परिसंचरण के कारण पूर्वी राजस्थान में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में 5 से 9 जुलाई के बीच व्यापक वर्षा हो सकती है। इन क्षेत्रों में 6 से 7 जुलाई के बीच वर्षा की गतिविधि चरम पर रहने की उम्मीद है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और जम्मू क्षेत्र में बारिश के साथ-साथ छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा) चलने की उम्मीद है। पहाड़ी क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश होने की वजह से बाढ़ का खतरा भी बना हुआ है।

पश्चिम भारत में मूसलाधार बारिश की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक, कोंकण, गोवा और महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों सहित पश्चिमी तटीय क्षेत्र, अरब सागर से आने वाली नमी और मजबूत अपतटीय गर्त के कारण अलर्ट पर है। 4 जुलाई को और फिर 6 से 7 जुलाई के बीच, विशेष रूप से दक्षिण कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में अत्यधिक भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ में भी इस सप्ताह भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना। सौराष्ट्र के निचले इलाकों में अचानक बाढ़ आने की संभावना बनी हुई है।

मध्य और पूर्वी भारत में भारी बारिश का अनुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून प्रणाली के एक मजबूत अभिसरण से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भारी बारिश होने का अनुमान है। 4 से 7 जुलाई तक पूर्वी मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश होगी, जिसके बाद पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी भारी बारिश होगी। निचले शहरी इलाकों में नदियों का उफान और जलभराव मुख्य चिंता का विषय बना हुआ है।

ओडिशा में 5 जुलाई तक बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। इस कारण शहरी इलाके में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में भी 6 और 7 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 9 जुलाई तक तेज हवाओं और गरज के साथ लगातार बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत: मेघालय में भूस्खलन का खतरा

मौसम विभाग के मुताबिक, असम के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के कारण पूर्वोत्तर भारत में बारिश की गतिविधि सक्रिय बनी हुई है। असम और उसके पड़ोसी क्षेत्रों जैसे राज्यों में पूरे सप्ताह मध्यम से भारी बारिश के साथ-साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है। 6 जुलाई को मेघालय में अत्यधिक भारी बारिश के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के बढ़ते जोखिम को लेकर भी चेतावनी जारी की है।

दक्षिणी भारत में कैसा रहेगा मौसम

बता दें कि बारिश की मार से दक्षिणी भारत भी अछूता नहीं है। तटीय कर्नाटक और केरल में 9 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है और समुद्र की स्थिति खराब हो सकती है। कोच्चि जैसे शहरी केंद्रों में स्थानीय स्तर पर बाढ़ आने की संभावना बनी हुई है। इसके अलावा कर्नाटक के आंतरिक क्षेत्रों, माहे, तेलंगाना और तमिलनाडु में भी अलग-अलग तीव्रता की बारिश होगी।

ड्यूटी पर तैनात जवान ने खुद को मारी गोली, डेढ़ साल पहले की थी लव मैरिज

इंदौर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के द्वारिकापुरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे पुलिस विभाग में तैनात 28 वर्षीय सिपाही अनुराग भागोर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना दिग्विजय मल्टीस्टोरी बिल्डिंग के एक फ्लैट में हुई। आत्महत्या के समय अनुराग के साथ सिपाही मोहित भी मौजूद था। मोहित ने बताया कि अनुराग ड्यूटी के दौरान आ रहे फोन कॉल्स रिसीव नहीं कर रहा था।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल भिजवाया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि अनुराग का अपनी पत्नी रानू से विवाद चल रहा था। डेढ़ साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। रानू धार जिले के मांडव की रहने वाली है और बीते सात दिनों से अपने मायके में है। जानकारी के अनुसार, पत्नी का भाई करंट लगने से घायल हो गया था और उसका इलाज अरविंदो हॉस्पिटल में चल रहा है। अनुराग ड्यूटी के कारण घर और अस्पताल नहीं जा पा रहा था, जिससे दोनों के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी। अनुराग मूल रूप से अलीराजपुर का रहने वाला था।

इससे पहले वह सर्राफा थाने में पदस्थ था, लेकिन हाल ही में उसका ट्रांसफर द्वारिकापुरी थाने में हुआ था। परिजनों के अनुसार ट्रांसफर के बाद उसका ड्यूटी शेड्यूल और ज्यादा कड़ा हो गया था। अनुराग के परिवार में बड़ा भाई अविनाश और छोटा भाई देवेंद्र है।

हॉकी के लिए पाकिस्तान को भारत में हरी झंडी मिलने के बाद भड़का विपक्ष

मुंबई, 4 जुलाई (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय ने जब से ये ऐलान किया है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम एशिया कप और जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप खेलने भारत आएगी, तब से बवाल मचा हुआ है। विपक्षी पार्टियां इस कदम को लेकर कड़ी आपत्ति जता रही है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने तीखे बयान में सरकार पर सवालों की बौछार कर दी है। उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम हमले का हवाला देते हुए गृह मंत्रालय की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, पाकिस्तान का के 'फेल्ड मार्शल' अब भी भारत के खिलाफ जहर उगल रहा है और हमारी सरकार खासकर गृह मंत्रालय को लगता है कि खेल रिश्ते जारी रखने चाहिए? यही गृह मंत्रालय अब तक देश को ये नहीं बता पाया कि पहलगाम से लापता हुए चार आतंकवादी कहां गए? दरअसल, खेल मंत्रालय ने पाकिस्तान की हॉकी टीम को भारत में आयोजित होने वाले दो बड़े टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने की मंजूरी दी है। इनमें एक जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप और दूसरा एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट है। एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होगा। इस फैसले के बाद से ही कई विपक्षी दल सरकार की नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर उस पर निशाना साध रहे हैं।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि ये टूर्नामेंट द्विपक्षीय नहीं बल्कि बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन हैं, जिसमें कई देशों की टीमें हिस्सा लेती हैं। ऐसे में किसी एक देश को खेलने से रोकना अंतरराष्ट्रीय खेल नियमों के खिलाफ हो सकता है। हालांकि, विपक्ष का कहना है कि जब सीमा पर हालात तनावपूर्ण हैं और आतंकी गतिविधियां जारी हैं, तब इस तरह की खेल कूटनीति सुरक्षा के लिहाज से एक गलत संकेत देती है।

कोलकाता लॉ स्टूडेंट गैंगरेप केस- क्राइम सीन रीक्रिएट किया

पुलिस सुबह 4.30 बजे आरोपियों को लेकर कॉलेज पहुंची; 25 जून को हुई थी घटना

कोलकाता, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के साथ साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज पहुंची थी। तीनों मुख्य आरोपियों मोनोजीत मिश्रा, मौजूदा स्टूडेंट प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद और सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को सुबह करीब 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। इस प्रक्रिया को पूरा करने में करीब चार घंटे लगे। इसके बाद सभी को पुलिस स्टेशन वापस लाया गया। पुलिस के अफसर ने बताया कि जो नतीजे मिले हैं, उनसे अब महिला के आरोपों से जांच की जाएगी और बाकी सबूतों से पुष्टि की जाएगी।

सुरक्षा गार्ड पिनाकी को दोपहर बाद अदालत में पेश किया जाएगा, क्योंकि उसकी पुलिस रिमांड 4 जुलाई तक है। मामले की जांच फिलहाल कोलकाता पुलिस का डिटेक्टिव डिपार्टमेंट कर रहा है। घटना 25 जून को पश्चिम बंगाल की राजधानी के कस्बा क्षेत्र में साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई। 5 दिन बाद, 30 जून को कोलकाता पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को 12 घंटे से भी कम समय में गिरफ्तार किया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है।

ओडिशा भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान गिरफ्तार

समर्थकों ने सरकारी अफसर को ऑफिस में घुसकर पीटा था, लात-घूंसे मारने का वीडियो वायरल हुआ

भुवनेश्वर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा में भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) के एडिशनल कमिश्नर की पिटाई मामले में भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान की गिरफ्तार हुई है। उन्होंने गुरुवार शाम पुलिस के सामने सरेंडर किया। अब तक मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी हो गई है। प्रधान ने कहा- 'मैं जांच में सहयोग करने के लिए आया हूं। अगर मेरी गिरफ्तारी से मामला हल हो जाता है तो मैं सहयोग करने के लिए तैयार हूं।' साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, भाजपा नेता पर आरोप है कि उनके समर्थकों ने (बीएमसी) के एडिशनल कमिश्नर रत्नाकर साहू की जनसुनवाई के दौरान पिटाई कर दी थी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में 6-8 लोग साहू को गालियां देते और लगातार घूंसे मारते दिख रहे थे। घटना के बाद मीडिया से बातचीत में साहू ने कहा था- मैं हमलावरों को नहीं जानता हूं। उन्होंने मेरे साथ हाथापाई की और कार में ले जाने की कोशिश कर रहे थे। मैं इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दूंगा और जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी। वहीं, बीएमसी के अधिकारियों ने ऑफिस परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। पूरे दिन कामकाज नहीं हुआ। कर्मचारियों की मांग है कि दोषियों की जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, 6 लोग साहू के चैंबर में घुसे और उनके साथ मारपीट करने लगे थे। लोगों ने अधिकारी पर हमला क्यों किया, इसको लेकर अभी तक स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ हमलावरों की पहचान भी नहीं हुई है। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर अधिकारी से मारपीट का वीडियो शेयर किया था। उन्होंने लिखा था- मैं यह वीडियो देखकर हैरान हूं। सीनियर अधिकारी को उनके कार्यालय से घसीटकर बेरहमी से लात-घूंसों से पीटा गया।

यह हमला एक बीजेपी पार्षद की मौजूदगी में हुआ। पटनायक ने आगे कहा था- मैं मोहन चरण माझी से अपील करता हूं कि इस शर्मनाक हमले को अंजाम देने वालों के खिलाफ तो सख्त कार्रवाई हो ही। इससे भी ज्यादा जरूरी है कि इस साजिश में शामिल राजनीतिक नेताओं पर भी तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाए। एफआईआर में जिन लोगों के नाम हैं।

बेंगलुरु में शख्स ने रिश्तेदार के घर आग लगाई.

उधार के 5 लाख रुपए मांगने से नाराज था; आरोपी पर एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक व्यक्ति ने लोन विवाद पर अपने रिश्तेदार के घर में आग लगा दी। इसका सीसीटीवी फुटेज अब वायरल हो रहा है। घटना 1 जुलाई की है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। बेंगलुरु पुलिस के मुताबिक, विवाद 7-8 साल से चल रहा है। आरोपी ने अपने रिश्तेदार से 5 लाख रुपए उधार दिए थे। जब रिश्तेदार ने पैसा मांगा तो उसने झगड़ा किया। इसके बाद घर के गेट पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। हालांकि, इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है। घर के सामने का हिस्सा और खिड़कियां जल गईं। पुलिस के मुताबिक, विवाद पीड़ित वेंकटारमणी, उनके बेटे सतीश और आरोपी सुभ्रमणि के बीच का है। सतीश ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी सुभ्रमणि उसका रिश्तेदार है। 8 साल पहले पिता वेंकटारमणी ने सुभ्रमणि को उसकी बेटी महालक्ष्मी की शादी के लिए 5 लाख रुपए उधार दिए थे। कई बार मांगने के बावजूद पैसा वापस नहीं मिला। हाल ही में एक पारिवारिक शादी में यह मुद्दा फिर उठा। पार्वती और उसके पति सुभ्रमणि से बहस के बाद मामला झगड़े और धमकी तक पहुंच गया।

1 जुलाई को, जब सतीश काम पर थे, उनकी मां ने उन्हें कॉल कर बताया कि कोई व्यक्ति घर के मुख्य दरवाजे, जूतों की अलमारी और खिड़की पर पेट्रोल डालकर आग लगा गया। उस समय घर में वेंकटारमणी और सतीश का भाई मोहन दास मौजूद थे। बाद में सीसीटीवी फुटेज में सुभ्रमणि पेट्रोल की बोतल लेकर घर में घुसते हुए देखा गया। उसने जूते रखने की जगह और खिड़की पर पेट्रोल डाला और माचिस से आग लगाई। आग इतनी तेजी से फैली कि वह खुद भी उसकी चपेट में आने से बाल-बाल बचा।

गैंगस्टर मनजीत महाल के भांजे की हत्या की गुत्थी सुलझी, नंदू गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने गैंगस्टर मनजीत महाल के भांजे दीपक की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद नंदू गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैरों में गोली लगी है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर पांच राउंड फायरिंग की, इसके जवाब में पुलिस ने भी चार राउंड की फायरिंग की। पुलिस को मौके से दो देसी पिस्टल और आठ कारतूस बरामद मिले हैं। पकड़े गए बदमाशों का नाम विजय और सोमवीर बताया जा रहा है। दोनों ही कुख्यात नंदू गैंग से जुड़े शूटर हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि ये दोनों शूटर गैंगस्टर मनजीत महाल के भांजे दीपक की हत्या में शामिल थे।

पुलिस हिरासत में सुरक्षाकर्मी की मौत मामले में सियासत

भाजपा और अन्नाद्रमुक ने स्टालिन सरकार को घेरा

चेन्नई, 4 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में पुलिस हिरासत में मंदिर के सुरक्षा गार्ड अजित कुमार की मौत के मामले में सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दल भाजपा और एआईएडीएमके ने इस मुद्दे पर सीएम एमके स्टालिन और डीएमके सरकार को घेरा है। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंथिरन और एआईएडीएमके के प्रवक्ता कोवई सत्यन ने पुलिस की हरकत पर सवाल उठाए हैं। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंथिरन ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ठीक नहीं है। पुलिस मुख्यमंत्री के नियंत्रण में नहीं है। इसे सचिवालय में बैठे किसी व्यक्ति द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। सचिवालय में बैठे किसी व्यक्ति के आदेश पर अजित कुमार का अपहरण किया गया। उन पर बेरहमी से हमला किया गया और हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि जहां तक अजित कुमार का सवाल है, बिना किसी एफआईआर और जांच के पुलिस ने उनका अपहरण कर लिया और उनकी हत्या कर दी। राज्य में यह सामान्य बात हो गई है। उन्होंने कहा कि नुंगमबक्कम पुलिस स्टेशन में भी बाल यौन शोषण की कुछ घटनाएं हुई हैं और उन्होंने कुछ पुलिस अधिकारियों का नाम लिया है। जिन पुलिस वालों को सुरक्षा देनी है, वे अपराध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिर्फ माफी मांग रहे हैं। एआईएडीएमके के राष्ट्रीय प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि यह हिरासत में हुई हत्या है, हिरासत में मौत नहीं।

उसके शरीर पर सिगरेट से जलने के निशान थे। उसके शरीर का एक भी अंग ऐसा नहीं था जो इस क्रूरता, अमानवीय और बर्बर कृत्य से अछूता रहा हो। पुलिस बल को इस तरह की अत्यधिक यातना और शक्ति का उपयोग करने की अनुमति किसने दी? उन्होंने कहा कि हम ऐसे देश में रहते हैं जहां एक आतंकवादी को जेल में बिरयानी खिलाई जाती है

जबकि तमिलनाडु पुलिस एक आम आदमी पर कानून अपने हाथ में लेती है। जबकि उसके खिलाफ शिकायत अभी भी साबित नहीं हुई है। शिकायत की विश्वसनीयता अभी बड़े सवालों के घेरे में है। शिकायतकर्ता का पैसे ठगने का इतिहास रहा है, कुछ समय पहले उसने डिप्टी सीएम के पीए का नाम लिया था, जो अब सामने आया है। उसके पिछले रिकॉर्ड पर क्लीन चिट नहीं है। सत्यन ने कहा कि अजित कुमार कोई सीरियल अपराधी नहीं था और अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था। हमें देखना होगा कि क्या हुआ है? क्या सीएम स्टालिन में उन्हें और हिरासत में यातना और मौत के शिकार हुए 24 लोगों को न्याय दिलाने का साहस होगा?

हथियार तस्करी और हवाला कारोबार से जुड़े नौ आरोपी गिरफ्तार, ड्रग मनी और नशा बरामद

चंडीगढ़, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय नार्को-आर्म्स मॉड्यूल और एक अंतर-राज्यीय नार्को-हवाला सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पहले मामले में तीन आरोपियों, जिनमें से दो हाल ही में मलेशिया से लौटे हैं, को पांच अत्याधुनिक पिस्तौल (ग्लॉक और चीनी पिस्तौल) और एक किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी पंजाब में हथियार पहुंचाने के लिए पाकिस्तान और मलेशिया में हैंडलर्स के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

एक अन्य मामले में दिल्ली, कर्नाटक और दुबई से जुड़े एक नार्को-हवाला नेटवर्क में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिससे 9.7 लाख रुपये की ड्रग मनी और 150 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

शादी का झूठा वादा करके संबंध बनाने के आरोप नहीं लगा सकती शादीशुदा महिला: हाई कोर्ट

तिरुवनंतपुरम, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में रेप केस बढ़ते जा रहे हैं। देश में कई रेप केस सामने आते हैं। लेकिन कुछ केस ऐसे भी होते हैं जहां महिलाएं दावा करती हैं कि उनके साथ शादी का वादा करके इस दुष्कर्म को अंजाम दिया गया। इसी को लेकर अब केरल हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि एक शादीशुदा महिला यह आरोप नहीं लगा सकती कि उसे शादी के झूठे वादे के तहत यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने कहा कि रेप या शादी के झूठे वादे पर धोखे से यौन संबंध बनाने के आरोपों वाले केस में जब सुनवाई की जाती है, तब सुनवाई करने पर उससे जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों को लेकर विचार किया जाना जरूरी हो जाता है।

कोर्ट ने कहा, यह देखा गया है कि शादी का वादा करके रेप करने का आरोप लगाने वाले मामलों पर विचार करते समय, इस समय इस अदालत के लिए इस निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है कि संबंध सहमति से था या नहीं। पूरी परिस्थितियों को ध्यान में रखना होगा, खासकर जब एक शादीशुदा महिला किसी अन्य व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाती है। अगर दोनों पक्ष मौजूदा विवाह के बारे में जानते हैं तो यह आरोप नहीं लगाया जा सकता है कि उनके बीच यौन संबंध शादी के वादे के लिए बनाए गए थे। यह आदेश कोर्ट ने एक ऐसे व्यक्ति की ओर से दायर जमानत याचिका पर पारित किया है, जिस पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 84 (आपराधिक इरादे से एक विवाहित महिला को लुभाना या ले जाना) और 69 (चालाकी से यौन संबंध बनाना) के तहत आरोप लगाया गया था। धारा 69 के तहत शादी का झूठा वादा करके संबंध बनाना भी शामिल है। इसमें 10 साल तक की कैद की सजा हो सकती है।

याचिकाकर्ता (आरोपी) के खिलाफ अभियोजन पक्ष का मामला यह था कि उसने एक महिला से शादी का झूठा वादा करके उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। इसी के साथ उसने महिला के फोटो और वीडियो पब्लिश करने के लिए उसको डराया और 2.5 लाख रुपये ले लिए। शख्स को 13 जून को गिरफ्तार किया गया और तभी से वो सलाखों के पीछे हैं।

याचिकाकर्ता के वकील ने इन सभी आरोपों का खंडन किया। उन्होंने तर्क दिया कि शादी के वादे के तहत रेप का आरोप सिर्फ यह सुनिश्चित करने के लिए शख्स पर लगाया गया था कि याचिकाकर्ता महिला की वित्तीय मांगों को पूरा करें।

अमरनाथ यात्रा- पहले दिन 12,348 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

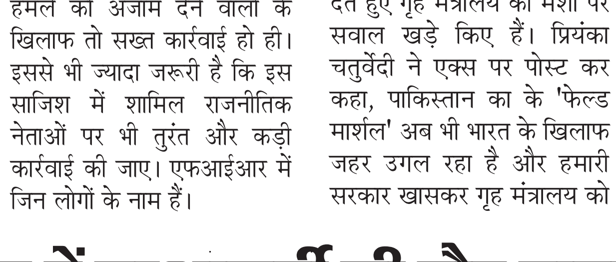

पहलगाम, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा गुरुवार से शुरू हो गई। पहले दिन शाम 7:15 बजे तक 12,348 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इनमें 9,181 पुरुष और 2,223 महिलाएं शामिल थीं। वहीं 99 बच्चे, 122 साधु, 7 साध्वी, 708 सुरक्षाबलों के जवान और 8 ट्रांसजेंडर श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच 5,200 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था गुरुवार को जम्मू के भगवतीनगर बेस कैंप से रवाना हुआ, जो दोपहर 2 बजे पहलगाम बेस कैंप पहुंच गया। 6400 यात्रियों को लेकर तीसरा जत्था शुक्रवार सुबह 4 बजे अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। पहले दिन बालटाल रूट पर 16 किमी तक लाइन लगी। हालांकि यात्रा के पहले ही दिन तक हिम शिवलिंग का आकार 1.5 से 2 फीट ही रह गया था। ऐसे में संभावना है कि इस बार भी शिवलिंग जल्दी पिघल जाएगा। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पहलगाम रूट बेहतर

यदि आप अमरनाथ सिर्फ धार्मिक यात्रा के रूप में आ रहे हैं तो बालटाल रूट बेहतर है। यदि कश्मीर के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से जीना चाहते हैं तो पहलगाम रूट बेहतर है। हालांकि इसकी हालत बालटाल रूट के विपरीत है। गुफा से चंदनबाड़ी तक सफर थकान, धूलभरा है। रास्ता पत्थरों वाला और कहीं-कहीं बहुत संकरा है। 48 किमी लंबे जर्जर रूट पर कई जगह रेलिंग गायब है तो कहीं घोड़ों के लिए अलग रास्ता है। भास्कर टीम ने दूसरे दिन का सफर पहलगाम रूट से किया। जैसे ही आप गुफा से इस रूट पर बढ़ते हैं, जवान डॉग स्क्वॉड के साथ मिल जाएंगे। पंचतरणी से आगे बुग्यालों (पहाड़ों पर हरी घास के मैदान) में बैठे जवान दिखेंगे। ये नजारा 14,800 फीट ऊपर गणेश टॉप, पिस्सू टॉप पर भी दिखा। पिछली बार इतनी सुरक्षा नहीं थी।

पहलगाम रूट: इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं, लेकिन ये रास्ता आसान है। यात्रा में खड़ी चढ़ाई नहीं है। पहलगाम से पहला पड़ाव चंदनवाड़ी है। ये बेस कैंप से 16 किमी दूर है। यहां से चढ़ाई शुरू होती है।

तीन किमी चढ़ाई के बाद यात्रा पिस्सू टॉप पहुंचती है। यहां से पैदल चलते हुए शाम तक यात्रा शेषनाग पहुंचती है। ये सफर करीब 9 किमी का है। अगले दिन शेषनाग से यात्री पंचतरणी जाते हैं। ये शेषनाग से करीब 14 किमी है। पंचतरणी से गुफा सिर्फ 6 किमी रह जाती है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 5 जुलाई, 2025

सुविचार: प्रगति के लिए ग़लतियाँ और निराशाएँ आवश्यक हैं

रोसैया अच्छे अर्थशास्त्री और नीति निर्माता थे : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कोनिजेती रोसैया को 16 बार राज्य का बजट पेश करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त था, जो न केवल उनकी राजनीतिक सूझबूझ, बल्कि उनकी आर्थिक विशेषज्ञता का भी प्रमाण है। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि वह केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक अनुभवी अर्थशास्त्री और नीति निर्माता भी थे। शुक्रवार को यहां रवींद्र भारती में कोनिजेती रोसैया की 92वीं जयंती समारोह के कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि रोसैया एक ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने अपनी सिद्धांतवादी और मूल्य-आधारित राजनीति के कारण न केवल अपनी पार्टी से बल्कि विपक्ष से भी प्रशंसा अर्जित की। उन्होंने कहा, सर्वोच्च पदों पर पहुंचने के बावजूद, वे विनम्र और जमीन से जुड़े रहे। यह बहुत गर्व और खुशी की बात है कि ऐसे महान नेता की प्रतिमा का आज लकडीकापुल में अनावरण किया जा रहा है, जो ऐसे कद के व्यक्ति को सच्ची श्रद्धांजलि है। मंत्री ने कहा कि रोसैया ने कभी सत्ता की लालसा नहीं की, बल्कि जिम्मेदारियों और पदों ने उन्हें ढूंढा। एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता के रूप में शुरूआत करते हुए, वे अपनी योग्यता के बल पर एमएलसी, एमएलए, एमपी, मंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के रूप में सेवा करने के लिए आगे बढ़े, और प्रत्येक भूमिका को ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ निभाया। उन्होंने कहा, रोसैया की वाकपटुता, निरंतर अध्ययन, प्रशासनिक कौशल और पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा उनके सार्वजनिक जीवन की पहचान थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन गुणों ने उनके कद और विरासत को ऊंचा किया। मंत्री ने आगे कहा कि अपनी अंतिम सांस तक रोसैया जन सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहे और उन्हें मुद्दों के अपने सूक्ष्म अध्ययन और विधानमंडल में लोगों की आवाज बनने के लिए जाना जाता था। श्रीधर बाबू ने कहा कि रोसैया ने स्पष्टता और साहस के साथ बात की, खासकर विधायी विधेयकों पर, और उनके भाषण हमारे लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करते हैं। व्यक्तिगत रूप से, रोसैया हमारे परिवार के बहुत करीब थे, एक मार्गदर्शक और मार्गदर्शक प्रकाश थे। उन्होंने मेरे पिता दुदिल्ला श्रीपदा राव के साथ एक मधुर संबंध साझा किया। मैं इसे बहुत सम्मान की बात मानता हूं कि मुझे उनके साथ एक ही कैबिनेट में मंत्री के रूप में सेवा करने का सौभाग्य मिला। मंत्री ने आगे कहा कि रोसैया की विरासत से प्रेरणा लेते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में लोगों की सरकार तेलंगाना के विकास के लिए अथक प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के सभापति गुथा सुखेंद्र रेड्डी, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और जुपल्ली कृष्ण राव तथा अन्य नेता भी उपस्थित थे।

आदिलाबाद में फर्जी पुलिसकर्मी गिरफ्तार

आदिलाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुडीहातनूर मंडल केंद्र में शुक्रवार को पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को ठगने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

उसके पास से एक मोटरसाइकिल जब्त की गई। इकोडा इंस्पेक्टर बंदरी राजू ने बताया कि नारनूर के कुडमेथा नागराव को पुलिस वर्दी में अपनी तस्वीर का इस्तेमाल कर जनता को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान नागराव ने पुलिस की वर्दी पहने अपनी तस्वीरें जेब में रखकर और अपने व्हाट्सएप प्रोफाइल पर डालकर लोगों से पैसे ऐंठने की बात स्वीकार की। उसने पुलिसवाला बनकर फोटो और प्रोफाइल दिखाकर भोले-भाले लोगों से रिश्वत लेने की बात भी स्वीकार की। गुडीहातनूर उपनिरीक्षक मधु कृष्ण और कर्मचारी उपस्थित थे।

तेलंगाना के मुद्दों पर बंद कमरे में केसी वेणुगोपाल, रेवंत रेड्डी ने की बातचीत

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी मामलों की समीक्षा और तेलंगाना कांग्रेस में उभरती चिंताओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री ए . रेवंत रेड्डी और एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। गांधी भवन में टीपीसीसी की राजनीतिक मामलों की समिति, सलाहकार समिति और अन्य समितियों सहित कई रणनीतिक बैठकें होने वाली हैं। इसमें एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी भाग ले रहे हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री और राज्य प्रभारी के साथ वेणुगोपाल की बंद कमरे में हुई बैठक ने पार्टी हलकों में अटकलों को हवा दे दी है।

स्थानीय निकाय चुनाव नजदीक आने के साथ ही पिछड़ी जातियों को 42% आरक्षण देने का कांग्रेस पार्टी का वादा सवालों के घेरे में आ गया है। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान इस विवादास्पद मुद्दे पर भी चर्चा हुई। हालांकि बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ के हाल ही में निधन के बाद जुबली हिल्स उपचुनाव पर अभी तक कोई आधिकारिक अधिसूचना नहीं आई है, लेकिन कई उम्मीदवार कांग्रेस टिकट के लिए सक्रिय रूप से पैरवी कर रहे हैं।

कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को सत्ता में पहुंचाया : खड़गे

पार्टी के नेता राहुल गांधी की पदयात्रा के दौरान ही उन्हें समझ आ गया था कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी सत्ता में आएगी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के प्रयासों के कारण बनी है। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस पार्टी के नेताओं ने पार्टी विधानसभा चुनाव से पहले कहा था कि केसीआर के अलावा कोई अन्य पार्टी नेता तेलंगाना में सत्ता में नहीं आएगा।

हमारी पार्टी के विरोधियों ने भी कहा था कि चूंकि केंद्र में भाजपा सत्ता में है, इसलिए राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी। लेकिन, हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की। उन्होंने सभी विपक्षी दलों को हराया और कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाया। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद सभी वर्गों को विकास का लाभ मिल रहा है। पार्टी के कार्यकर्ता ही पार्टी की आत्मा हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं की बदौलत ही हम राज्य में सत्ता में आए हैं, उन्होंने शहर के एलबी स्टेडियम में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की सामाजिक न्याय बैठक को संबोधित करते हुए कहा। खड़गे इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने याद दिलाया कि उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी की पदयात्रा के दौरान ही उन्हें समझ आ गया था कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में केंद्र सरकार के कई संस्थान हैं, उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने उन सभी संस्थानों को राज्य की राजधानी में ला दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि विदेश से काला धन वापस लाकर देश के सभी नागरिकों को 15 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की दर से बांटने के उनके वादे का क्या हुआ? उन्होंने कहा, मोदी जो कुछ भी कहते हैं, वह सब झूठ है। मोदी और शाह झूठ बोलकर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। तेलंगाना में शिक्षा और कृषि जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों के शानदार ढंग से काम करने का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि यह कांग्रेस सरकार ही है जो लोगों को मुफ्त बिजली, मुफ्त बसें और प्रीमियम गुणवत्ता वाला चावल मुफ्त में दे रही है। उन्होंने कहा, पिछली सरकार बिक्री के लिए चावल देती थी। कांग्रेस सरकार खाने के लिए चावल दे रही है। उन्होंने कहा कि वे तेलंगाना के शैक्षणिक संस्थानों में रोहित वेमुला अधिनियम ला रहे हैं और उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना में जाति जनगणना की है और देश के लिए एक मॉडल बन गए हैं, जबकि उन्होंने कहा कि वे पिछड़े वर्गों को आरक्षण देंगे। खड़गे ने कहा कि 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' कार्यक्रम को राज्य के हर घर तक ले जाना चाहिए।

बीआरएस ने खड़गे को बताया 'रबर स्टैम्प' अध्यक्ष

कांग्रेस पर तेलंगाना के मतदाताओं को धोखा देने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मौजूद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर तीखा हमला करते हुए बीआरएस नेताओं ने उन पर रबर स्टैम्प होने का आरोप लगाया जो केवल चुनाव के समय ही सामने आते हैं, जबकि बाकी समय राज्य के ज्वलंत मुद्दों को अनदेखा करते हैं। उन्होंने राज्य में कांग्रेस सरकार पर लगाम लगाने और पार्टी के चुनावी वादों को लागू करने के लिए कोई प्रयास न करने के लिए उन पर हमला बोला।

तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बात करते हुए बीआरएस नेता एरोला श्रीनिवास ने कहा कि खड़गे ने तेलंगाना के बेरोजगारों, अनुसूचित जातियों, किसानों और हथकरघा श्रमिकों को धोखा देकर खुद को 'गोड़ेबाज कांग्रेस' का अध्यक्ष बनने के योग्य साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में बेरोजगार युवाओं और समाज के अन्य वर्गों से किए गए चुनावी वादों में से कोई भी तेलंगाना में लागू नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, 'चेवेल्ला में एआईसीसी अध्यक्ष द्वारा जारी किया गया सुप्रीम कोर्ट का घोषणापत्र धूल में मिला हुआ है। एक भी वादा पूरा नहीं किया गया है,' उन्होंने खड़गे के दौरे को चुनावी स्टंट बताया। उन्होंने कांग्रेस के नारे 'जय भीम, जय बापू, जय संविधान' का मजाक उड़ाया और इसे खोखला बयान बताया तथा विधानसभा चुनावों के दौरान बड़े-बड़े वादे करके तथा फिर चुनावों के बाद राज्य में कभी अपना चेहरा न दिखाकर तेलंगाना के मतदाताओं को धोखा देने के लिए गांधी परिवार की आलोचना की।

बीआरएस नेता के वासुदेव रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे नौकरी कैलेंडर जारी करने और दो लाख सरकारी नौकरियों को भरने में अपनी विफलता को छिपाने के लिए प्रदर्शनकारी बेरोजगार युवाओं को गिरफ्तार कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, 'अगर 60,000 नौकरियां दी गईं, तो बेरोजगार अभी भी सड़कों पर क्यों हैं?' एक अन्य नेता बालाराजू यादव ने कहा कि रेवंत रेड्डी के रूप में गोडसे गांधी भवन में घुस गया है, जबकि खड़गे राज्य की पीड़ा को देखकर मूकदर्शक बने हुए हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान कांग्रेस के लिए प्रचार करने वाले बुद्धिजीवियों और एम कोडंडारम जैसे नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Savitri, W/o, No.14652045H, Hav, Sharanappa, R/o,Bidar Dist, Karnataka, changed my name from Savitri to Savitra vide Affidavit dt 03.07.2025.

I, No.14652045H, Hav, Sharanappa, R/o, Bidar Dist, Karnataka changed my Mother's name from Vemalabai to Vimlabai vide Affidavit dt 12.06.2025.

I, No.17008181K, Hav,Praveen Ammanagi,R/o, Belagavi Dist, Karnataka, changed my Father's name from Shivabasappa to Shivabasappa Mallappa Ammanagi vide Affidavit dt 03.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, No.17008181K, Hav, Praveen Ammanagi, R/o, Belagavi, Karnataka, changed my Mother's name from Maha Devi to Mahadevi Ammanagi vide Affidavit dt 03.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, Saraswati Udagatti, W/o, No.17016731W, CFN, Hanamant Muri, R/o, Belagavi Dist, Karnataka, changed my name from Saraswati Udagatti to Saraswati Hanamant Muri vide Affidavit dt 03.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, No.17016731W, CFN, Hanamant Muri, R/o, Belagavi Dist, Karnataka changed my Father's name from Laxman to Laxman Siddappa Muri vide Affidavit dt 03.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, No.17016731W, CFN, Hanamant Muri, R/o, Belagavi Dist, Karnataka, changed my Mother's name from Kashavva to Kashavva Muri vide Affidavit dt 03.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अंतिम रूप से चयनित छात्रों की सूची जारी

निर्मल, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी ज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी) ने शुक्रवार को 2025-26 के लिए छह वर्षीय एकीकृत बीटेक कार्यक्रमों के लिए अंतिम रूप से चयनित छात्रों की सूची जारी की। सूची जारी करते हुए कुलपति प्रो. गोवर्धन ने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2025-31 के लिए बसर (1,500 सीटें) और महबूबनगर (190 सीटें) परिसरों में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 1,690 छात्रों का चयन किया गया है। सूची के अनुसार, निज़ामाबाद जिले से 297 छात्रों के चयन के साथ शीर्ष पर रहा, उसके बाद संगारेड्डी जिले का स्थान रहा, जिसमें 222 सीटें थीं। प्रो. जयशंकर भूपलपल्ली जिले का नाम सबसे नीचे रहा, जहां केवल एक छात्र का चयन हुआ।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि आदिलाबाद और निर्मल जिलों को क्रमशः 35 और 34 सीटें मिलीं। मंचेरियल जिले के छात्रों को 32 सीटें मिलीं, जबकि कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के सिर्फ़ पांच छात्रों को विश्वविद्यालय में प्रवेश मिला।

उन्होंने बताया कि छात्रों से 19,877 आवेदन प्राप्त हुए। उनमें से 19,701 तेलंगाना के थे, जबकि 176 छात्र आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों के थे।

अधिकारियों के अनुसार, 8,241 आवेदक सरकारी स्कूलों में पढ़े हैं, जबकि 3,985 आवेदक निजी शिक्षण संस्थानों से पास हुए हैं। विश्वविद्यालय में दसवीं कक्षा के नतीजों में 318 आवेदकों ने 590 से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 1,018 आवेदकों ने 580 से अधिक अंक प्राप्त किए। 2,409 आवेदकों को 570 से अधिक अंक मिले, जबकि 4,573 आवेदकों ने 560 से अधिक अंक दर्ज किए।

इस बीच, काउंसलिंग का पहला चरण 7 जुलाई से 9 जुलाई तक परिसर में आयोजित किया जाएगा।

सीरियल नंबर 1 से 564 के बीच आने वाले उम्मीदवारों को 7 जुलाई को काउंसलिंग में शामिल होने की सलाह दी जाती है, जबकि सीरियल नंबर 565 से 1,128 तक के शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों को 8 जुलाई को काउंसलिंग में शामिल होने का सुझाव दिया जाता है। सीरियल नंबर 1,129 और 1,690 के बीच के उम्मीदवार 9 जुलाई को प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

सोशल मीडिया कार्यकर्ता नल्ला बालू के घर पर पुलिस ने की छापेमारी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर पुलिस की एक टीम ने शुक्रवार को हैदराबाद में सोशल मीडिया कार्यकर्ता शशिधर उर्फ नल्ला बालू के घर की तलाशी ली। शशिधर, जो कांग्रेस सरकार की चुनावी वादों को पूरा करने में विफलता पर सवाल उठाने वाले अपने आलोचनात्मक पोस्टों के साथ सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहे हैं, को करीमनगर पुलिस ने उनके द्वारा दर्ज मामले के सिलसिले में 30 जून की मध्यरात्रि को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, मामले के संबंध में पुलिस की एक टीम ने अधिक साक्ष्य जुटाने तथा आपत्तिजनक सामग्री जब्त करने के लिए उसके घर की तलाशी ली। कार्यकर्ताओं ने शशिधर की गिरफ्तारी को लोकतांत्रिक अधिकारों पर खुला हमला बताया और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी पर सवाल उठाने पर पुलिस ने उनके साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया। उल्लेखनीय है कि शशिधर की गिरफ्तारी के समय तनाव व्याप्त हो गया था, क्योंकि कथित तौर पर दर्जनों पुलिसकर्मी आधी रात को उसके घर में घुस आए और उसे गिरफ्तार कर लिया, मानो वह कोई दुर्दांत अपराधी हो।

65 चिकित्सकों के निलंबन से विवाद शुरू

टीजेयूडीए ने की माफी की मांग

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चलमेड़ा आनंद राव इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सीएआईएमएस), करीमनगर के प्रबंधन द्वारा वजीफा वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने वाले 65 जूनियर डॉक्टरों को एक सप्ताह के लिए निलंबित करने का निर्णय एक बड़े विवाद का रूप ले सकता है।

जूनियर डॉक्टरों ने परिसर पुलिस के अत्याचारपूर्ण व्यवहार और अस्पताल प्रबंधन द्वारा सभी 65 प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को एक साथ निलंबित करने की त्वरित कार्रवाई पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। निलंबन की निंदा करते हुए तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

टीजेयूडीए के पदाधिकारियों ने कहा कि हम सीएआईएमएस प्रबंधन द्वारा जारी सभी छात्रों के निलंबन को तत्काल रद्द करने और इसमें शामिल पुलिस अधिकारियों से औपचारिक सार्वजनिक माफ़ी मांगने की मांग करते हैं। दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के लिए ज़िम्मेदार पुलिस कर्मियों और कॉलेज अधिकारियों दोनों के ख़िलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। एकजुटता व्यक्त करते हुए, टीजेयूडीए के अध्यक्ष डॉ. जे. आइजैक न्यूटन ने कहा कि हम करीमनगर में अपने साथी डॉक्टरों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उनकी न्यायपूर्ण और उचित लड़ाई का समर्थन करते हैं। टीजेयूडीए तेलंगाना में सभी मेडिकल छात्रों, प्रशिक्षुओं और निवासियों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीजेयूडीए ने कहा कि 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाने वाला विरोध शांतिपूर्ण था और इसका उद्देश्य न्यूनतम वजीफे की मांग करना था। आरोप लगाया कि उनकी चिंताओं को स्वीकार करने के बजाय, छात्रों को मौखिक रूप से गाली दी गई, उनके साथ हाथापाई की गई और पुलिस द्वारा उन्हें डराया गया। कॉलेज प्रशासन ने अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके उन्हें परेशान किया और निलंबन जारी किया, जिससे उन्हें गंभीर भावनात्मक संकट का सामना करना पड़ा।

केटीआर ने की पीड़ितों के अवशेषों के साथ अमानवीय व्यवहार की निंदा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मच्छामैलारम में सिगाची औद्योगिक विस्फोट में प्रवासी श्रमिकों के प्रति कांग्रेस सरकार की उदासीनता की आलोचना की है। उन्होंने सरकार द्वारा मृतकों के पार्थिव शरीर को डिस्पोजेबल कार्डबोर्ड बॉक्स में शोक संतप्त परिवारों को सौंपने की आलोचना की और इसे अपमानजनक और अमानवीय व्यवहार बताया। शवों को कार्डबोर्ड बॉक्स में पैक करके बिना सम्मान के भेजे जाने की खबरों पर नाराजगी जताते हुए रामा राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने करीब 50 मजदूरों की मौत को महज फोटो शूट के अवसर में बदल दिया है। उन्होंने पूछा, 'यह एक भयावह नाटक है।

क्या प्रवासी मजदूर किसी तरह से कम इंसान हैं, रेवंत?' उन्होंने जानना चाहा कि सरकार उनकी मौत में सम्मान और परिवारों को सांत्वना देने में असमर्थ क्यों है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि जब मानव अवशेषों को कार्डबोर्ड के बक्सों में ले जाया जा रहा है, तो परिवार जानकारी के लिए पुलिस के पैरों पर गिर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दुर्घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों की संख्या के बारे में कोई सटीक डेटा उपलब्ध नहीं है,' उन्होंने याद दिलाया कि एसएलबीसी सुरंग की घटना में मारे गए आठ श्रमिकों के परिवार अभी भी मुआवजे और जवाबदेही का इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने याद किया कि कैसे कोविड-19 संकट के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने यह सुनिश्चित किया कि प्रवासी श्रमिकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए, उन्हें भोजन, आश्रय, चिकित्सा सहायता और उनके संबंधित गृह राज्यों में मुफ्त परिवहन की पेशकश की जाए। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर राव ने प्रवासी श्रमिकों को विकास में समान हितधारक और भागीदार माना। उन्होंने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन्हें सम्मान और उम्मीद दी। उनके द्वारा अनुसरण करने के लिए एक महान उदाहरण स्थापित किए जाने के बावजूद, रेवंत रेड्डी ने लगभग 50 श्रमिकों की मौतों को महज फोटोशूट में बदल दिया।'

केसीआर ने बीआरएस नेताओं से मुलाकात की, जन मुद्दों पर चर्चा की

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक की, जिन्होंने उनसे मुलाकात की।

उन्हें सामान्य कमजोरी और हल्के बुखार के साथ गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीआरएस के कई नेता और आगंतुक पूर्व मुख्यमंत्री से मिलने अस्पताल पहुंचे और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। हालांकि उन्हें सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उन्होंने राज्य से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें किसानों के लिए यूरिया की उपलब्धता, कृषि और सिंचाई संबंधी चिंताएं और मौजूदा राजनीतिक माहौल शामिल हैं।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि चंद्रशेखर राव ने कार्यकर्ताओं की जमीनी स्तर पर प्रतिक्रियाओं और जनता की भावनाओं पर वरिष्ठ नेताओं से फीडबैक लिया। नेताओं ने कथित तौर पर जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की और किसानों की समस्याओं और उर्वरक आपूर्ति में देरी के बारे में उन्हें जानकारी दी। डॉक्टरों ने बताया है कि उनके रक्त शर्करा और सोडियम के स्तर में सुधार हो रहा है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-East-WAT-20-2025
दिनांक : 30.06.2025

कार्य का नाम : वरिष्ठ मंडल अभियंता / पूर्व / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र में तिलारू स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज (स्टेनलेस स्टील) के निर्माण के साथ-साथ डुसी और कोरुकोंडा स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 6,29,02,564.41, EMD : ₹ 4,64,500.00, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 22.07.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-321/Q/25-26

आशियाना दीघा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हटेगा अतिक्रमण

पटना हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन को दिया आदेश

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पटना हाई कोर्ट ने राजधानी के आशियाना दीघा क्षेत्र में हुए बड़े पैमाने अतिक्रमण को हटाने के लिए जिला प्रशासन को सख्त आदेश दिया है। न्यायाधीश पी बी बजन्त्री की खंडपीठ ने डा। अमित कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए, उक्त आदेश दिया। इससे पूर्व कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में जिला प्रशासन को पटना शहर से अवैध अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया, कोर्ट यह मानेगा कि डीएम कोर्ट आदेश पालन करने में विफल रहे हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध अतिक्रमण हटाने के बाद पुनः अतिक्रमण न हो। यदि ऐसा हुआ तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू होगी।

वरीय अधिवक्ता संजीव कुमार मिश्र ने कोर्ट को बताया कि अतिक्रमण हटाने का केवल कागजी कार्रवाई की गई है। भौतिक रूप से अवैध अतिक्रमण को नहीं हटाया गया है। अतिक्रमण हटाने के बाद भी अधिकारियों की मिलीभगत से दोबारा अतिक्रमण हो जाता है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि पटना हाईकोर्ट ने पूर्व में अरुण कुमार मुखर्जी मामले में स्पष्ट किया था कि दुबारा अतिक्रमण किये जाने के मामलें में सम्बन्धित थानाध्यक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। लेकिन अभी भी अवैध अतिक्रमण बार बार हो रहा है। इसका कोई स्थाई समाधान नहीं हो रहा है। कोर्ट ने मामले पर अगली सुनवाई को जुलाई के तीसरे सप्ताह में तय की है।

एक घर में निकले 25 कोबरा सांप, देखकर लोगों के उड़े होश, ऐसे किया गया रेस्क्यू

कुशीनगर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के कसया ब्लॉक अंतर्गत बटेसरा गांव में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक ही घर से 25 सांप मिलने की खबर सामने आई। गांव के निवासी सहीम आलमीन के घर में निर्माण कार्य के दौरान अचानक ईंट और मिट्टी हटाते समय एक विशाल कोबरा सांप दिखाई दिया। सांप को देखकर परिवार के लोग दहशत में आ गए और शोर मचाया। मामले की जानकारी सर्प मित्र को दी गई।

इसके बाद सांपों को रेस्क्यू किया गया। बड़ी संख्या में सांप की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान मोहन लाल गुप्ता ने तुरंत सर्प मित्र शत्रुघ्न यादव को बुलाया। शत्रुघ्न यादव मौके पर पहुंचे और बिना कोई देर किए रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

जब मिट्टी को धीरे-धीरे हटाया गया, तो वहां एक बड़े कोबरा सांप के साथ उसके 24 छोटे बच्चे भी पाए गए। ये सभी सांप ईंटों के नीचे दबे हुए थे। शत्रुघ्न यादव ने पूरे साहस और सूझबूझ के साथ सभी सांपों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला। हालांकि, एक बड़ा सांप ईंटों के नीचे दबकर पहले ही मर चुका था, लेकिन शेष 24 सांपों को जीवित बचा लिया गया। बाद में इन सभी को सुरक्षित रूप से नजदीकी जंगल में छोड़ दिया गया।

सर्प मित्र शत्रुघ्न यादव ने ग्रामीणों से अपील की कि यदि कहीं सांप दिखाई दे तो उसे मारें नहीं, बल्कि तुरंत जानकारी दें। इससे उन्हें समय पर रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित स्थान पर भेजा जा सके। उन्होंने बताया कि कोबरा सांप बेहद विषैला होता है। इसके काटने से जान का खतरा रहता है।

मुख्तार अंसारी एंबुलेंस कांड में डॉ. अलका राय को बड़ा झटका

कोर्ट ने खारिज की संपत्ति बहाली की याचिका

प्रयागराज, 4 जुलाई (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी से जुड़े बहुचर्चित एंबुलेंस प्रकरण में मऊ की श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. अलका राय को बड़ा झटका लगा है। बाराबंकी की एक अदालत ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की गई उनकी 2.65 करोड़ रुपये की संपत्ति की बहाली संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि यह मामला 31 मार्च 2021 को उस समय सुर्खियों में आया जब पंजाब की रोपड़ जेल में बंद मुख्तार अंसारी को मोहाली कोर्ट में पेश करने के लिए एक एंबुलेंस का इस्तेमाल किया गया। यह एंबुलेंस (यूपी-41-एटी-7171) बाराबंकी के नंबर पर पंजीकृत थी और मऊ की श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. अलका राय के नाम पर पाई गई। जांच में खुलासा हुआ कि उक्त एंबुलेंस का रजिस्ट्रेशन बाराबंकी एआरटीओ कार्यालय में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कराया गया था। इस मामले में 2 अप्रैल 2021 को बाराबंकी कोतवाली नगर पुलिस ने डॉ. अलका राय, उनके भाई डॉ. शेषनाथ राय और मऊ निवासी राजनाथ यादव के खिलाफ जालसाजी का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद 4 जुलाई 2021 को पुलिस ने मुख्तार अंसारी समेत कुल 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की।

25 मार्च 2022 को बाराबंकी के जिलाधिकारी के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया, जिसमें डॉ. अलका राय, उनके भाई सहित अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया था। अब अदालत द्वारा संपत्ति बहाली की अपील खारिज किए जाने के बाद डॉ. अलका राय की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली; अवैध तमंचा और कारतूस बरामद

महोबा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। थाना कबरई व एसओजी टीम ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे आरोपित को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। उसके दाएं पैर में गोली लगी है। कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूसों के साथ ही बाइक बरामद की गई। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना कबरई एवं एसओजी टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम धरौन स्थित सिचौरा रोड डबल पुलिया के पास दबिश दी। वहां गैंगस्टर एक्ट में वांछित 25 हजार के इनामिया आशाराम उर्फ अस्सू पुत्र ठाकुरदास निवासी मुहल्ला हमीरपुर चुंगी महोबा ने पुलिस को देखकर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया। बचाव में पुलिस ने भी गोली चलाई जो आरोपित के दाएं पैर में लगी।

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामला

हाईकोर्ट ने ईदगाह को 'विवादित ढांचा' मानने से किया इनकार, हिंदू पक्ष को झटका

प्रयागराज, 4 जुलाई (एजेंसियां)। स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने शाही ईदगाह को विवादित परिसर मानने से इनकार कर दिया है। यह फैसला जस्टिस राम मनोहर मिश्रा की सिंगल बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि मौजूद तथ्यों और याचिका के आधार पर ईदगाह को फिलहाल विवादित ढांचा घोषित नहीं किया जा सकता। हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि ईदगाह का निर्माण श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर स्थित प्राचीन मंदिर को तोड़कर किया गया।

हिंदू पक्ष के पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह ने हाईकोर्ट में 5 मार्च 2025 को मथुरा स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किए जाने की मांग करते हुए

प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। इस पर 23 मई को इलाहाबाद हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गई और कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था।

'वहां पहले मंदिर था।'

हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने मासिर ए आलम गिरी से लेकर मथुरा के कलेक्टर रहे एफएस ग्राउस तक के समय में लिखी गई इतिहास की पुस्तकों का हवाला देते हुए कोर्ट के समक्ष कहा था कि वहां पहले मंदिर था, वहां पर मस्जिद होने का कोई साक्ष्य आज तक शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष न्यायालय में पेश नहीं कर सका। साथ ही न खसरा खतौनी में मस्जिद का किया भी नाम है और न ही नगर निगम में उसका कोई रिकॉर्ड है साथ ही न कोई टैक्स दिया जा रहा। यहां तक कि बिजली चोरी की रिपोर्ट भी शाही ईदगाह प्रबंध कमेटी के खिलाफ भी हो चुकी है, फिर इसे मस्जिद क्यों कहा जाए ऐसे में इसलिए मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया जाए।

क्या था हिंदू पक्ष का दावा?

बहस के दौरान खास बात ये रही कि सभी हिन्दू पक्षकारों ने महेंद्र प्रताप सिंह की ही दलीलों का समर्थन किया था और 23 मई को इस मामले में न्यायाधीश राम मनोहर नारायण मिश्र के न्यायालय में बहस पूर्ण हो गई। जिसमें महेंद्र प्रताप सिंह ने कोर्ट में कहा कि भारतीय पुरातत्व विभाग के सर्वेक्षण में यह सब स्पष्ट हो जाएगा उन्होंने मुकदमा की प्रकृति को कोर्ट के समस्त प्रस्तुत करते हुए कहा कि किसी की जमीन पर अतिक्रमण करके बैठ जाने से है। वह जमीन उसकी नहीं हो सकती है। साथ ही उन्होंने कोर्ट को बताया कि जो प्रकरण अयोध्या में राम मंदिर और बाबरी मस्जिद का था ठीक ऐसा मामला मथुरा में भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि का है। हिंदू पक्ष के मुताबिक न्यायालय ने अयोध्या मामले में अपना निर्णय देने से पहले बाबरी मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया था इसलिए शाही ईदगाह मस्जिद को भी विवादित ढांचा घोषित किया जाए। महेंद्र प्रताप सिंह ने न्यायालय को यह भी अवगत कराया केवल संबंध में सभी साथ पहले ही प्रस्तुत कर चुके हैं

और जितने भी विदेशी यात्री भारत आए, उन सभी ने यहां भगवान का मंदिर बताया, किसी ने भी वहां मस्जिद होने का जिक्र नहीं किया। महेंद्र प्रताप सिंह की दलीलों का अन्य हिंदू पक्षकारों ने भी न्यायालय में समर्थन किया था। हालांकि मस्जिद पक्ष ने इसका पुरजोर विरोध किया था।

नहर पटरी पर दोस्त से मिलने गई थी पत्नी, देखते ही पति हुआ आग बबूला, पेड़ से बांधकर डंडे से पीटा

शामली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पत्नी को बुधवार दोपहर बाद पूर्वी यमुना नहर पटरी पर एक युवक के साथ देख लिया। उसने चाचा के साथ मिलकर दोनों को पेड़ से बांधकर पिटाई की। शोर होने पर आरोपित चाचा-भतीजे फरार हो गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की शादी झिंझाना थाना क्षेत्र निवासी सुमित के साथ हुई थी। करीब तीन महीने से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा है, जिसके चलते पत्नी मायके में रह रही थी। बुधवार देर शाम महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका एक मित्र है,

'चुनाव आयोग अलादीन का चिराग है क्या?' आर-पार पर उतरे पप्पू यादव-पवन खेड़ा

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' को लेकर विवाद जारी है। शुक्रवार को पटना में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भड़क गए। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चुनाव आयोग भगवान है क्या? अलादीन का चिराग है क्या? उन्होंने कहा कि आर-पार की लड़ाई होगी। बिहार और बिहारियों की अस्मिता के लिए, गरीबों के अधिकार के लिए, जान भी देना पड़ेगा तो देंगे। उधर दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर कहा, जब आपको (मतदाताओं के) नाम काटने ही हैं तो आसानी से काट लेंगे, उसमें क्या है? काम मुश्किल तब होगा जब आपकी नीयत साफ होगी। उन्होंने कहा, 2003 में बिहार में जब यही पुनरीक्षण हुआ था तब एक साल का समय लगा था। अब आप केवल 25 दिनों में इस प्रक्रिया को पूर्ण कर लेंगे? तो आपकी नीयत तो यही है कि केवल नाम काटने हैं, कागजों की जांच नहीं करनी और आपको तो मालूम ही है कि किस वर्ग के नाम काटने हैं। हमारे पास तमाम विकल्प सड़क से लेकर संसद तक खुले हैं और इस देश में किसी एक संस्था की दादागिरी नहीं चल सकती।

क्या कह रही नीतीश कुमार की पार्टी?

इस पूरे मसले पर जारी विवाद को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी भी प्रतिक्रिया दे रही है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के एक बयान पर कहा, मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चुनाव आयोग का है और हमारी उम्मीद चुनाव आयोग से केवल और केवल इतनी है कि कोई भी व्यक्ति जिसे भारत के संविधान के तहत मतदान करने का अधिकार प्राप्त है, वह छूटे नहीं। जिसमें भी पात्रता है, वह वोट देने का अधिकारी है तो उन्हें यह अधिकार मिलना चाहिए। इसके लिए जो भी आवश्यक शर्तें हैं उनका भी अवलोकन किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी 18 जुलाई को मोतिहारी आएंगे, भाजपा की तैयारी तेज

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बिहार आ सकते हैं। इस दौरान बिहार की जनता को फिर से बड़ी सौगातें भी मिल सकता है। ऐसे में पीएम मोदी के संभावित कार्यक्रम को लेकर भाजपा की ओर से तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जुलाई को बिहार के मोतिहारी आ सकते हैं। मोतिहारी में भव्य कार्यक्रम के दौरान बड़ी सौगात के साथ-साथ बड़ी जनसभा को संबोधित भी कर सकते हैं। इधर, खबर यह भी है कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित कार्यक्रम को लेकर पार्टी स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। पीएम मोदी के संभावित कार्यक्रम के मद्देनजर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को मोतिहारी पहुंच रहे हैं। कहा जा रहा है कि, कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियों को लेकर बैठक करने के बाद पार्टी पदाधिकारियों के साथ भी बैठक कर सकते हैं। ऐसी चर्चा है कि, पीएम के कार्यक्रम को लेकर ही सम्राट चौधरी बातचीत कर सकते हैं। वहीं, मोतिहारी में पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर संभावना जताई जा रही है कि, वे पिपराकोठी कृषि विज्ञान केंद्र में किसी बड़े कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं या फिर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास भी इस दिन पीएम के हाथों हो सकता है। इस तरह से लगातार तैयारियों को लेकर खबरें सामने आ रही है।

इधर, बीजेपी विधायक के पवन जायसवाल के मुताबिक, 18 तारीख को पीएम मोदी का संभावित कार्यक्रम मोतिहारी में हो सकता है। इस तरह से देखा जाए तो, तैयारियां तेज हो गई है। बस पीएम मोदी के आगमन को लेकर आधिकारिक रूप से घोषणा होना रह गया है। देखना होगा कि, अगर पीएम मोदी आते हैं तो 18 जुलाई को क्या कुछ तोहफे बिहार के लोगों को देंगे।

'दिल्ली बर्बाद कर दी, बिहार बख्श दो', केजरीवाल पर भड़कीं शांभवी, राहुल गांधी भी तीखा हमला

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर सियासत गरमा गई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने इस मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आपत्ति को सिरे से खारिज करते हुए, तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे कांग्रेस की संभावित हार का बहाना करार दिया। शांभवी चौधरी ने कहा, 'जहां तक हमें याद है, राहुल गांधी खुद मतदाता सूची के रिवीजन की मांग कर चुके हैं। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और सटीकता के लिए की जाती है, ताकि लोकतंत्र मजबूत हो। अब जब चुनाव करीब हैं, तो इस पर आपत्ति जताना दर्शाता है कि राहुल गांधी पहले ही हार मान चुके हैं और जनता को जवाब देने के लिए बहाने तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर मतदाता सूची का रिवीजन कोई असामान्य काम नहीं है।

यह एक लोकतांत्रिक जरुरत है, जिससे गलतियां सुधारी जा सकें और निष्पक्ष चुनाव हो सके। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के बिहार में अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान पर भी शांभवी चौधरी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि कोई भी कहीं से चुनाव लड़ सकता है, लेकिन केजरीवाल को यह समझना चाहिए कि दिल्ली में उन्होंने शासन का जो हाल किया है, वैसा ही बिहार में न हो। उनकी सरकार ने दिल्ली को भ्रष्टाचार, गंदगी और बदहाल सेवाओं का नमूना बना दिया है।' उन्होंने आगे कहा कि बिहार अब विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है और राज्य की जनता केजरीवाल की 'गंदी राजनीति' को स्वीकार नहीं करेगी। सांसद ने दो टूक कहा- हम उन्हें सलाह देते हैं कि अपनी राजनीति वहीं तक सीमित रखें, बिहार की जनता उनके झांसे में नहीं आने वाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घाना में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने पर भी शांभवी चौधरी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह भारतवासियों के लिए गर्व की बात है। हमारे प्रधानमंत्री आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। घाना जैसे देश ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान दिया है, यह भारत की प्रतिष्ठा को दर्शाता है। शांभवी चौधरी ने कहा कि यह सम्मान केवल नरेंद्र मोदी के लिए नहीं, बल्कि हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा- आज भारत का नेतृत्व ऐसा व्यक्ति कर रहा है, जिसे पूरी दुनिया सम्मान देती है

बेगूसराय में ज्वेलरी शॉप के मालिक की हत्या

अपराधियों ने मारकर फेंकी लाश; जांच में जुटी पुलिस

बेगूसराय, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में चार दिवारी के भीतर एक आभूषण दुकानदार का लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना सिंघौल थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव की है। शुक्रवार की अहले सुबह चहारदीवारी के भीतर मिले शव को देखकर प्रथम दृष्टि संदिग्ध अवस्था में मौत की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी पाकर सिंघौल थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मृत दुकानदार की पहचान महराष्ट्रपुर निवासी मनोज शाह, सुनील कुमार (24) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बर्तन और आभूषण (पायल आदि) का दुकान फतेहपुर में चलाता था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि सुनील ने दोपहर उसने अपनी पत्नी को फोन किया था। कहा कि सामान की डिलीवरी देने के लिए आया हूं। थोड़ी देर में घर आता हूं।

करीब दो घंटे बाद भी सुनील घर नहीं लौटे तो पत्नी ने कॉल किया लेकिन उसने रिसीव नहीं किया। इसके बाद परिजन उसकी खोजबीन करने लगे। अहले सुबह सुनील का लाश मिली तो सब दंग रह गए। घटना की सूचना पाकर मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। हालांकि, किन कारणों से मृत्यु हुई है, उसका अभी तक कोई भी पता नहीं चल पाया है।

'हमें हमारी बेटी भानवी से बचा लो'

राजा भैया की पत्नी के खिलाफ उनके माता-पिता ने ही लखनऊ पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाहुबली नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी के खिलाफ उनके माता-पिता ने ही शिकायत की है। राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी के बीच तलाक का मुकदमा चल रहा है। वहीं, भानवी के संबंध उनके माता-पिता के साथ भी अच्छे नहीं हैं। भानवी सिंह तीन दिन पहले अपने माता-पिता से मिलने उनके घर पहुंची थीं, लेकिन दरवाजा नहीं खुला और वह अपने माता-पिता से मिल नहीं पाईं। भानवी ने आरोप लगाए कि उनकी बहन साधवी ने माता-पिता को बंद कर रखा है। वह उन्हें किसी से मिलने नहीं दे रही हैं। हालांकि, भानवी के माता-पिता ने साफ किया कि वे खुद उनसे नहीं मिलना चाहते हैं। लखनऊ पुलिस कमिश्नर को दिए शिकायत पत्र में

भानवी के मां मंजुल सिंह और पिता रवि प्रताप सिंह ने अपील की है कि उनकी बेटी भानवी और प्रत्युषा शाही को उनके घर आने से रोका जाए। भानवी के माता-पिता ने आरोप लगाए हैं कि उनकी बेटी उन्हें धमकाने के लिए उनके आवास पहुंची थी।

भानवी के पिता ने भी शिकायत पत्र में साफ किया है कि भानवी उनकी संपत्ति हड़पना चाहती हैं, लेकिन वह ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने बताया कि वह पहले ही अपनी वसीयत दूसरी बेटी साधवी के नाम कर चुके हैं। साधवी के पास इस संपत्ति को बेचने का भी अधिकार है। उन्होंने कहा कि भानवी पहले ही उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान करा चुकी हैं और अब वह उनके साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहते। उन्होंने आरोप लगाया कि भावनी सिंह लगातार उनके घर आती हैं। यहां उन्हें और उनकी बेटी साधवी के साथ मारपीट और हाथापाई करती हैं। वह कई बार मारपीट कर चुकी हैं। कई मौकों पर भानवी की मां के शरीर पर चोट के नीले निशान भी बन गए थे। अपने शिकायत पत्र में भानवी के माता-पिता ने लिखा कि भानवी सिविल कोर्ट में उनके खिलाफ केस फाइल कर चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने साधवी के रसोइये को रिश्वत के रूप में एक कार दी थी और अदालत में यह बोलने को कहा था कि साधवी अपने माता-पिता को कमरे में बंद रखती हैं।

बरेली में चल रहा था सेक्स रैकेट, 5 अरेस्ट

बरेली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बरेली में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। बड़ी बात यह है कि पहली बार ग्रामीण इलाके में सेक्स रैकेट चलता मिला है। इस धंधे में शामिल महिलाएं फोन पे पर भी अपने कस्टमर से रुपए लिया करती थीं। फिलहाल पुलिस ने घर पर छापा मारकर मौके से 5 युवक और 5 युवतियों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने 4 युवक और एक युवती को छोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में 4 युवतियों और एक युवक की गिरफ्तारी दिखाई है। नवाबगंज के छिछौला गांव में स्थित काशीराम कॉलोनी में लंबे समय से देह व्यापार का कारोबार चल रहा था। बुधवार को आपस में कस्टमर में लड़ाई हो गई। लोग आपस में लड़ने लगे। जिस पर पड़ोस में रहने वाले किसी व्यक्ति ने डायल 112 पर पुलिस को फोन करके बुला लिया। मौके पर जब पुलिस पहुंची तब उसे जानकारी हुई कि यहां पर सेक्स रैकेट चलता है। इसके बाद थाना नवाबगंज की पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने जब छापा मारा तो वहां पर 5 महिलाएं और 5 युवक थे। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद सभी को थाने लाया गया। जहां पूछताछ के बाद 4 युवक और एक युवती को छोड़ दिया गया, जबकि 4 युवतियों और एक युवक को गिरफ्तार किया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यहां पर जितनी भी युवतियां थीं, वे सभी बहुत ही कम रेट में लोगों को उपलब्ध हो जाती थीं। यहां 500 रुपए कस्टमर से लिए जाते थे। अगर पैसे कैश न हों तो ऑनलाइन भी लेने की सुविधा है।

पुलिस ने जिन महिलाओं और एक युवक को गिरफ्तार किया है, वे सभी बरेली के रहने वाले हैं। पुलिस ने जिन 4 महिलाओं को अरेस्ट किया है, वे सभी नवाबगंज की आदर्श नगर कॉलोनी की रहने वाली हैं।

जिस मकान में यह गोरखधंधा चल रहा था, वह संगीता नाम की महिला का है। पुलिस ने जिस युवक अरबाज को अरेस्ट किया है, वह बड़ी बिहार, इज्जतनगर का रहने वाला है।

पटना यूनिवर्सिटी में 'लॉटरी' से हुई प्रिंसिपल की नियुक्ति पर मायावती की प्रतिक्रिया

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। यूनिवर्सिटी के पांच कॉलेजों को बुधवार (02 जुलाई, 2025) को नए प्रिंसिपल मिले। 'लॉटरी' सिस्टम से इनकी नियुक्ति की गई है। इस पर अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की प्रतिक्रिया आई है। शुक्रवार (04 जुलाई, 2025) को मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर इस तरह से हुई नियुक्ति को लेकर सवाल उठाया। एक्स पोस्ट के जरिए मायावती ने कहा, बिहार के प्रसिद्ध पटना विश्वविद्यालय के पांच प्रतिष्ठित कॉलेजों में 'लॉटरी' की नई व्यवस्था के तहत प्रिंसिपलों की नियुक्ति का मामला दिलचस्प होने के कारण देश भर में खासकर मीडिया व शिक्षा जगत में काफी चर्चाओं में है। स्थापित परंपरा से हटकर, 'लॉटरी' के जरिए नियुक्ति की एक प्रकार से विचित्र व्यवस्था लागू करने के कारण केवल कला (आर्ट्स) विषयों की पढ़ाई वाले 1863 में स्थापित पटना कॉलेज में केमिस्ट्री के प्राध्यापक प्रो. अनिल कुमार प्राचार्य बन गए हैं, जबकि बिहार विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की प्राचार्य प्रो. अल्का यादव विज्ञान की उच्च शिक्षा के लिए प्रख्यात पटना साइंस कॉलेज की नई प्रिंसिपल नियुक्त हुई है।

बिलासपुर में उफनते नाले में बहा छात्र, मौत

झाड़ियों में मिली लाश, सरायपाली में मिट्टी धंसने से शख्स लापता, 33 जिलों में अलर्ट

रायपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। महासमुंद जिले के सरायपाली में स्थित रक्सा गांव में स्टॉप डैम के पास अचानक मिट्टी धंसने से वहां खड़ा शख्स लापता हो गया। एनडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी है। लेकिन 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी शोभाराम का कोई सुराग नहीं मिला है। बचाव कार्य लगातार जारी है।

वहीं बिलासपुर में नाले के तेज बहाव में 15 वर्षीय छात्र बहकर डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। गुरुवार की देर शाम उसकी लाश झाड़ियों के बीच मिली। बताया जा रहा है कि वह अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था। जब वो नाले में बहा तब उसके साथियों को भनक तक नहीं लगी। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

छत्तीसगढ़ के कई स्थानों पर तेज बारिश का दौर जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए कोरिया, सूरजपुर, बिलासपुर, सरगुजा, कोरबा और जशपुर इन छह जिलों में भारी बारिश के बाद बाढ़ आने की चेतावनी दी है। इन जिलों को एओसी यानी एरिया ऑफ कंसर्न के कैटेगरी में डाला गया है।

वहीं गुरुवार को प्रदेश के 12 से अधिक जिलों के 114 स्थानों में बारिश हुई है। 26.75 मिमी औसतन बारिश पूरे प्रदेश में रिकॉर्ड की गई है। रायगढ़ जिले में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया है। शहर के दुर्गा विहार कॉलोनी, विनोबा नगर और कुछ मोहल्लों के घरों में भी पानी घुस गया। कोरबा में रेलवे कर्मचारी बह गया।

बस्तर में लगातार बारिश के कारण कोरापुट-किरंदुल रेल लाइन पर लैंड स्लाइड हो गई है। मिट्टी और चट्टानें कटकर ट्रैक पर गिर गईं, जिससे रूट बाधित हो गया। किरंदुल-विशाखापट्टनम और हीराखंड दो ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। फिलहाल रूट को बहाल करने की कोशिशें जारी हैं।

उत्तरी हिस्से यानी सरगुजा संभाग में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। कोरबा जिले में भारी बारिश से कई घरों में पानी घुस गया। एक घर का बरामदा और बाथरूम अचानक भरभराकर गिर गया। परिवार वालों की जान बाल-बाल बची।

तापमान की बात करें तो बुधवार को 30.6°सी के साथ अम्बिकापुर सबसे गर्म रहा और 21.2°सी डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ पेंड्रा सबसे ठंडा रहा।

1 जून से 2 जुलाई तक प्रदेश में 188.6एमएम बारिश हो चुकी है। जबकि पूरे जून में नॉर्मली 215 एमएम बारिश रिकॉर्ड की जाती है। इस लिहाज से अब तक बारिश लगभग 12% कम हुई है। सबसे ज्यादा बारिश बलरामपुर में हुई है। यहां सामान्य से लगभग 121% प्रतिशत ज्यादा पानी बरसा है। जिले में अब तक 345.6 एमएम पानी बरस चुका है।

जबकि सामान्य तौर पर 138 एमएम ही पानी गिरता है। वहीं सबसे कम बारिश राजनांदगांव और बेमेतरा में हुई है। प्रदेश के आंकड़ों पर ओवरऑल बात करें तो एक जिले में सामान्य से बहुत अधिक पानी गिरा है। नौ जिलों में सामान्य पानी बरसा है। 20 जिलों में नॉर्मल से कम पानी गिरा है। 2 जिलों में सामान्य से बहुत कम बारिश हुई है।

मानसून के केरल पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून है। इस साल 8 दिन पहले यानी 24 मई को ही केरल पहुंच गया था। मानसून के लौटने की सामान्य तारीख 15 अक्टूबर है। अगर इस साल अपने नियमित समय पर ही लौटता है तो मानसून की अवधि 145 दिन रहेगी। इस बीच मानसून ब्रेक की स्थिति ना हो तो जल्दी आने का फायदा मिलता सकता है।

दरअसल, आसमान में विपरीत एनर्जी के बादल हवा से उमड़ते-घुमड़ते रहते हैं। ये विपरीत दिशा में जाते हुए आपस में टकराते हैं।

रायपुर में एक्सप्रेस-वे-2, मोवा से जोरा का सफर 10 मिनट में

नवा रायपुर, एयरपोर्ट तक कनेक्टिविटी, डबल-डेकर फ्लाईओवर बनेंगे, 7 बड़े सिग्नल पर रुकना नहीं पड़ेगा

रायपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में पंडरी और मोवा से जोरा, नया रायपुर और एयरपोर्ट जाने का रास्ता आने वाले दिनों में आसान होने वाला है। रोजाना ट्रैफिक में फंसने या सिग्नल पर रुकने की झंझट भी नहीं रहेगी। क्योंकि मोवा से जोरा के बीच 14.7 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस-वे-2 बनने जा रहा है।

जो सीधे बिना सिग्नल और रुकावट के जोरा तक कनेक्टिविटी देगा। जिससे नया रायपुर और एयरपोर्ट जाने वालों का सफर आसान हो जाएगा। 1295 करोड़ की लागत से बन रहा ये प्रोजेक्ट, करीब 5 लाख लोगों का रोज का सफर 10 मिनट में पूरा कर देगा, जो अब तक आधे घंटे से ज्यादा का होता था। एक्सप्रेस-वे 2 के बनने से किन-किन क्षेत्रों के लोगों को इसका फायदा मिलेगा पढ़िए इस खास रिपोर्ट में अभी मोवा से जोरा जाने के लिए शहरवासियों को लोधीपारा से मंडी गेट, शंकर नगर, खम्हारडीह, तेलीबांधा, वीआईपी चौक, लाभांडी जैसे 7 बड़े सिग्नलों से गुजरना पड़ता है।

ट्रैफिक लोड, अतिक्रमण और चौक-चौराहों पर लगातार बढ़ती भीड़ के कारण सफर सुस्त और थकाऊ हो गया है। गर्मी हो या बारिश, हर मौसम में ये रास्ता

परेशानी भरा बन चुका है। लेकिन नया एक्सप्रेस-वे इस पूरी स्थिति को बदल देगा।

ये सड़क सीधे मोवा रेलवे क्रॉसिंग से शुरू होकर शंकर नगर, खम्हारडीह, कचना, लाभांडी होते हुए जोरा तक जाएगी। पूरी सड़क 45 मीटर चौड़ी होगी और इसमें कहीं भी सिग्नल नहीं होगा। दो बड़े फ्लाइओवर शंकर नगर और कचना में डबल डेकर स्ट्रक्चर के रूप में बनेंगे। इसके अलावा परसदा रेलवे क्रॉसिंग पर भी एक ओवरब्रिज प्रस्तावित है।

इस हाईटेक रोड की सबसे बड़ी बात यह है कि इस पूरे एक्सप्रेस-वे को बनाने के लिए रेलवे की एक इंच भी जमीन नहीं ली जाएगी। यह रायपुर के लिए एक टेक्निकल इनोवेशन जैसा है, क्योंकि रेलवे जमीन अधिग्रहण की जटिलताओं के चलते कई प्रोजेक्ट अटक जाते हैं।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर-विजयवाड़ा रेलवे लाइन भविष्य में थ्री या फोर ट्रैक हो सकती है, इसलिए उस जमीन को हाथ नहीं लगाया जाएगा।

इसकी जगह विभाग सरकारी और प्राइवेट लैंड पर ही पूरा प्रोजेक्ट तैयार कर रहा है। जमीन अधिग्रहण को लेकर राजस्व विभाग को पत्र भेजा गया है, और जल्द ही सर्वे के लिए एजेंसी नियुक्त की जाएगी। 14 वार्डों को मिलेगा सीधा फायदा इस एक्सप्रेस-वे से सबसे अधिक लाभ नगर निगम के 14 वार्डों के 5 लाख से ज्यादा लोगों को होगा। पंडरी, मोवा, देवेन्द्र नगर, खम्हारडीह, लाभांडी, फुंडहर, जोरा जैसे इलाकों में रहने वाले लोगों को हर रोज पंडरी, तेलीबांधा, वीआईपी रोड और सिटी सेंटर की ओर आना-जाना होता है। यह एक्सप्रेस-वे इन सभी इलाकों के बीच ट्रैफिक को डायवर्ट करेगा और सिटी सेंटर पर दबाव को कम करेगा।

इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि नवा रायपुर और एयरपोर्ट तक पहुंचने में लगने वाला समय भी घटेगा। जो यात्री अब तेलीबांधा, वीआईपी रोड और मरीन ड्राइव होते हुए एयरपोर्ट तक जाते हैं, वे इस नए रूट से जोरा के रास्ते सीधे एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे।

यह प्रोजेक्ट सिर्फ लंबाई या लागत में ही नहीं, बल्कि डिजाइन में भी एडवांस्ड होगा। पूरा एक्सप्रेस-वे मास्टर प्लान में शामिल एमआर रोड (मास्टर रोड) के तहत बनेगा।

आठवीं की छात्रा का फंदे से लटका मिला शव

सरायकेला, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सरायकेला के राजनगर थाना क्षेत्र के बड़ा कुनाबेड़ा गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। आठवीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा सुषमा महतो ने अपने घर में फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। छात्रा के पिता अजय महतो को सुबह घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि घटना के समय छात्रा स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी और स्कूल ड्रेस पहन रखी थी। उसकी दादी घर में बर्तन मांज रही थीं और दादा भी घर पर ही थे। छात्रा की मां अपने मायके सिंगपुर गई हुई थीं। अजय महतो उषा मार्टिन में मजदूरी का काम करते हैं, जबकि छात्रा की मां गांव के ही स्कूल में शिक्षिका हैं। सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रसूता को पीठ पर लादकर नदी पार कराया

घर में जन्मा बच्चा, मितानिन ने पहुंचाया अस्पताल, पुलिया बहने से नहीं पहुंची एम्बुलेंस

जशपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जशपुर जिले में एक मितानिन ने अपनी पीठ पर लादकर प्रसूता को नदी पार कराया और फिर अस्पताल पहुंचाया। सतालूटोली गांव में संगीता बाई ने 2 जुलाई को एक बच्चे को जन्म दिया, अगले दिन मितानिन बिफनी बाई उसे स्वास्थ्य केंद्र लेकर गई।

मामला मनोरा विकासखंड का है। कच्चा रास्ता होने के कारण एम्बुलेंस यहां तक नहीं पहुंच सकी। जिसके बाद बिफनी बाई ने मानवता दिखाई। इसका वीडियो भी सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है कि मितानिन और 2 अन्य महिला है। एक महिला ने नवजात को हाथ में पकड़ा, मितानिन ने संगीता बाई को पीठ पर लादा फिर नदी पार कर कच्चे रास्ते से होते हुए तीनों नदी पार कर गए। बता दें कि मितानिन बिफनी बाई ग्राम पंचायत सोनक्यारी की रहने वाली है।

संगीता बाई अपने मायके सतालूटोली गांव में थी। चार दिन पहले स्थानीय मेडिकल ऑफिसर ने उनकी जांच की थी। प्रसव का समय न होने के कारण उन्हें घर भेज दिया गया था। 1-2 तारीख की रात को उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई। लगातार बारिश के कारण गांव की पुलिया बह गई थी। इस वजह से एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाई। मितानिन बिफनी बाई को सूचना मिलते ही वह तुरंत पहुंचीं।

फोरलेन साइट पर बाइक सवार अपराधियों ने की फायरिंग

टेंट में सो रहे मजदूर के पीठ में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती, खोखा बरामद

पलामू, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू में एनएच 39 के फोरलेन निर्माण स्थल पर शुक्रवार सुबह एक मजदूर को अपराधियों ने गोली मार दी। सतबरवा इलाके के रजडेरवा गांव के विक्रम सिंह (30) के पीठ में गोली लगी है। उसे श्री नारायण मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

घटना सदर थानाक्षेत्र के सिंगरा में सुबह 5:30 बजे हुई। दो बाइक सवार अपराधी पड़वा की ओर से आए। वे मजदूरों के टेंट के पास रुके और गोली चलाकर फरार हो गए। घटना के समय मजदूर सो रहे थे। गोली की आवाज से सभी की नींद खुली। घटना के बाद निर्माण कंपनी के अधिकारियों को तुरंत सूचना दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से गोली का खोखा बरामद किया। थाना प्रभारी संतोष गुप्ता घटनास्थल और अस्पताल का जायजा लेने पहुंचे। घायल विक्रम सिंह ने बताया कि वह टेंट में सड़क की तरफ पीठ करके सो रहा था। पुलिस अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, फायरिंग के कारणों की जांच की जा रही है। मालूम हो कि इससे पहले भी पलामू में फोरलेन साइट पर रंगदारी के लिए अपराधी फायरिंग कर चुके हैं।

डॉक्टर ने चचेरे भाई को मारी गोली

जमीन विवाद में की वारदात, तीन आरोपी गिरफ्तार, लाइसेंसी रिवॉल्वर और गोलियां बरामद

गुमला, 4 जुलाई (एजेंसियां)। गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के बरंदा गांव में जमीन विवाद को लेकर गुरुवार की रात एक डॉक्टर ने अपने चचेरे भाई को गोली मार दी। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को डॉक्टर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घायल हेमंत कुमार (32) को इलाज के लिए रांची के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसडीपीओ सुरेश कुमार यादव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने घायल की शिकायत पर केस दर्ज किया।

एसपी हरीश बिन जमा ने बताया कि मुख्य आरोपी डॉक्टर शैलेश कुमार साहू (43)

लोहरदगा के कोर्ट रोड का रहने वाले हैं। वो लोहरदगा में अपना नर्सिंग होम चलाते हैं।

तीनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया

अन्य दो आरोपियों में आनंद कुमार साहू (41) लोहरदगा के भंडरा का रहने वाला है और सूरज कुमार साहू (23) बरंदा गांव में शैलेश के मकान में किरायेदार है। तीनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पुलिस ने आरोपियों से एक छह चक्रीय रिवॉल्वर, 4 खाली कारतूस, 23 जिंदा गोलियां, एक पैशन प्रो बाइक और 4 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

बस्तर में आप का प्रदर्शन: बिजली दरों और दमन के खिलाफ दिया धरना

कहा- लोकतंत्र की हत्या कर रही भाजपा सरकार

जगदलपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बस्तर के जगदलपुर में आम आदमी पार्टी (आप) ने बिजली दरों में वृद्धि और बार-बार बिजली कटौती के खिलाफ एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। पार्टी ने इसे जनता की मूलभूत सुविधाओं के लिए लोकतांत्रिक आंदोलन बताया। हालांकि, प्रदर्शन की पूर्व सूचना और अनुमति के बावजूद, पुलिस प्रशासन ने धरना स्थल से प्रदर्शनकारियों को जबरन हटाया।

आप नेता समीर खान ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए कहा, 'शांतिपूर्ण तरीके से जनता की समस्याएं उठाने वालों को रोका जा रहा है। क्या बस्तर में आवाज उठाने का अधिकार भी छिन गया है? भाजपा की डबल इंजन सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है।' उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़, जो बिजली उत्पादन में अग्रणी है, वहां नागरिकों को महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है, जो सरकार की जनविरोधी नीतियों का परिणाम है।

आप पदाधिकारी तरुणा सागर वेदरकर ने कहा, 'बस्तर में हर जन-आंदोलन को प्रशासनिक दमन का सामना करना पड़ता है। यह सिर्फ बिजली की लड़ाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई है।' उन्होंने चेतावनी दी कि जनता की आवाज को दबाने की कोशिश हुई तो पार्टी और मजबूती से सड़कों पर उतरेगी। आप ने घोषणा की कि वह बस्तर में जनता के हक के लिए धरना-प्रदर्शन और जन आंदोलन जारी रखेगी। प्रशासन की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

ईडी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व विधायक अंबा प्रसाद और उनके करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी, रांची से हजारीबाग तक रेड

हजारीबाग, 4 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग के बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद और झारखंड के पूर्व मंत्री व अंबा प्रसाद के पिता योगेंद्र साहू के घर पर शुक्रवार को ईडी की टीम ने छापेमारी की। यह छापेमारी सुबह 6 बजे से चल रही है। ईडी ने उनके रांची से हजारीबाग के करीब 8 ठिकानों पर छापेमारी की है।

इनके अलावा अंबा प्रसाद के सीए बादल गोयल, पूर्व विधायक के करीबी मंटू सोनी एवं उनके एक अन्य करीबी पंचम कुमार के साथ मनोज दांगी के बड़कागांव स्थित घर पर भी ईडी ने रेड डाली है। सूत्र बताते हैं कि मनी लॉन्ड्रिंग, बालू और कोयला के अवैध उत्खनन सहित उनकी ट्रांसपोर्टिंग कंपनी को लेकर ईडी ने यह छापेमारी की है। सभी के घरों में लगभग 8 से 10 सदस्य ईडी की टीम मौजूद है और जांच जल रही है। छापेमारी के दौरान सभी के घरों को केंद्रीय बलों ने अपने सुरक्षा घेरे में ले रखा है। अंदर मौजूद लोगों के मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं और अधिकारी कागजात खंगाल रहे हैं।

बताते चलें कि पिछली बार जब ईडी की टीम अंबा प्रसाद के घर पहुंची थी, उसके बाद ईडी की टीम ने योगेंद्र साहू, अंबा प्रसाद एवं उनके भाई साथ ही मां निर्मला देवी को सम्मन जारी किया था और पूछताछ के लिए रांची स्थित कार्यालय बुलाया था।

पानी के तेज बहाव से दो हिस्सों में बंटी सड़क

बिलासपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग धंसा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में एनीकट बहे

गौरेला, 4 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला पेंड्रा मरवाही क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के कारण वन विभाग द्वारा निर्मित कई एनीकट बह गए हैं।

बिलासपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में गंभीर क्षति हुई है। यह हाईवे अभी 50 प्रतिशत भी पूरा नहीं हुआ है। कारिआम और जोगीसार के बीच निर्माणाधीन पुलिया के लिए बनाया गया बाईपास बारिश के पानी के तेज बहाव से दो हिस्सों में बंट गया है। यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वाहनों को पेंड्रा और खोडरी के रास्ते से बिलासपुर, अनूपपुर, शहडोल और जबलपुर की ओर भेजा जा रहा है।

एसडीएम ऋचा चंद्राकर ने क्षतिग्रस्त पुलियों का निरीक्षण किया। कोटमी खुर्द में कालेवा नाला के बहाव से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। जोगीसार में टूटी पुलिया की मरम्मत का काम चल रहा है। इसके बाद बेलपत की पुलिया का सुधार किया जाएगा। एसडीएम ने ठेकेदार और इंजीनियर को शीघ्र मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के उप अभियंता भी मौजूद थे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में फूड पॉइजनिंग का मामला

12 छात्राएं हुईं बीमार, सब्जी खाने के बाद चक्कर और उल्टियां होने लगीं

गोड्डा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। गोड्डा स्थित बंका कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया। विद्यालय में बनी सब्जी को खाने से 12 छात्राएं बीमार हो गईं। छात्राओं को चक्कर और उल्टियां आने लगीं। कुछ छात्राएं बेहोश भी हो गईं। सभी को तत्काल गोड्डा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही सभी छात्राओं का स्वास्थ्य जांच किया गया। सभी की तबीयत अब ठीक है। इधर, छात्रा मीरा कुमारी, संजू कुमारी और निशा कुमारी ने बताया कि सब्जी खाने के बाद उन्हें उसमें छिपकली गिरे होने का पता चला। वहीं, छात्राओं का आरोप है कि स्कूल में उनसे रोटी बनवाई जाती है। प्रत्येक कक्षा की छात्राओं की बारी-बारी से रसोई में ड्यूटी लगती है। एक छात्रा के पिता सुनील राउत ने स्कूल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि स्कूल में साफ-सफाई नहीं होती। रसोई गंदी रहती है और छात्राओं से जबरन खाना बनवाया जाता है।

इधर, जिला शिक्षा पदाधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि गोड्डा स्थित बंका कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में भोजन करने से 10-12 बच्चियों की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बारी-बारी से सभी बच्चों का स्वास्थ्य जांच कराया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम छात्राओं की निगरानी कर रही है। शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि बच्चों से खाना बनाने की कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। स्कूल में गंदगी की शिकायत की जांच के लिए गोड्डा डीसी को सूचित कर टीम गठित की जाएगी।

वहीं, झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अपने X अकाउंट पर लिखा- गोड्डा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में फूड पॉइजनिंग की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।

वांटेड सट्टा किंग के करीबी की शादी में विदेशी लड़कियां

प्रीमियम वेडिंग में बॉलीवुड स्टार्स, भिलाई से 100 मेहमान फ्लाइट से पहुंचे

रायपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। 1 जुलाई को महादेव बेटिंग ऐप के लाइजनर सौरभ आहूजा की प्रीमियम शादी हुई। सेलिब्रिटी इंवेंट करने वाली कंपनी को शादी को आलीशान बनाने का ठेका दिया गया। सौरभ आहूजा महादेव सट्टा एप चलाने वाले भिलाई के सौरभ चंद्राकर का करीबी है।

सौरभ आहूजा की शादी राजस्थान के जयपुर के फेयर माउंट होटल में हुई। अब इस करोड़ों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शादी में बॉलीवुड कलाकारों ने देर रात तक परफॉर्म किया। वीडियो और तस्वीरों में देखा जा सकता है कि यहां विदेशी लड़कियां भी डांस परफॉर्म कर रही हैं।

इसके साथ ही आहूजा के मेहमान ड्रिंक्स पीते दिख रहे हैं। वर्ल्ड क्लास डेकोरेशन, मेहमानों के ठहरने का इंतेजाम, कलाकर और खाने-पीने में 5 से 6 करोड़ खर्च किए गए हैं। पता चला है कि इसमें भिलाई से भी करीब 100 मेहमान हवाई यात्रा कर पहुंचे थे। शादी के दूसरे दिन रायपुर की टीम ने छापेमारी की, लेकिन सौरभ हाथ नहीं लगा।

सूत्रों के मुताबिक सौरभ आहूजा को नेपाल के रास्ते दुबई जाने के लिए कहा गया है। हालांकि इसकी पुष्टि कोई नहीं कर रहा। ये चर्चाओं में है। ईडी की टीम उसकी खोजबीन कर रही है। इस बीच अभी सौरभ के परिवार को ईडी ने रायपुर में पेश होने का आदेश दिया है। सौरभ का परिवार रायपुर के लिए निकल गया है। वहीं दिल्ली से सौरभ के एक दोस्त को भी हिरासत में लिए जाने की खबर है। ये भी छत्तीसगढ़ का ही रहने वाला है, लेकिन नाम का खुलासा नहीं हुआ है। सौरभ इसके साथ मिलकर काम करता था। यह भी बताया जा रहा है कि सौरभ के इसी दोस्त ने शादी का सारा इंतजाम किया था। सौरभ ने इससे पैसे भी लिए थे। दरअसल, छत्तीसगढ़ के रायपुर की ईडी टीम को महादेव बेटिंग ऐप मामले के आरोपियों के जयपुर के फेयर माउंट होटल में रुके होने की सूचना मिली थी। वहां पता चला कि केस में वांटेड सौरभ आहूजा जयपुर में चोरी छिपे शादी कर रहा था। उधर, सौरभ को पता लग गया था कि ईडी पकड़ने पहुंच चुकी है। ऐसे में सौरभ होटल से फरार हो गया। भिलाई निवासी सौरभ आहूजा का नाम पहली बार ईडी की रेड में 15 सितंबर 2023 को सामने आया था, तब से इसकी तलाश की जा रही थी। ईडी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शादी के लिए जयपुर के होटल के 120 कमरे बुक किए गए थे। हर कमरे एक रात का किराया 20 हजार रुपए है। तीन दिनों तक सभी कमरे बुक रहे। इंडियन और विदेशी डिश मेहमानों को परोसी गई। शादी में बॉलीवुड के सिंगर मधुर शर्मा और दूसरे कलाकारों ने लाइफ परफॉर्मेंस दी है। इन सभी खर्चों को मिलाकर करीब 5 से 6 करोड़ रुपए शादी में खर्च किए गए हैं।

जयपुर में कार्रवाई के दौरान ईडी की टीम ने वहां मौजूद सट्टा सिंडिकेट के लोगों के मोबाइल और लैपटॉप जब्त किए हैं। सभी रायपुर ईडी दफ्तर में पेश होने का समंस भेजा गया है। रायपुर में सभी से पूछताछ होगी।

शिव मंदिर की खोदाई में मिला विशाल शिवलिंग

दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जगदलपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जगदलपुर के संजय बाजार स्थित दशकों पुराने शिवमंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान शुक्रवार सुबह एक आश्चर्यजनक खोज हुई। मंदिर की खोदाई के दौरान भूमि से एक विशाल शिवलिंग निकला, जिसकी सूचना शहर में फैल गई। खबर सुनते ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने मौके पर जवानों को तैनात किया। संजय बाजार की सबसे बड़ी सब्जी मंडी के पास बरगद के पेड़ के नीचे यह छोटा सा शिवमंदिर स्थित है।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 5 जुलाई - 2025

रेबीज से मौतों को रोकने के लिए बड़े इंतजाम की जरुरत है

अशोक भाटिया

आज के समाचार पत्रों में छपी खबर के अनुसार भारत में, रेबीज से होने वाली मौतों को 2030 तक कम करके शून्य करने का लक्ष्य है। लक्ष्य अच्छा है क्योंकि वर्तमान में, हर साल लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण होती हैं। हालांकि, रेबीज से होने वाली मौतों में 75% की कमी आई है। रेबीज एक जानलेवा बीमारी है जो संक्रमित जानवरों की लार से फैलती है, खासकर कुत्तों के काटने से। एक बार जब रेबीज के लक्षण दिखने लगते हैं, तो यह लगभग हमेशा घातक होती है। एक आंकड़े से पता चलता है कि रेबीज से दुनिया भर में हर साल करीब 60 हजार मौतें होती हैं, जिसमें से 95 प्रतिशत से अधिक मौतें अफ्रीका और एशिया में होती हैं। रेबीज एक वायरल बीमारी है जो जानवरों से मनुष्यों में फैलती है। खासकर कुत्तों के काटने से यह बीमारी होती है। रेबीज दुनिया भर में संक्रामक रोगों से होने वाली मौत का 10वां सबसे बड़ा कारण है। भारत में हर साल रेबीज से होने वाली मौतों में से ज्यादातर मामले कुत्ते के काटने के कारण होते हैं।

इस साल मार्च की एक सुबह, पंजाब के लुधियाना में आवारा कुत्तों के एक झुंड ने एक छह वर्षीय लड़के को मार डाला था। महज तीन महीने में यह जिले में बच्चों की मौत का चौथा मामला था। वह कचरे के ढेर के पास खेल रहा था जब कुत्तों ने हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कुछ हफ्ते बाद गोवा में, एक 20 महीने की बच्ची अपने घर के बाहर भटक गई। आवारा कुत्तों ने उसे एक आसान शिकार के रूप में देखा और हमला किया। उसके भीषण घाव घातक साबित हुए। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में 22 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी ब्रजेश सोलंकी की रेबीज से मौत हो गई। सोलंकी को बचाने के दौरान दो महीने पहले एक पिल्ले ने काट लिया था। उन्होंने न तो किसी को काटने की सूचना दी और न ही एंटी रेबीज का टीका लगवाया। पिछले हफ्ते उन्हें अभ्यास के दौरान सुन्नपन महसूस हुआ। तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल और फिर नोएडा में शिफ्ट किया गया, जहां उसे रेबीज होने का पता चला। लगभग एक सप्ताह तक भयानक लक्षणों से पीड़ित रहने के बाद, उन्होंने बीमारी के कारण दम तोड़ दिया।

ये घटनाएं कभी अलग-थलग और दुर्लभ थीं। हालांकि, अब वे पूरे भारत में परेशान करने वाले हो गए हैं। ये एक मूक संकट पर कठोर प्रकाश डालते हैं जो वर्षों से तेज हो रहा है। आवारा कुत्तों की आबादी में विस्फोट के परिणामस्वरूप सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विनाशकारी परिणाम हुए हैं। फिर भी, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय प्राधिकरण आवारा कुत्तों की समस्या को समाप्त करने में विफल रहे हैं जो जल्दी से जनता के लिए खतरा बन रहा है।स्ट्रीट डॉग लंबे समय से भारतीय शहरों और गांवों में मनुष्यों के साथ सह-अस्तित्व में हैं। हालांकि, आज उनकी संख्या अभूतपूर्व और खतरनाक है। औपनिवेशिक युग के दौरान और आजादी के बाद भी कई दशकों तक, कुत्तों की आबादी नियंत्रण की मानक विधि में शामिल था, या शाब्दिक संसदीय भाषा में, कुत्तों को नष्ट करना। ऑक्सइंडिया द्वारा लोकसभा और राज्यसभा से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, हर साल स्थानीय अधिकारियों द्वारा उनकी संख्या को नियंत्रित करने के प्रयास में हजारों कुत्तों को मार दिया जाता है। हालांकि, इस तरह के कठोर उपायों के बावजूद, जनसंख्या बढ़ती रही। इसने भारतीय संदर्भ में किल-आधारित रणनीतियों की विफलता की ओर इशारा किया। हालांकि, संख्या कुछ हद तक नियंत्रण में रही, और अगर विधि को नसबंदी अभियानों के साथ मिलाया गया होता, तो यह सड़क के कुत्तों की आबादी को काफी हद तक नियंत्रित करता। काश, यह वैसा नहीं होता जैसा इसे होना चाहिए था। 2012 की पशुधन गणना में कहा गया था कि भारत में लगभग 1। 71 करोड़ आवारा कुत्ते थे। 2019 में, रिपोर्ट की गई संख्या 1। 53 करोड़ थी। जबकि आंकड़े आवारा लोगों की संख्या में कमी दिखाते हैं, विशेषज्ञों ने इन आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाए। उन्होंने अंडर-रिपोर्टिंग और असंगत सर्वेक्षण विधियों का हवाला दिया। की स्थिति पेट होमलेसनेस इंडेक्स ऑफ इंडिया का अनुमान है कि 2024 में सुझाव दिया गया है कि भारत में 6 करोड़ से अधिक आवारा कुत्ते हो सकते हैं, जो शायद दुनिया में सबसे ज्यादा है।

यह वृद्धि केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में मुक्त-घूमने वाले कुत्तों में नाटकीय वृद्धि देखी गई है। दशकों पहले, आवारा कुत्तों का मुद्दा अभी भी प्रबंधनीय था, लेकिन अब यह भारी अनुपात का संकट बन गया है। इस उछाल के पीछे शहरीकरण, कचरा न जुटाना, खराब योजना, अप्रभावी जनसंख्या नियंत्रण प्रणाली और तथाकथित कुत्ते प्रेमियों की बढ़ती संख्या है, जिन्होंने इसे अपने जीवन का आदर्श वाक्य बना लिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिकारी खतरनाक कुत्तों को अन्य स्थानों पर भी नहीं ले जा सकें।आवारा कुत्तों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि के मुख्य कारणों में से एक पशु नियंत्रण के आसपास नीतिगत पक्षाघात है। सुप्रीम कोर्ट समर्थित पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम पहली बार 2001 में पेश किए गए थे। नए नियमों के अनुसार, आवारा कुत्तों का प्रबंधन करने का एकमात्र स्वीकार्य तरीका नसबंदी और टीकाकरण था, जिसके बाद उसी स्थान पर छोड़ दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कुत्ते समर्थक पशु कल्याण समूहों के इशारे पर एक निर्णय पारित किया, जिससे अधिकारियों और जनता के लिए कुत्तों से छुटकारा पाना असंभव हो गया, यहां तक कि उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करके जहां पशु-मानव संपर्क को कम किया जा सकता था। जबकि नियम सिद्धांत रूप में मानवीय दिखाई देते हैं, उन्हें व्यवहार में लागू करना बेहद कठिन है, विशेष रूप से आवारा कुत्तों की आबादी में सेंध लगाने के लिए आवश्यक पैमाने पर। संख्या को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए, किसी दिए गए क्षेत्र में आवारा कुत्तों की आबादी का कम से कम 70% निष्फल होना चाहिए। हालांकि, अधिकांश भारतीय शहरों में, कवरेज कथित तौर पर सबसे खराब है नगर निकाय सीमित धन, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी और समग्र अक्षमता और सकल लापरवाही के शीर्ष पर पशु कल्याण समूहों से प्रतिक्रिया के साथ संघर्ष करते हैं। परिणाम एक धीमा और अप्रभावी नसबंदी प्रयास है, जो आवारा जानवरों की प्रजनन दर से मेल खाने में असमर्थ है।

इसके अलावा, कई भारतीय समुदायों में, आवारा कुत्तों को खिलाना दयालुता का कार्य माना जाता है और कुछ मामलों में, यहां तक कि धार्मिक योग्यता भी है। लोग नियमित रूप से आवारा कुत्तों को बचा हुआ भोजन देते हैं। यदि यह पर्याप्त नहीं है, तो देश भर में हजारों व्यक्ति और संगठन हैं जो विशेष रूप से आवारा कुत्तों के लिए भोजन पकाते हैं और स्थानीय लोगों की दलील पर विचार किए बिना उन्हें जहां भी और जब चाहें खिलाते हैं, उन्हें खिलाते हैं।दयालु होने पर, इस तरह की प्रथाएं अनजाने में भोजन तक आसान पहुंच प्रदान करके बड़ी कुत्ते की आबादी का समर्थन करती हैं, खासकर पड़ोस में जहां अपशिष्ट निपटान पहले से ही खराब है। सड़कों पर कचरे के ढेर, ओवरफ्लो करने वाले डिब्बे और बचे हुए भोजन पूरे पैक के लिए नियमित रूप से भोजन के मैदान बन जाते हैं। कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या का एक और कारण है। ऐसी रिपोर्टें आई हैं कि कई राज्यों में नगर पालिकाएं एबीसी कार्यक्रमों को एनजीओ या निजी ठेकेदारों को आउटसोर्स करती हैं। हालांकि, बहुत कम या कोई निगरानी नहीं है।

ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां एनजीओ ने हजारों कुत्तों की नसबंदी करने का दावा किया है, लेकिन वास्तविक संख्या बहुत कम थी।भोपाल में, ऑडिट में बढ़े हुए आंकड़े, भूतिया सर्जरी और घटिया सुविधाओं का पता चला। उचित निगरानी के बिना, जनसंख्या नियंत्रण के लिए सार्वजनिक धन बर्बाद हो जाता है, और कुत्ते हर साल बढ़ते रहते हैं।

कर्नाटक की कलह सतह पर

कर्नाटक सरकार इन दिनों फिर से कलह की बीमारी से जूझने लगी है। सरकार पर मंडराया संकट ऊपर से मैनेज तो कर लिया गया है, लेकिन अंदरूनी टकराव जगजाहिर है। आने वाले दिनों में यह टकराव कब भडक जाए,कहा नहीं जा सकता। ऐसे हालात में जरूरत है कि कांग्रेस सबसे पहले अपने घर के ठीए-पांचे दुरुस्त करे। इसके बाद ही वह देश में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने का दम भरे। कर्नाटक में सरकार बनने के साथ ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के रूप में सत्ता की दो धुरी बनी है। जून 2025 में मामला तब ज्यादा बिगड गया, जब डी.के. शिवकुमार के 100 कांग्रेसी विधायक अड गए कि सिद्धारमैया को हटाकर अब शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। सुलह कराने महासचिव रणदीप सुरजेवाला आए, और मीटिंग के बाद बयानबाजी भी हो गई कि ऑल इज वेल, कांग्रेस में एकता है, मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर कोई लडाई नहीं है। सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार ने हाथ मिलाकर फोटो भी खिंचवा लिए, लेकिन यह ऊपर से की गई पेंटिंग के अलावा कुछ नहीं था। सारी कवायद के बाद तुरंत ही पेंटिंग धुल गई और फिर से असहमति के स्वर उठने लगे। कांग्रेसी क्षत्रपों की ये बहुत पुरानी बीमारी है। सत्ता से बाहर रहने के बावजूद कांग्रेसी नेताओं की पहली चिंता बीजेपी को हराने की बजाय अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेसी नेता को हराने की रही है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट की लड़ाई तो एक-दूसरे के खिलाफ विष-वमन तक पहुंच गई थी। हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा बनाम अन्य कांग्रेसी नेताओं की लड़ाई ने बीजेपी को चुनावी जीत थाली में परोस कर दे दी। कर्नाटक में सिद्धारमैया बेहद लोकप्रिय नेता हैं। वह कुरबा समाज से आते हैं, जो अत्यंत पिछड़ा है। सोशल इंजीनियरिंग में माहिर सिद्धारमैया का जातिगत समीकरण बीजेपी की हार का बड़ा कारण बना। उधर, डी.के. शिवकुमार आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न समुदाय वोक्कालिगा से आते हैं। धनबल, बाहुबल और विधायक बल के लिहाज से उनकी राजनीतिक जमीन बहुत मजबूत है। इन दोनों नेताओं का मजबूत कॉम्बिनेशन ही कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचा पाया। शिवकुमार पर कई मामले लंबित हैं। जो उनके इस कुर्सी तक पहुंचने में बाधा बनी है। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में भी कहा जाता है कि वह भीतर ही भीतर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाए जाने के समर्थक हैं, लेकिन खुलकर इस पर पॉलिटिक्स नहीं खेलना चाहते। गांधी परिवार फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में है। उसे पता है कि इस नाजुक दौर में सिद्दारमैया को खोना कांग्रेस के लिए खतरनाक साबित होगा। लेकिन राजनीति में लंबे समय तक यथास्थिति का बने रहना संभव नहीं होता। विरोधी स्वरों को न निपटाया जा रहा है और न ही एडजस्ट किया जा रहा है। यही वजह है कि कर्नाटक में कांग्रेस ही कांग्रेस से लड़ती दिखाई दे रही है। कांग्रेस के भीतर कलह, लीडरशिप के लिए खींचतान एक स्थायी समस्या के रूप में बनी हुई है - जिसे राहुल गांधी न हल कर पा रहे हैं और न ही इस पर कोई हस्तक्षेप कर रहे हैं।

देश की स्त्रियों के मूल-भूत अधिकारों पर बड़ा सवाल

संजीव ठाकुर

देश की विशाल जनसंख्या में बहुत बड़े प्रतिशत की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा।

भारतीय गणतंत्र में 15वीं राष्ट्रपति के रूप में महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी के पदासीन होने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और आदिवासी महिलाओं के लिए विकास के नए द्वार खुलने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। माननीय राष्ट्रपति को महिलाओं के संघर्ष, जिजीविषा और नैतिक मूल्यों की पोषक होने का पर्याय माना जा रहा है। उनके राष्ट्रपति पदासीन होने के साथ-साथ आदिवासी वर्ग में और खासकर समग्र रूप से महिलाओं में नई ऊर्जा,शक्ति तथा उत्साह का संचार हुआ है। अब भारत देश के क्रमिक विकास में महिलाओं की भागीदारी में निश्चित तौर पर इजाफा होना चाहिए, आदिवासी महिला के सर्वोच्च राष्ट्रपति जैसे गरिमामई पद में चयन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45% से 50% भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही है। आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थी। अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता है1 परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण है। महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी है। सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैं1 और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया है।

रील की दुनिया में रियल ज़िंदगी का विघटन, दिखावे की दौड़ में थकती ज़िंदगी

प्रियंका सौरभ

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ एक तरफ़ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज़ बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। पहले के समय में संवाद का अर्थ था – बैठ कर बात करना, साथ हँसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ ₹टाइप₹ और ₹स्क्रॉल₹ में बदल गया है। बच्चे हों या बुज़ुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष – सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आँगन या बैठक में होती थीं, आज वो 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'ट्वीट' में समा गई हैं। जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुँच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है – अब दोस्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने सीन किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने स्टोरी पर साझा किया हो।

बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर माँ-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फ़िल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहाँ व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। माँ-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं। यह आदत अब लत बन चुकी है – सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फ़ोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है। डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट ज़िंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है।

दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं। खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है। दूसरी ओर, इस प्लेटफॉर्म पर 'फेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं।

एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल ज़िंदगी में वह कर्ज़ और तनाव से घिरा होता है।परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा ज़िंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरज़रूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुज़ुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखाकर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं। आज जब हम 'फैक्ट चेकिंग' और 'डिजिटल लिटरेसी' की बात करते हैं, तब यह समझना ज़रूरी है कि सोशल मीडिया सिर्फ सूचना या मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है – यह अब हमारी सोच, व्यवहार और संबंधों को गहराई से प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है। भारत जैसे देश में, जहाँ संयुक्त परिवार की परंपरा रही है, वहाँ सोशल मीडिया ने ₹संयुक्तता₹ की भावना को गहराई से चुनौती दी है। लोग अब त्यौहारों में साथ बैठकर मिठाई खाने की बजाय उस मिठाई की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने में लगे रहते हैं। रिश्तों का स्पर्श, संवाद की गर्माहट और एक-दूसरे की मौजूदगी की जो भावना होती थी, वह डिजिटल एल्गोरिद्म के पीछे छिप गई है। यह सच है कि सोशल मीडिया ने कई सकारात्मक चीजें भी दी हैं – आवाज़ उठाने का मंच, जागरूकता फैलाने का साधन, और कई मामलों में न्याय की दिशा में जनदबाव बनाने का माध्यम। लेकिन जब यही साधन साध्य बन जाए, तो समस्या खड़ी होती है। अब यह समय है जब हमें व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर आत्मचिंतन करने की ज़रूरत है। हमें यह समझना होगा कि हम सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता हैं, उसके दास नहीं। तकनीक का उपयोग जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि उसे निगल जाने के लिए।

हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि लाइफ का मतलब लाइक्स नहीं होता। हमें उन्हें यह सिखाना होगा कि रील लाइफ से ज़्यादा कीमती रियल लाइफ होती है। हमें खुद से पूछना होगा कि आखिरी बार जब हम अपने माता-पिता के पास बैठकर बिना मोबाइल के बात किए, वह कब था। संघर्ष यह नहीं है कि सोशल मीडिया को छोड़ देना चाहिए, संघर्ष यह है कि इसे कैसे संतुलित किया जाए। हमें ₹डिजिटल डिटॉक्स₹ की आदत डालनी होगी – एक दिन बिना सोशल मीडिया के बिताना, भोजन करते समय मोबाइल को दूर रखना, रात को सोने से पहले स्क्रीन नहीं देखना, सुबह उठते ही ईश्वर या परिवार को याद करना, न कि इंस्टाग्राम को। सरकारों और संस्थानों को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। स्कूलों में डिजिटल संतुलन की शिक्षा, माता-पिता के लिए कार्यशालाएँ, और सोशल मीडिया कंपनियों पर बच्चों के लिए सुरक्षित सामग्री सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

क्या सभ्यता अब भी युद्ध से सीखना नहीं चाहती?

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब युद्ध की खबरें हवाओं में तूफान बनकर गूँजती हैं, तो वे महज हथियारों की कर्कश गर्जना, सैन्य रणनीतियों की बर्फीली चालबाजियाँ या सत्ता के क्रूर खेल की दास्तानें नहीं लातीं। वे लाती हैं-मूक आँसुओं का कराहता समंदर, टूटे सपनों की हृदयविदारक सिसकियाँ और उन अनगिनत जिंदगियों की त्रासदी, जो युद्ध की लपटों में राख बनकर बिखर जाती हैं। एक मासूम बच्चा, जो किताबों की स्याही के बजाय बारूद की गंध में खोया है, बमों की गूँज में सिहरता है। एक माँ, जो अपने लाल के लिए रोटी की जगह सिर्फ़ भय और अनिश्चितता का अंधेरा जुटा पाती है। एक बुजुर्ग, जो अपने जीवन की सारी मेहनत को मलबे के ढेर में दफ़न होते देखता है, बेबस और लाचार। इनके अनमोल दर्द की कीमत कौन चुकाएगा? युद्ध की चकाचौंध में आम इंसान की पुकार, उसकी आहट, कहीं गुम हो जाती है।

युद्ध, मानव सभ्यता का वह काला साया है, जो सदियों से उसका पीछा करता आया है। प्रथम विश्व युद्ध ने 1 करोड़ जिंदगियों को लील लिया, तो द्वितीय विश्व युद्ध ने 4-5 करोड़ मासूमों को अपनी क्रूर भेंट चढ़ा दिया। क्या यह दिल दहलाने वाली त्रासदी महज इतिहास की धूल भरी किताबों तक सिमटी है? कदापि नहीं। आज यूक्रेन-रूस संघर्ष की गूँज और इज़राइल-हमास युद्ध की चीखें हमें बार-बार उस कटु सत्य से रूबरू कराती हैं-युद्ध का सबसे बड़ा शिकार हमेशा आम इंसान होता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) की रिपोर्ट चीख-चीखकर बताती है कि फरवरी 2025 तक यूक्रेन में 10,000 से अधिक निर्दोष नागरिक मौत के आगोश में समा चुके हैं, 20,000 से ज्यादा घायल हुए हैं, और असल संख्या इससे भी कहीं अधिक भयावह हो सकती है। 1.4 करोड़ लोग अपनी जड़ों से उखड़कर बेघर हो गए, जिनमें 60 लाख शरणार्थी पड़ोसी देशों में आश्रय की तलाश में भटकने को मजबूर हैं। गाजा की तस्वीर मानवता के माथे पर एक ऐसा दाग है, जो रक्त और आँसुओं से लिखा गया है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के जनवरी 2025 के आँकड़े दिल दहलाने वाली सच्चाई उजागर करते हैं-43,000 से अधिक जिंदगियाँ युद्ध की भेंट चढ़ चुकी हैं, जिनमें 60% से ज्यादा मासूम महिलाएँ और बच्चे हैं। 23 लाख की आबादी में से 19 लाख लोग अपनी जड़ों से उखड़कर बेघर भटक रहे हैं, और 70% बुनियादी ढाँचा-घर, स्कूल, अस्पताल-मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। ये आँकड़े महज ठंडी संख्याएँ नहीं, बल्कि टूटे हुए सपनों की सिसकियाँ, बिखरे हुए परिवारों की चीखें और छिनी हुई जिंदगियों की कराह हैं। युद्ध केवल जिंदगियों का काल नहीं, बल्कि सभ्यता का वह क्रूर विध्वंसक है, जो समाज के हर ताने-बाने को तार-तार कर देता है।

विश्व बैंक के 2024 के अनुमान चीख-चीखकर बताते हैं कि यूक्रेन की अर्थव्यवस्था $150 अरब से अधिक के नुकसान के बोझ तले दब चुकी है। स्कूलों के दरवाजे बंद, अस्पताल मलबे में तब्दील, बाजारों की रौनक खामोश-आमजन की आजीविका युद्ध की भट्टी में राख हो गई। गाजा का दृश्य और भी हृदयविदारक है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, 80% आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीने को मजबूर है, जहाँ भुखमरी, बेरोजगारी और बेघरी की त्रासदी ने लाखों लोगों को जीते-जी मृत्यु के कगार पर ला खड़ा किया है। भारत के इतिहास पर नजर डालें, तो प्रथम विश्व युद्ध में 8 लाख भारतीय सैनिकों ने अपनी जान जोखिम में डाली, जिनमें 47,746 ने अपनी आहुति दी और 65,000 घायल हुए। उस दौर में आम भारतीय अकाल, भारी करों और औपनिवेशिक शोषण की चक्की में पिसता रहा। आज भी, भारत-चीन सीमा तनाव और कश्मीर में अशांति की खबरें सीमावर्ती गाँवों के लिए रोज़मर्रा का डर बनकर मंडराती हैं।

युद्ध का जहर न केवल शरीर को छलनी करता है, बल्कि मन, आत्मा और संस्कृति को भी रौंद डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की चेतावनी बताती है कि युद्धग्रस्त क्षेत्रों में 20-30% लोग पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) की चपेट में आते हैं, जहाँ दिमाग़ में बार-बार लौटने वाली भयावह यादें जीवन को नरक बना देती हैं। यूक्रेन में बच्चों और महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ 40% तक बढ़ चुकी हैं, जो हर रात बमों की गूँज और अपनों के खोने के दर्द में सिसकते हैं। गाजा का दृश्य और भी हृदयविदारक है-यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, 90% बच्चे मानसिक तनाव की ऐसी गिरफ्त में हैं कि उनका बचपन बमों की आवाज़ और मौत की छाया में दम तोड़ रहा है। सांस्कृतिक विनाश का घाव भी कम गहरा नहीं। सीरिया के गृहयुद्ध ने 500 से अधिक सांस्कृतिक धरोहरों को मलबे में बदल दिया, जबकि यूक्रेन में, यूनेस्को के 2024 के आँकड़ों के मुताबिक, 250 से ज्यादा सांस्कृतिक स्थल युद्ध की भेंट चढ़ चुके हैं। ये महज पत्थर और इमारतें नहीं, बल्कि समुदायों की पहचान, इतिहास की साँसें और आने वाली पीढ़ियों का गौरव हैं, जो युद्ध की आग में स्वाहा हो रहे हैं।

मंच पर क्रांति, ज़मीन पर अकाल

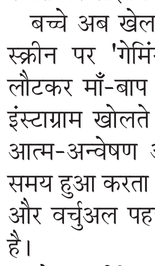
डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आज भी याद है मुझे, अकर्मपुर की वो सुनहरी सुबहें, जब हर समस्या का समाधान एक नए 'टोटके' से निकलता था। हमारा अकर्मपुर सिर्फ एक गाँव नहीं, एक दर्शन था – 'करो कम, दिखाओ ज्यादा'। यहाँ मेहनत को हमेशा हाशिये पर रखा जाता, जबकि दिखावा, आडंबर और तात्कालिक 'रस्म अदायगी' को 'परम कर्तव्य' माना जाता था। यहाँ के लोग, मानो सदियों के कर्मठता के श्राप से मुक्ति पाकर, अब बस आराम का रास्ता तलाशते थे। अगर गाँव में सूखे की आहट होती, तो खेत में हल चलाने के बजाय, पुरोहितों की टीम बुलाई जाती, जो आकाश की ओर आँखें गड़ाकर, मेघों को 'मंत्रमुग्ध' करने की कोशिश करती। जब फसल बर्बाद होती, तो बीजों की गुणवत्ता या सिंचाई की कमी पर विचार नहीं होता, बल्कि 'शनि का दान' और 'राहु का प्रकोप' जैसे आसान नुस्खे ढूंढें जाते। हमारे सरपंच, श्री 'बनावटी लाल', जिनकी भाषण-शक्ति तो अद्भुत थी, पर कर्म-शक्ति शून्य, हमेशा कहते, देखो भाई, बात विचारों की है, कर्म तो बस एक औपचारिकता है। जब विचार शुद्ध होंगे, तो परिणाम अपने आप प्रकट होंगे! और अकर्मपुर के लोग, इस 'विचार क्रांति' के नारे में इतने डूबे रहते कि उन्हें अपनी टूटी हुई झोपड़ियाँ, सूखे खेत और खाली थाल कभी दिखते ही नहीं थे। हर शाम, चौपाल पर बैठकें होतीं, जहाँ 'राष्ट्र निर्माण' के बड़े-बड़े सिद्धांतों पर चर्चा होती, और फिर सब अपने घरों को लौट जाते, इस संतुष्टि के साथ कि उन्होंने आज 'ज्ञान यज्ञ' में अपनी आहुति दे दी है। कोई पूछता, पानी क्यों नहीं है? तो जवाब आता, अरे, जल-समस्या पर 'जल-यज्ञ' कर तो रहे हैं! बस थोड़े और घी की ज़रूरत है। समस्या कभी समस्या नहीं थी; वह तो बस एक 'अनुष्ठान का अवसर' थी। और इसी अनुष्ठान में, अकर्मपुर धीरे-धीरे, मुस्कुराते हुए, अपनी ही कब्र खोद रहा था। हर चेहरा संतुष्ट था, क्योंकि काम तो हुआ नहीं, पर दिखावा इतना जोरदार था कि पूछो मत!

यही अकर्मपुर की जातीय प्रकृति बन चुकी थी, जहाँ 'अकर्म' ही सबसे बड़ा 'कर्म' था। एक दिन, जब सूरज ने अकर्मपुर की धरती को भूनना शुरू किया, और कुओं का पानी पाताल में समा गया, तो पूरे गाँव में हाहाकार मच गया। बच्चे प्यास से बिलबिला रहे थे, औरतें घड़े लिए बेबस खड़ी थीं, और पुरुष आसमान को कोस रहे थे। लेकिन क्या, हमारे सरपंच बनावटी लाल, जिन्हें हर विपदा में एक 'नया अवसर' दिखता था, ने तुरंत एक 'अभूतपूर्व जल-संकट निवारण महा-यज्ञ' की घोषणा कर दी। गाँव के सबसे बड़े मैदान में विशाल हवन कुंड बनाया गया। बीस पंडितों की टीम बुलाई गई, जिनकी फीस गाँव वालों ने अपने खाली पेट काटकर दी। यज्ञ में दूध की जगह प्लास्टिक के डिब्बे से सफेद पाउडर घोलकर चढ़ाया गया, क्योंकि असली दूध भी पानी के साथ गायब हो चुका था। घी की जगह 'वानस्पतिक तेल' की सुगंधित आहुतियाँ दी गईं, जिससे मक्खियाँ तो भाग गईं, पर बादल कभी आए ही नहीं। पंडित मंत्रों का जाप ऐसे कर रहे थे, जैसे बॉलीवुड की किसी फिल्म का डायलॉग बोल रहे हों – ऊँची आवाज, नाटकीय हाव-भाव, और 'कट' होते ही सब शांत! एक पंडित जी तो मंत्र के बीच में ही खर्राटे मारने लगे, पर किसी ने ध्यान नहीं दिया, क्योंकि

उज्जैन का गढ़कालिका मंदिर
जहां माता पहनती हैं नरमुंड की माला

धार्मिक नगरी उज्जैन में इन दिनों गुप्त नवरात्रि की धूम मची हुई है। सुबह से शाम तक माता के मंदिरो में विशेष पूजा-पाठ अनुष्ठान चल रहे हैं। ऐसे ही एक प्रसिद्ध मंदिर की बात करें, तो यह बाबा महाकाल की नगरी में 51 शक्ति पीठों में से एक हरसिद्धि मंदिर की तरह गढ़कालिका मंदिर भी प्रसिद्ध है। यहां कपड़े के बनाए गए नरमुंड चढ़ाए जाते हैं। यहां प्रसाद के रूप में दशहरे के दिन नींबू बांटा जाता है। इस मंदिर में तंत्र सीखने वाले भी आते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में माता कालिका अपने भक्तों को अलग-अलग रूप में दर्शन देती हैं।

शास्त्रों के अनुसार गढ़कालिका माता कालिदास की आराध्य देवी हैं। यह मंदिर उज्जैन के गड़कालीला रोड पर है। उज्जैन में हरसिद्धि के बाद दूसरा शक्तिपीठ गढ़कालिका मंदिर को माना जाता है। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि उज्जैन में शिप्रा नदी के तट के पास स्थित भैरव पर्वत पर माता सती के होंठ गिरे थे, इसलिए इस जगह को भी शक्तिपीठ के समकक्ष ही माना गया है। इस देवी मंदिर का पुराणों में भी वर्णन है।

नरमुंड की माला माता को पिर्य

मंदिर के सेवक श्याम तिवारी के अनुसार, गढ़कालिका मंदिर में नवरात्रि के बाद दशमी पर कपड़े के बनाए गए नरमुंड चढ़ाए जाते हैं। प्रसाद के रूप में दशहरे के दिन नींबू बांटा जाता है। इस मंदिर में तांत्रिक क्रिया के लिए कई तांत्रिक आते हैं। इन नौ दिनों में मां कालिका अपने भक्तों को अलग-अलग रूप में दर्शन देती हैं। तांत्रिकों की देवी कालिका के इस चमत्कारी मंदिर की प्राचीनता के विषय में कम ही लोग जानते हैं। माना जाता है कि इसकी स्थापना महाभारत काल में हुई थी, लेकिन मूर्ति सतयुग की बताई जाती है। गुप्त नवरात्रि में रोजाना तांत्रिकों का मेला इस मंदिर में लगता है। यहां खासकर मध्य प्रदेश, गुजरात, आसाम, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के तांत्रिक तंत्र क्रिया करने आते हैं।

कालिदास से जुडा है देवी हका इतिहास

मां गढ़कालिका महाकवि कालिदास की आराध्य देवी मानी जाती हैं। माता के आशीर्वाद से ही कालिदास ने कालजयी ग्रन्थों की रचना की थी। कालिदास रचित 'श्यामला दंडक' महाकाली स्तोत्र एक सुंदर रचना है। ऐसा कहा जाता है कि महाकवि के मुख से सबसे पहले यही स्तोत्र प्रकट हुआ था। उज्जैन में आयोजित होने वाले कालिदास समारोह में प्रतिवर्ष मां कालिका की आराधना की जाती है।

मंदिर को दीपमाला बनाती है खास

यह माता मंदिर में माता कालिका की प्रतिमा के साथ गर्भ गृह में ही मां महालक्ष्मी और मां महासरस्वती की भी प्रतिमा है। मंदिर के द्वार पर शुम्भ निशुम्भ द्वारपाल विराजमान हैं। मंदिर में कुल 230 दीपों के दो बड़े स्तंभ हैं, जिन्हें हर शाम संध्या आरती के दौरान प्रज्वलित किया जाता है। इन दीपों को आप भी प्रज्वलित करवा सकते हैं। उसके लिए आपको मंदिर समिति से संपर्क कर शासन द्वारा तय 500 रुपए शुल्क रसीद, 800रुपए घी व तेल का एक डिब्बा लेना होगा। दीप प्रज्वलन के लिए बुकिंग एक दिन पूर्व की जाती है।

कल है यह विशेष व्रत... बन रहा विशेष संयोग
पूजा-अर्चना करने से घर में आएगी सुख-समृद्धि!

जुलाई महीने की देवशयनी एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ बाबा श्याम की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। माना जाता है कि एकादशी का व्रत करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और पापों का नाश होता है। देवशयन एकादशी के साथ ही चातुर्मास की शुरुआत भी होती है जिससे मांगलिक कार्यों पर चार महीने की रोक लग जाती है।

6 जुलाई को मनाई जाएगी देवशयनी एकादशी। रात 9.14 बजे तक रहेगी तिथि

धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण ने बताया कि देवशयन एकादशी की तिथि 5 जुलाई को शाम 6 बजकर 58 मिनट से शुरू होकर 6 जुलाई रात 9 बजकर 14 मिनट तक रहेगी। व्रत का पारण 7 जुलाई को सुबह 5.29 बजे से 8.16 बजे तक किया जा सकेगा। इस दिन घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर में शुभता का प्रवेश होता है। इस एकादशी पर त्रिपुष्कर, शुभ, साध्य और रवि जैसे शुभ योग भी बनेंगे।

देवशयन एकादशी से शुरू होगा चातुर्मास

देवशयन एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत होती है। इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इस कारण से विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य इन चार महीनों तक वर्जित रहते हैं। चातुर्मास का समापन 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी के दिन होगा। इसके बाद फिर से शुभ कार्यों की शुरुआत होगी। नवंबर में 14 और दिसंबर में 11 विवाह के शुभ मुहूर्त रहेंगे।

चातुर्मास में व्रत और सेवा से मिलती है पुण्य की प्राप्ति

चातुर्मास के चार महीने धार्मिक साधना और सेवा के लिए श्रेष्ठ माने जाते हैं। धर्म विशेषज्ञ ने बताया कि इस अवधि में भगवान विष्णु शयन अवस्था में रहते हैं। इसलिए व्रत, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान और जरूरतमंदों की सेवा का महत्व बढ़ जाता है। इस दौरान किया गया पुण्य कर्म आने वाली पीढ़ियों तक सकारात्मक प्रभाव डालता है। चातुर्मास अध्यात्म और आत्मचिंतन का काल माना गया है।

शनि की साढ़ेसाती और दोषों से बचने
के लिए करें ये पांच आसान उपाय

कुंडली में शनि का स्थान विशेष महत्व रखता है। इसका सीधा प्रभाव व्यक्ति के निजी जीवन पर पड़ता है। यदि कुंडली में शनि की स्थिति कमजोर हो, तो जातक कर्ज, तनाव व सेहत से जुड़ी समस्याएं झेलता है।

ज्योतिष शास्त्र में शनि को न्यायाधीश का दर्जा प्राप्त है, क्योंकि वह न्याय करते हुए साधक को शुभ-अशुभ फल देते हैं। उन्हें कर्म, न्याय और अनुशासन का कारक ग्रह भी माना गया है। इसलिए कुंडली में शनि का स्थान विशेष महत्व रखता है। इसका सीधा प्रभाव व्यक्ति के निजी जीवन पर पड़ता है।

यदि कुंडली में शनि की स्थिति कमजोर हो, तो जातक कर्ज, तनाव व सेहत से जुड़ी समस्याएं झेलता है। इसके अलावा शिक्षा, करियर, बिजनेस और धन अर्जित करने में भी लगातार संघर्ष करना पड़ता है। इस दौरान शनि की साढ़ेसाती होने पर समय और भी कष्टकारी माना जाता है।

बता दें, शनि की साढ़ेसाती होने पर व्यक्ति आर्थिक, पारिवारिक, मानसिक और शारीरिक दिक्कतों को झेलता है। इसके चलते कार्य को पूरा करने में कठिनाई, असफल यात्राएं और व्यापार में धन हानि जैसी समस्याएं होने लगती हैं। लेकिन आप कुछ खास उपायों की सहायता से शनि की साढ़ेसाती और दोषों के प्रभाव को कम कर सकते हैं। आइए इसके बारे में जानते हैं।

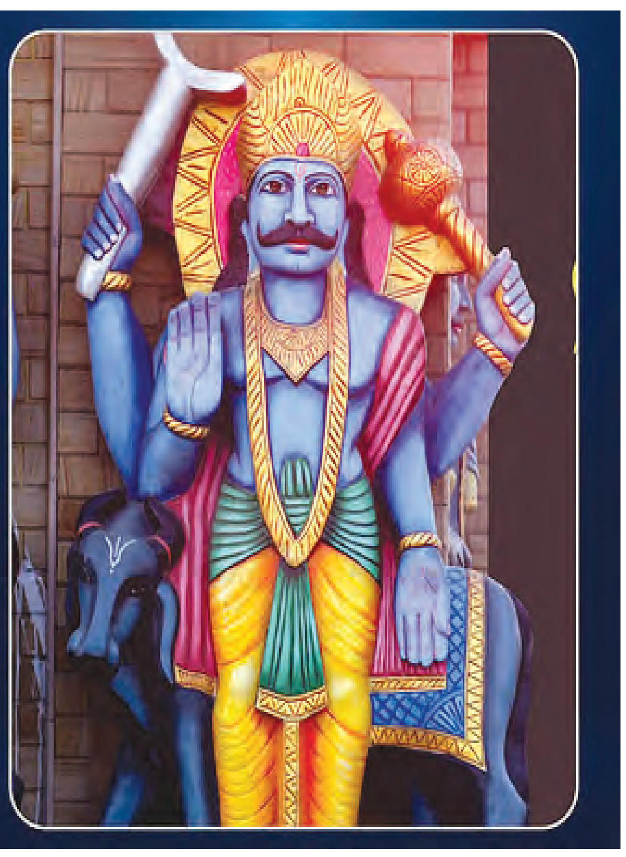

शनि महाराज की पूजा

शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव से बचने के लिए आप हर शनिवार को शनि महाराज की पूजा करें। इस दौरान जल में काले तिल मिलाकर पीपल के वृक्ष में अर्घ्य दें। इसके बाद शनि चालीसा का पाठ करें। अंत में पेड़ की परिक्रमा करते हुए शनि मंत्रों का उच्चारण करें। इससे शनि महाराज प्रसन्न होते हैं और काम में आ रही बाधाओं को दूर करते हैं।

तामसिक भोजन का सेवन न करें

शनिवार के दिन गलती से भी तामसिक भोजन का सेवन न करें। इसके अलावा महिला का अपमान, किसी से लड़ाई व कटु वचन बोलने से बचें। इसके प्रभाव से शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव कम होता है।

करें यह काम

ज्योतिषियों के मुताबिक शनिवार को एक रात पहले भीगे चने की दाल और हल्दी, लोहे का टुकड़ा व जला हुआ कोयला एक काले रंग के वस्त्र में बांध लें। इसके बाद इसको आप शनि मंत्र का स्मरण करते हुए उस जल में प्रवाहित करें। इससे तनाव, कर्ज, रोग और क्लेशों से मुक्ति मिलती हैं।

काली गाय की पूजा

शनिवार शनिदेव की पूजा के लिए सबसे शुभ दिन है। इसलिए इस दिन काली गाय की विधि-विधान से पूजा करें। गाय के माथे पर तिलक लगाएं। फिर लड्डू खिलाकर गाय की परिक्रमा करें। इससे साढ़ेसाती का प्रभाव कम होता है।

शिष्य के सामने लोग कर रहे थे गुरु की बुराई
गुरु ने हाथी का उदाहरण देकर शांत किया शिष्य का गुस्सा

हमारे आसपास कई लोग हैं, कुछ लोग हमारे साथ होते हैं, हमें प्रोत्साहित करते हैं, जबकि कुछ लोग केवल हमारी आलोचना करते हैं और हमें पीछे धकेलने की कोशिश करते हैं। ये लोग कभी खुलकर तो कभी पीठ पीछे हमारी बुराई करते हैं। ऐसे लोगों का सामना किस प्रकार करना चाहिए, ये एक लोक कथा से समझ सकते हैं...

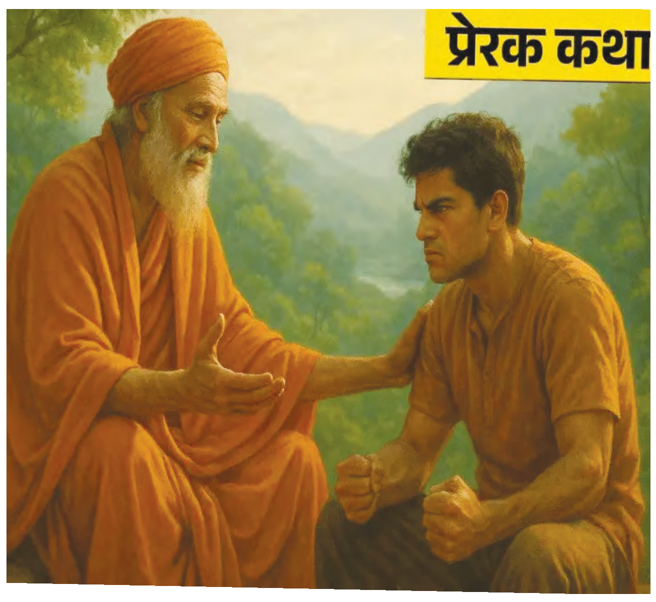

एक संत अपने शिष्य के साथ गांव-गांव भ्रमण करते थे। वे जहां भी जाते, लोग उनके प्रवचनों को ध्यान से सुनते और उनके विचारों से प्रभावित होते। एक बार वे एक ऐसे गांव पहुंचे जहां उनके ज्ञान और आचरण से लोग बहुत प्रभावित हुए। वे धीरे-धीरे प्रसिद्ध हो गए और दूर-दूर से लोग उन्हें सुनने आने लगे।

उसी गांव में एक पुजारी था, जिसे ये सब देखकर संत से ईर्ष्या होने लगी। उसे लगा कि संत की लोकप्रियता उसके प्रभाव को कम कर देगी। असुरक्षा की भावना में आकर उसने संत के खिलाफ दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। गांव में अफवाहें फैलने लगीं और कई लोग संत के बारे में गलत बातें करने लगे।

एक दिन शिष्य के सामने भी लोग उसके गुरु की बुराई करने लगे। शिष्य क्रोधित हो गया। वह तुरंत अपने गुरु के पास गया और बोला, "गुरुदेव! लोग आपके बारे में झूठी बातें फैला रहे हैं। आपको बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें कुछ करना चाहिए।"

संत मुस्कराए और बोले, "हमें दूसरों की नकारात्मक बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। हमें अपने काम में मन लगाना चाहिए।"

शिष्य का गुस्सा शांत नहीं हुआ। तब संत ने एक सुंदर उदाहरण दिया, जो जीवन की बड़ी सच्चाई बताता है:

संत ने कहा, जब हाथी किसी गांव में प्रवेश करता है तो सारे कुत्ते उसे देखकर भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी बिना रुके अपनी मस्त चाल में चलता रहता है। वह न रुकता है, न प्रतिक्रिया देता है।

संत बोले, "हमें भी ऐसे ही बनना चाहिए। जो लोग नकारात्मक बातें करते हैं, वे सिर्फ अपने मन की भड़ास निकालते हैं। लेकिन अगर हम उन्हें जवाब देने लगेंगे, तो अपनी ऊर्जा और समय व्यर्थ कर देंगे। हमारा उद्देश्य सिर्फ ईमानदारी से अपना कार्य करना होना चाहिए। हमारे कर्म ही हमारी पहचान बनाएंगे, और वही अंततः लोगों की सोच बदल देंगे।"

जीवन प्रबंधन के सूत्र

इस कथा से हमें जीवन प्रबंधन की महत्वपूर्ण सीख मिलती है- दूसरों की हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं है। अगर हम सही हैं तो समय ही उन लोगों को जवाब देता है।

जीवन में यदि हम सभी आलोचकों को जवाब देने लगें तो हम अपने मार्ग से भटक सकते हैं। नकारात्मकता को जवाब देकर हम उसमें उलझ जाते हैं और अपना मूल उद्देश्य भूल जाते हैं।

हमें धैर्य रखना चाहिए, आलोचना के समय शांत रहना ही ताकत है। अपने कार्य पर केंद्रित रहेंगे तो हम अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे। अपना लक्ष्य कभी न भूलें।

हमें अपने आचरण से दूसरों को जवाब देना चाहिए। लोग आपके काम की ईमानदारी देखकर खुद चुप हो जाएंगे।

ऊर्जा बचाएंगे तो काम में लाभ मिलेगा। हर बहस में कूदना जरूरी नहीं, अपनी ऊर्जा का सदुपयोग करेंगे तो काम में लाभ मिलने लगेगा।

ध्यान रखें, सच्ची सफलता वही है जो शांति, संयम और निरंतर ईमानदारी से मिलती है।

ज्योतिषी को अपना भविष्य
देखना क्यों मना है ?

एक सच्चा ज्योतिषी वह होता है जो खुद को माध्यम माने, निर्माता नहीं। वह दूसरों की राह दिखाए लेकिन अपनी राह पर अंधविश्वास न करे। इसलिए, शास्त्रों में यह निर्देश दिया गया है कि एक ज्योतिषी को कभी भी अपना भविष्य नहीं देखना चाहिए। यह न सिर्फ उसके लिए बल्कि उस विद्या के लिए भी सम्मान की बात है, जो उसे दूसरों के जीवन को रोशनी देने का अवसर देती है ज्योतिष, भारत की सबसे पुरानी और रहस्यमयी विद्या मानी जाती है।

इस विषय पर जब हम पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा की राय लेते हैं तो वह बताते हैं कि यह नियम सिर्फ आस्था से नहीं बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन से भी जुड़ा है।

जब भावना तर्क पर हावी हो जाए

जब कोई व्यक्ति खुद का भविष्य देखने बैठता है, तो उसके मन में पहले से कई भावनाएं होती हैं डर, उम्मीद, लालच या कोई अधूरी चाहत, ये सभी चीजें उस निष्पक्ष नजरिए को खत्म कर देती हैं, जो एक अच्छे ज्योतिषी के लिए सबसे जरूरी है, अगर भविष्य की झलक अच्छी न हो, तो वह डर सकता है, और अगर बहुत अच्छी हो तो अहंकार में भी आ सकता है। दोनों ही स्थितियां उसका संतुलन बिगाड़ सकती है।

कर्मों की राह में रुकावट

हिंदू दर्शन में कर्म को सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। माना जाता है कि हर व्यक्ति को अपने कर्मों के अनुसार फल मिलता है, अगर एक ज्योतिषी पहले से जान जाए कि भविष्य में उसे क्या मिलने वाला है, तो वह अपने कर्मों को बदलने की कोशिश कर सकता है। यह कदम उसे उसके भाग्य से दूर कर सकता है, जिससे जीवन का प्राकृतिक प्रवाह रुक सकता है।

3। मानसिक अशांति का कारण

जब किसी को यह पता चल जाए कि उसके साथ क्या होने वाला है, तो वह उसी चिंता में जीने लगता है, अगर आने वाला समय कठिन है, तो वह डर में रहेगा, और अगर अच्छा है तो बेचैन। दोनों ही हालातों में उसका मन कभी शांत नहीं रहेगा। एक ज्योतिषी के लिए जरूरी है कि वह संतुलित रहे ताकि दूसरों की मदद कर सके।

श्रद्धा का ह्रास

ज्योतिष सिर्फ गणित नहीं, वह ईश्वरीय कृपा का एक रूप है। यह एक साधना है जो विनम्रता और समर्पण से जुड़ी है। जब कोई व्यक्ति अपनी ही राह को देखने लगता है, तो वह उस श्रद्धा और आस्था से दूर हो जाता है, जो इस विद्या को शक्ति देती है। कहा जाता है कि जब कोई ज्योतिषी अपनी कुंडली स्वयं पढ़ने की कोशिश करता है, तो उसकी शक्ति उसी पल क्षीण हो जाती है।

कैंची धाम के साथ इन मंदिरों में भी करें बाबा नीम करौली महाराज के दर्शन

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित कैंची धाम बाबा नीम करौली महाराज का प्रमुख आश्रम है, जो हर साल लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनता जा रहा है। उत्तराखंड के कई अन्य हिस्सों में भी बाबा के पावन धाम स्थित हैं। इन मंदिरों में भी बाबा के भक्त उन्हें उतनी ही श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजते हैं।

उत्तराखंड में नैनीताल जिले में कैंची धाम बाबा नीम करौली महाराज का सबसे प्रमुख और प्रसिद्ध आश्रम है। हर साल 15 जून को यहां मंदिर के स्थापना दिवस के मौके पर विशाल भंडारा होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु बाबा का प्रसाद पाते हैं। यह जगह आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। बाबा के चमत्कारों के चलते काफी लोकप्रिय होता जा रहा है। यहां मार्क जुकरबर्ग, स्टीव जॉब्स, विराट कोहली समेत कई नामी हस्तियां पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त कर चुकी हैं। नैनीताल-अल्मोड़ा मोटरमार्ग पर उत्तरवाहिनी शिप्रा नदी के किनारे स्थित बाबा के इस आश्रम का शांत और आध्यात्मिक वातावरण हर भक्त के मन को सुकून देता है।

उत्तराखंड के नैनीताल में हनुमान जी का एक प्रसिद्ध मंदिर है, जो नैनीताल शहर से लगभग 2 किमी की दूरी पर स्थित है। जिसे हनुमानगढ़ी के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण बाबा नीम करौली ने करवाया था। महाराज साल 1950 में इस जगह पर आए थे। बाबा ने यहां पर छोटे हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना की और साल 1953 में बाबा ने मंदिर में बड़े हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की। जिसके बाद नीम करौली बाबा ने 1955 में यहां राम मंदिर और 1956 से 1957 के बीच हनुमान गढ़ी धाम में शिव जी का मंदिर भी बनवाया।

नैनीताल से लगभग 12 किमी दूर भवाली ज्योलिकोट राष्ट्रीय राजमार्ग में भूमियाधार नामक जगह पर बाबा नीम करौली का दूसरा आश्रम स्थित है। इस आश्रम का निर्माण महाराज जी ने करवाया था। महराज जी अक्सर इस जगह आया करते थे और अपनी लीला दिखाकर लोगों को अचंभित कर देते। जगह जगह सड़क के किनारे बैठकर महाराज कीर्तन भजन किया करते थे। लोगों की काफी भीड़ यहां लग जाती थी। स्थानीय दुकानदार द्वारा अपनी दुकान और स्थानीय लोगों द्वारा अपनी जमीन का कुछ हिस्सा आश्रम के लिए दान में दे दिया गया था। उसके बाद यहां बाबा जी ने भव्य आश्रम और हनुमान मंदिर का निर्माण करवाया था।

भवाली से अल्मोड़ा की तरफ जाते समय लगभग 30 किमी की दूरी पर काकड़ीघाट आश्रम पड़ता है। यह आश्रम शिव का अवतार रहे महान संत सोमवारी महाराज की तपोस्थली रहा है। यहां सोमवारी महाराज की धूनी भी मौजूद है। इसके साथ ही यहां बाबा द्वारा स्थापित प्राचीन शिवलिंग भी स्थित है। नीम करौली बाबा की सोमवारी बाबा पर असीम आस्था थी। बाबा इस स्थान पर आए और भव्य मंदिर और आश्रम का निर्माण करवाया। बाबा यहां कई भंडारों, और भजन कीर्तन का आयोजन करते थे। अपनी कैची धाम यात्रा के दौरान भारतीय स्टार क्रिकेटर विराट कोहली भी यहां आकर नीम करौली बाबा के दर्शन कर चुके हैं। यह स्थान सन्तों की तपोस्थली रहा है।

उत्तराखंड के ऋषिकेश में भी बाबा नीम करौली का आश्रम स्थित है। साल 1973 में बाबाजी की महासमाधि के बाद उनके शिष्यों श्री सिद्धि मां और जीवंती मां ने आश्रम के निर्माण में सहयोग किया। जो उत्तराखंड के वीरभद्र ऋषिकेश में लगभग 5 एकड़ के इलाके में फैला हुआ है। आश्रम की स्थापना का श्रेय बाबा नीम करौली को जाता है।

जय भानुशाली संग तलाक की अफवाहों पर भड़की पत्नी माही विज

टीवी इंडस्ट्री के फेमस कपल माही विज और जय भानुशाली की शादी 2011 में हुई थी.लेकिन पिछले कुछ समय से इन दोनों के तलाक की अफवाहें लगातार चर्चा में बनी हुई हैं.अब माही विज ने इन अफवाहों पर खुलकर बात की है और करारा जवाब भी दिया है.

जय भानुशाली और माही विज टीवी की दुनिया में मोस्ट पॉपुलर कपल्स में से एक हैं. कपल की लव स्टोरी के ऑडियंस मिसाल देते हैं. लेकिन कुछ समय से खबरें आम हो रही हैं कि अब दोनों अलग होने वाले हैं. लेकिन एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है.

हाल ही में माही ने कहा, 'अगर ऐसा है भी, तो मैं तुम्हें क्यों बताऊं? क्या तुम मेरे चाचा हो? क्या तुम मेरे वकील की फीस दोगे? लोग किसी के तलाक या अलग होने को इतना बड़ा मुद्दा क्यों बना देते हैं? मैं अपने कमेंट सेक्शन में पढ़ती हूं, 'माही तो ठीक है, जय ऐसा है' फिर कोई और लिखता है, 'जय अच्छा है, माही ही वैसी है'. सब बस किसी एक को दोष देना चाहते हैं. क्या तुम सच जानते हो? तुम्हें क्या पता?'

जीयो और जीने दो

अपनी बात रखते हुए माही ने ये भी कहा, 'यहां लोग सिंगल मां या तलाकशुदा औरतों को अलग नजर से देखते हैं. उन्हें लगता है अब तो बड़ा ड्रामा होगा, एक-दूसरे पर कीचड़ उछाली जाएगी. समाज का बहुत दबाव होता है. लेकिन मेरा मानना है कि सबको अपनी जिंदगी जीने दो, और खुद भी चैन से जियो.हाल ही में माही ने ये भी बताया कि वो और जय पैरेंटिंग को लेकर एक जैसे विचार नहीं रखते थे. माही शादी के शुरुआती दिनों में ही मां बनना चाहती थीं और उन्होंने IVF प्रोसेस भी शुरू कर दिया था. लेकिन जय इसके लिए तैयार नहीं थे और उन्हें थोड़ा समय चाहिए था.

काम की बात करें तो माही विज ने लागी तुझसे लगन में नकुशा का किरदार निभाकर लोगों का दिल जीता था. इसके बाद वो बालिका वधू में भी नजर आईं. साथ ही खतरों के खिलाड़ी,

झलक दिखला जा और नच बलिए जैसे पॉपुलर रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया. जय और माही ने मिलकर नच बलिए 5 भी जीता था. फिलहाल माही एक्टिंग से ब्रेक पर हैं, लेकिन कभी-कभी रियलिटी शोज में गेस्ट अपीयरेंस देती हैं.

पोक्सो एक्ट के तहत यौन शोषण आरोपी के संग काम करने पर नयनतारा ट्रोल, पति विग्नेश शिवन भी घिरे

पैन इंडिया एक्ट्रेस नयनतारा और उनके डायरेक्टर पति विग्नेश शिवन सोशल मीडिया पर ट्रोल रहे हो. कोरियोग्राफर जानी मास्टर के साथ काम करने के लिए नयन और विग्नेश को ट्रोल किया जा रहा है. जानी मास्टर पर पोक्सो एक्ट के तहत यौन शोषण का मामला दर्ज है. विग्नेश ने हाल में अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' में

जानी मास्टर के साथ काम करने का अनाउंसमेंट किया था. उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी थी. इसके बाद विवाद खड़ा हो गया है.

जानी मास्टर ने भी 1 जुलाई को फिल्म के सेट से विग्नेश शिवन के साथ एक फोटो और एक बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट किया. इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "प्रिय विग्नेश शिवन सर के साथ सेट पर कैंडिड और क्रेजी होते हुए. आपने मेरी केयर की, रिस्पेक्ट थी और विश्वास दिखाया. हमेशा आपके साथ काम करना खुशी की बात है, सर. हमने जो जादू बनाया है उसे दिखाने का इंतजार नहीं कर सकता."

जानी मास्टर का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गया. लोगों विग्नेश शिवन और नयनतारा पर भड़क गए. कई यूजर्स ने इस कपल के फैसले पर सवाल उठाए कि वे गंभीर अपराध आरोपी व्यक्ति के साथ काम क्यों कर रहे हैं, कुछ लोगों ने उन्हें यौन अपराधी को मंच देने का आरोप लगाया. फिल्म को नयनतारा प्रोड्यूस कर रही है. इसलिए उन्हें भी ट्रोल किया जा रहा है.

सिंगर चिन्मयी श्रीपदा का एक्स पोस्ट.

सिंगर चिन्मयी श्रीपदा ने एक्स पर लिखा, "जानी एक नाबालिग के यौन शोषण के मामले में सशर्त जमानत पर बाहर है. हम लोग 'प्रतिभाशाली' अपराधियों को पसंद करते हैं और उन्हें बढ़ावा देते रहते हैं और उन्हें सत्ता की स्थिति में रखते हैं, जिसका उपयोग अपराधी महिलाओं को और अधिक परेशान करने के लिए करते हैं – "देखो मुझे कुछ नहीं होगा." यह बस हमारी आदत है. स्वीट !"

नयनतारा और विग्नेश शिवन का डबल स्टैंडर्ड

एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, "नयन ने खुद को अपने दम पर स्टारडम हासिल करने वाली महिला कहा है. वह स्ट्रगल को जानती हैं. फिर भी वह अपने पति के साथ काम करने वाले पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी व्यक्ति का सपोर्ट करने में खुश हैं. यह दोहरे मापदंड क्यों?" एक अन्य यूजर ने लिखा, "यह खबर नहीं है कि विग्नेश शिवन और नयन आरोपी का सपोर्ट करते हैं. आप सभी हैरान क्यों हैं?"

जानी मास्टर पर नाबालिग अस्सिटेंट का यौन शोषण का आरोप

बता दें, जानी मास्टर से जुड़ा ये विवाद सितंबर 2024 का है. जानी मास्टर ने कथित तौर पर एक जूनियर असिस्टेंट के साथ यौन शोषण की बात कबूल की थी जब वह नाबालिग थी. उन्हें पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था और बाद में सशर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया था.

'भोजपुरी क्वीन' और 'भोजपुरी शेरनी' कही जाने वाले अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. इन दिनों वो अपना नया गाना 'सईयां जी प्रधान' को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं. सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और रील्स के साथ फैंस को एंटरटेन करने वाली अक्षरा ने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है, जिसको देखने के बाद उनके नेटिजंस सवाल कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि आखिर अब किस पर अक्षरा निशाना साध रही हैं.

अक्षरा सिंह बेबाक भोजपुरी एक्ट्रेस हैं, जो अपनी बात कहने से गुरेज नहीं करती. अब मन के सवालों को कई बार वो सोशल मीडिया के जरिए बयां करती हैं. हाल ही में उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने जेंडर भेदभाव और मेल ईगो को लेकर बात की है.

एक्ट्रेस ने पोस्ट में अपनी तस्वीर के साथ लिखा- 'जब वो चुप हो जाए तो समझ जाओ तुम गलत हो और जब तुम चुप हो जाओ, तब भी तुम ही गलत हो, क्योंकि लॉजिक नहीं, यहां जेंडर चलता है. मेल ईगो मेल ईगो...बित्ता भर से लेकर सत्तर तक, जहां जाओ वहां पाओ. भातिं-भांति के ईगो कोई माने ना माने पर ये फैक्ट है'. इस पोस्ट से साफ है कि एक्ट्रेस कहना चाह रही हैं कि गलती किसी की भी चुप लड़कियों को ही रहना पड़ता है.

अक्षरा का ये पोस्ट अब काफी वायरल हो रही है. कोई इसे फिल्म इंडस्ट्री से जोड़कर देख रहा है तो कोई उनके डेटिंग लाइफ से इसे जोड़ रहा है.

आपको बता दें कि अक्षरा अपने नए गाने 'सईयां जी प्रधान' के साथ अपनी फिल्म 'रुद्र-शक्ति' को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर भी जारी हो चुका है. इस फिल्म में अक्षरा सिंह एक्टर विक्रांत सिंह के साथ

मां-बाप के तलाक के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला कपूर

फिल्म निर्माता बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी अंशुला कपूर ने हाल ही में अपने बचपन के बारे में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कुबूल किया कि एक समय उन्हें लगता था कि उनके माता-पिता के अलग होने के लिए वह ही जिम्मेदार थीं। पिंकविला के साथ बातचीत में अंशुला ने बताया कि कैसे एक बच्चे के रूप में, उन्होंने अपने परिवार के टूटने के लिए खुद को दोषी ठहराया।

खुद को अच्छी बेटी नहीं मानती थीं अंशुला

अंशुला ने बताया 'जब मैं छह साल की थी तब मुझे लगता था कि उनकी जिंदगी बहुत अच्छी चल रही थी। अचानक जब मैं उनकी जिंदगी में आई तो मुझे लगा कि मेरे आने के बाद वह एक साथ नहीं रह सकते। मुझे लगा कि मैं शायद अच्छी बेटी नहीं हूं। मुझे लगता है कि यह बात जान्हवी कपूर के जन्म के बाद और ज्यादा साफ हो गई। मुझे पता है कि यह

अजीब है क्योंकि मुझे लगा कि शायद मेरे साथ कुछ दिक्कत है।'

बचपन में पड़ा बुरा प्रभाव

हालांकि अंशुला के माता-पिता ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनका तलाक उनकी गलती नहीं थी, लेकिन अंशुला कपूर ने बताया कि बचपन में इस बात से निकलना मुश्किल था। उन्होंने कहा 'मैं अब इस पर यकीन नहीं करती। लेकिन मैं उस वक्त एक बच्ची थी। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि क्या गलत हुआ और सोच रही थी कि शायद मैं ही गलत थी। आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि किसी पर मनोवैज्ञानिक तौर से क्या प्रभाव पड़ता है।'

माता पिता की शादी

आपको बता दें बोनी कपूर ने 1983 में मोना शौरी से शादी की और उनके दो बच्चे अर्जुन और अंशुला कपूर हैं। 1996 में वे अलग हो गए और उसी साल बोनी ने अभिनेत्री श्रीदेवी से शादी कर ली। 1997 में जान्हवी कपूर का जन्म हुआ, उसके बाद खुशी कपूर का जन्म हुआ।

अंशुला के बारे में

हाल ही में अंशुला अमेजन प्राइम वीडियो के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में दिखाई दीं। आज ही उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ सगाई की है।

सलमान खान ने शेयर किया एक पोस्ट बैकग्राउंड में रखी एक तस्वीर से मची हलचल

दिग्गज अभिनेता सलमान खान की एक झलक पाने के लिए उनके फैंस बेताब रहते हैं। अब अभिनेता ने आज शुक्रवार की सुबह एक पोस्ट शेयर कर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। इसमें अभिनेता ने एक संदेश लिखा है, जो चर्चा का विषय बन गया है। चलिए देखें अभिनेता ने क्या पोस्ट किया।

सलमान खान की तस्वीर ने खींचा सबका ध्यान

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान ने शुक्रवार सुबह 1 बजकर 11 मिनट पर एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें अभिनेता कैमरे की तरफ देखते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेता नीली टी-शर्ट पहने

दिख रहे हैं और उनके पीछे टेबल पर अभिनेता का पोस्टर भी रखा हुआ है, जो पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा है।

मेहनत पर है विश्वास

इस ट्वीट को करते हुए सलमान खान ने लिखा, 'मेहनत करो सही दिशा में। उन्हीं पर वो मेहरबान और बनाएगा उन्हींको उनके हुनर का पहलवान। अंग्रेजी में आप अनुवाद कर सकते हैं।'

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

इस ट्वीट के आते ही कि नेटिजंस की प्रतक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा की अभिनेता की आगामी फिल्म गलवान का पोस्टर। वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि वो सलमान खान के विचार से सहमत हैं कि मेहनत से सफलता जरूर मिलती है। इसके अलावा और यूजर ने कहा कि वाह, भाईजान का पोस्टर आग नहीं जलवा है।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान को आखिरी बार 'सिकंदर' फिल्म में देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। अब अभिनेता की आगामी फिल्म गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित होगी, जिसमें वह एक आर्मी ऑफिसर के रोल में होंगे। इस फिल्म के आधिकारिक पुष्टि का फैंस को इंतजार है।

न नागा चैतन्य, न राज निदिमोरु, किसके साथ टॉक्सिक रिलेशनशिप से परेशान थीं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु ने नागा चैतन्य से शादी के 4 साल बाद तलाक लिया. पिछले कई महीनों से उनका नाम राज निदिमोरु के साथ जुड़ रहा है. अब सामंथा ने टॉक्सिक रिलेशनशिप के बारे में बात की है. सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों कथित तौर पर द फैमिली मैन के डायरेक्टर राज निदिमोरु को डेट कर रही हैं. दोनों अक्सर साथ में दिखाई देते हैं. नागा चैतन्य से तलाक के बाद सामंथा अपनी लाइफ को अकेले एन्जॉय कर रही हैं, जबकि नागा ने एक्ट्रेस शोभिता धुलीपाला के सात पिछले साल दिसंबर में शादी की. सामंथा ने राज के साथ कथित रिलेशनशिफ की अफवाहों के बीच टॉक्सिक रिलेशनशिप के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि एक वक्त था वह अपने मोबाइल फोन से परेशान से थीं. उन्हें मोबाइल का साथ टॉक्सिक रिलेशनशिप की तरह लगने लगा था.

सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह अपने मोबाइल फोन की आदी हो गई थीं, तो उन्हें एक टॉक्सिक रिलेशनशिप जैसा महसूस होता था. वह फोन में इतनी डूबी हुई थीं कि उनकी रूटीन लाइफ बहुत ज्यादा खराब हो गई थी.

सामंथा ने अपने हेल्थ पॉडकास्ट में कहा, "मैंने अपनी जिंदगी में कई बदलाव किए थे, और मैं अपने बनाए रूटीन से काफी खुश थी.

एक चीज जिसे मैं कंट्रोल नहीं कर पा रही थी, वह थी... फोन चलाना, यह रिलेशनशिप मेरे फोन के साथ, जिसे मैं फिर से सवाल करने लगी थी, और यह झूठी अहमियत कि 'यह मेरा काम है और इसे करना ही है'."

3 दिन के लिए साइलेंट रिट्रीट पर गईं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु ने बताया कि उन्होंने अपने फोन की आदत से छुटकारा पाने के लिए तीन दिन का डिजिटल डिटॉक्स किया.

उन्होंने कहा, "तो मैं 3 दिन के लिए एक साइलेंट रिट्रीट पर गई, बिना फोन के, बिना किसी कम्युनिकेशन के, बिना आई कॉन्टैक्टके, बिना पढ़ने के, बिना लिखने के, बिना किसी प्रकार की एक्साइटमेंट के. आपका दिमाग बस शांत हो जाता है."

सामंथा की वेब सीरीज-फिल्में

बात करें वर्कफ्रंट की, तो सामंथा को आखिरी बार वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में वरुण धवन के साथ देखा गया. सीरीज को ऑडियंस से मिला-जुला रिस्पांस मिला. कहानी अभी खत्म नहीं हुई. ऑडियंस को इसके दूसरे सीजन की उम्मीद थी, लेकिन एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि इसका दूसरा नहीं आएगा. इसके अलावा, सामंथा के प्रोडक्शन हाउस ट्रालाला के तहत बनी पहली फिल्म 'सुभम' रिलीज हुई. इसमें सामंथा ने छोटा लेकिन अहम रोल निभाया है.

पाकिस्तान का चीनी हथियारों से टूटा भरोसा

भारत ने की पिटाई तो अमेरिका की गोद में बैठा, एयरफोर्स चीफ ने मांगा एयर डिफेंस, एफ-16 जेट

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर के बाद, देश के वायुसेना प्रमुख जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया है, जो दोनों देशों के बीच फिर से सुधरते संबंधों का संकेत है। अधिकारियों ने बताया है कि सिद्धू की यात्रा का मकसदस मुनीर की अमेरिका यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना था। पिछले 10 सालों के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि पाकिस्तान वायु सेना के किसी प्रमुख ने अमेरिका की यात्रा की हो। पाकिस्तान वायुसेना ने बुधवार को एक बयान में कहा है कि यह उच्च स्तरीय यात्रा पाकिस्तान-अमेरिका रक्षा साझेदारी में एक रणनीतिक मील का पत्थर है। यह यात्रा प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करने के साथ-साथ संस्थागत संबंधों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बयान में पाकिस्तान एयरफोर्स के चीफ सिद्धू के यात्रा कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई है, जिसमें अमेरिका के शीर्ष सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकों का जिक्र किया गया है। पेंटागन की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिकी वायु सेना के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सचिव केली एल. सेबोल्ट और वायु सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन से मुलाकात की। पीएएफ के बयान के मुताबिक दोनों पक्ष द्विपक्षीय सैन्य सहयोग, आपसी मामलों, संयुक्त प्रशिक्षण और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए रास्ते बनाने पर सहमत हुए।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के चीनी एयर डिफेंस सिस्टम, रडार सिस्टम और कई लड़ाकू विमानों को तबाह कर दिया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा है कि जब भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल दागी तो पाकिस्तान के पास सोचने के लिए सिर्फ 30 से 35 सेकंड का वक्त था। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान कथित तौर पर अमेरिका से एफ-16 ब्लॉक 70 लड़ाकू जेट, एयर डिफेंस सिस्टम और हिमार्स तोपखाने जैसे एडवांस अमेरिकी प्लेटफॉर्म हासिल करने में दिलचस्पी रखता है। अगर ये सच है तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान का चीन के ऊपर से भरोसा उठ गया है। 30 मई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव में पाकिस्तान के हथियार कितने असरदार रहे, इसपर कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया।

इसके अलावा भारत ने चीनी पीएल-15 मिसाइल को इंटरसेप्ट कर लिया है और एक मिसाइल जो भारत ने बरामद किया है, वो खराब नहीं हुआ है। चीन को डर है कि अब भारत इस मिसाइस की सारी टेक्नोलॉजी जान जाएगा। जब पाकिस्तान के चीनी हथियारों के परफॉर्मेंस पर और जोर दिया गया, तो चीनी रक्षा अधिकारी ने बस इतना ही कहा: पाकिस्तान को चीन की एयर डिफेंस और सैटेलाइल सिस्टम से सहायता मिली, लेकिन इन प्रणालियों का प्रदर्शन औसत से कम था। उन्होंने कहा, हम इस बात पर जोर देना चाहेंगे कि भारत और पाकिस्तान ऐसे पड़ोसी हैं जिन्हें हिलाया नहीं जा सकता। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष स्थिति को और जटिल होने से बचाने के लिए शांत और संयमित रहेंगे।

इटली की राजधानी रोम के गैस डिपो में भीषण ब्लास्ट

21 घायल, आसमान में धुएं का गुबार छाया, 300 मीटर दूर तक मलबा बिखरा

रोम, 4 जुलाई (एजेंसियां)। इटली की राजधानी रोम के एक पेट्रोल स्टेशन और गैस डिपो में भीषण ब्लास्ट हुआ है। हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं। ब्लास्ट के बाद आग का एक बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। यह ब्लास्ट स्थानीय समयानुसार लगभग सुबह 8 बजे हुआ। ब्लास्ट के बाद घटनास्थल से 300 मीटर दूर तक मलबा बिखर गया।

यूके मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक यहां एक के बाद एक दो ब्लास्ट हुए हैं। पहले विस्फोट से पहले गैस की गंध आ रही थी। इसके बाद दूसरा ब्लास्ट हुआ और आग का एक बड़ा गोला आसमान में छा गया।

ब्लास्ट के बाद लोगों को घरों से निकाला गया है। इसके अलावा सभी वाहन चालकों को भी हटाया गया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने रोम के मेयर से बात की हैं। घटना स्थल के पास ही एक स्कूल था। हादसे के बाद 15 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

खूंखार हंसी, अजीब धमकियां

भारतीय मूल का शख्स जब फ्लाइट में को-पैसेंजर का दबाने लगा गला, अमेरिका में अरेस्ट

वॉशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में फ्लाइट के दौरान हैरान करने वाली घटना हुआ, जब एक शख्स ने अपने सहयात्री पर हमला बोल दिया। फ्लाइट के अंदर मारपीट करने के मामले में एक भारतीय मूल व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। घटना फिलाडेल्फिया से मियामी जाने वाली फ्लाइट के दौरान 30 जून को हुई, जिसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में 21 साल के ईशान शर्मा और कीनू इवांस लड़ाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दोनों यात्री एक दूसरे की गर्दन पकड़ने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरे यात्री उन्हें ऐसा करने से रोक रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इवांस ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि वह फ्लाइट के दौरान अपनी सीट पर बैठा हुआ था, इसी दौरान बिना किसी उकसावे के कथित तौर पर शर्मा ने पास आकर उसकी गर्दन पकड़ ली। इवांस ने 7 न्यूज को बताया कि ईशान शर्मा उनके एक सीट आगे बैठा था और लगातार उन्हें मारने की धमकियां दे रहा था। इवांस ने कहा कि वह

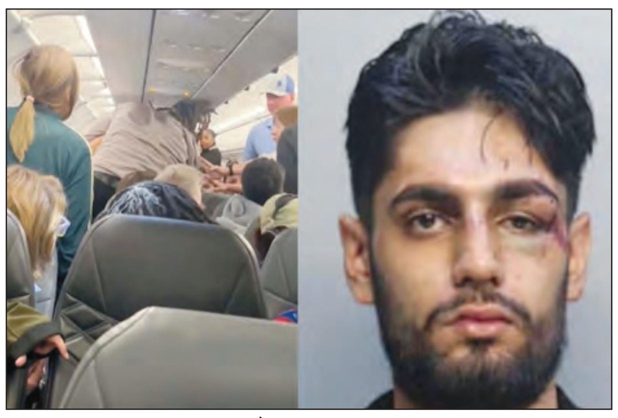

अजीब सी हंसी हंस रहा था, जैसे- हा हा हा हा हा। वह कह रहा था कि 'अरे नश्वर इंसान, अगर मुझे चुनौती दी तो इसका अंजाम तेरी मौत होगी।' उन्होंने फ्लाइट अटेंडेंट से इसकी शिकायत की, जिसके बाद उन्हें कहा गया कि दोबारा ऐसा होने पर हेल्प का बटन दबा दें।

कुछ ही देर बाद दोबारा ईशान ने जान से मारने की धमकी दी तो इवांस ने बटन दबा दिया। इसके बाद स्थिति बिगड़ गई। इवांस ने बताया कि शर्मा 'मुझे बहुत गुस्से से देख रहा था और फिर उसने मेरा गला पकड़ लिया और घोंटना शुरू कर दिया। मैं विमान में एक तंग, सीमित जगह में था, जहां बस अपना बचाव कर सकता था।

फ्लाइट लैंड होते ही हवाई जहाज के स्टाफ ने अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद शर्मा तो तत्काल हिरासत में ले लिया गया। उसके ऊपर मारपीट का आरोप लगाया गया। मंगलवार को अदालत में पेश होने के दौरान शर्मा के वकील ने दावा किया कि यह घटना इसलिए शुरू हुई, क्योंकि वह ध्यान कर रहा है। वकील ने कोर्ट को बताया, मेरा मुवक्किल उस धर्म से है, जहां वह ध्यान कर रहा था। दुर्भाग्य से उनके पीछे बैठे यात्री को यह पसंद नहीं आया।

केरल से एफ-35बी विमान को खोलकर सी-17 ग्लोबमास्टर से कैसे एयरलिफ्ट करेगा ब्रिटेन?

घर वापसी बनी सिरदर्द, कई साल लगेंगे

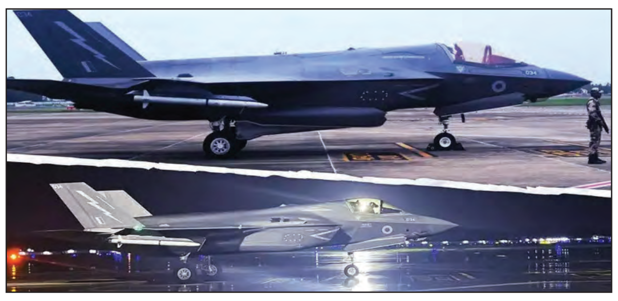

लंदन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के केरल में पिछले 21 दिनों से ब्रिटेन का अत्याधुनिक एफ-35बी लड़ाकू विमान फंसा हुआ है। ये लड़ाकू विमान यूके की रॉयल नेवी का हिस्सा है। इस लड़ाकू विमान ने केरल में तब आपात लैंडिंग की थी, जब बताया गया कि इसमें कुछ दिक्कतें आ गईं। उसके बाद से ब्रिटिश इंजीनियरों ने इसे ठीक करने की कई कोशिशें की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम साबित हुई। जिसके बाद अब ब्रिटेन इसे सी-17 ग्लोब मास्टर एयरक्राफ्ट के जरिये वापस ले जाने की योजना बना रहा है। लेकिन अमेरिका में बने इस ब्रिटिश लड़ाकू विमान की 'घर वापसी' उतनी आसान नहीं है। ब्रिटेन के लिए ये प्रक्रिया बहुत बड़ा सिरदर्द बन गई है।

कई रिपोर्ट में कहा गया है कि हाइड्रोलिक सिस्टम फेल होने के बाद ये लड़ाकू विमान भारतीय हवाई अड्डे पर उतरने के लिए मजबूर हो गया था। भारतीय वायुसेना की तरफ से एक ट्वीट में कहा गया था कि 'भारतीय वायुसेना के आइए सिस्टम ने इसे इंटरसेप्ट कर लिया और फिर इसकी लैंडिंग की मंजूरी दी गई।' लेकिन ब्रिटेन की संसद तक में सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या भारत इस लड़ाकू विमान की टेक्नोलॉजी तो नहीं चुरा लेगा? लिहाजा अब इसे जल्दी से जल्दी वापस ले जाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने की बात चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सी-17 ग्लोब मास्टर से इसे ले जाने की चर्चा है। लेकिन सवाल ये हैं कि क्या इसमें कई साल लगेंगे, क्योंकि पहले ऐसा हो चुका है।

एफ-35बी सिर्फ एक फाइटर जेट नहीं है, यह 21वीं सदी की सबसे एडवांस, सबसे महंगी और सबसे गोपनीय सैन्य तकनीक है।

म्यांमार में चीन को झटके पर झटका

विद्रोहियों ने मार गिराया सेना का 'मेड इन चाइना' फाइटर जेट, ड्रैगन की खुली पोल

रंगून, 4 जुलाई (एजेंसियां)। म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध के बीच चीन को बड़ा झटका लगा है। म्यांमार के विद्रोहियों ने चीन में बने जुंटा सेना के एक फाइटर जेट को मार गिराया है। भारत के पड़ोसियों को हथियारों से पाट रहे चीन के बनाए एफटीसी-2000G फाइटर जेट को करेन्नी विद्रोही दल ने मंगलवार को कायाह राज्य के हप्सांग कस्बे में मार गिराया। करेन्नी सेना केएनडीएफ ने इस फाइटर जेट के मलबे को भी दुनिया को दिखाया है। इस चीनी फाइटर जेट के मलबे को बागो इलाके में स्थित एक गांव में पाया गया है। बताया जा रहा है कि विद्रोही सेना जुंटा सेना की बटालियन 134 और 135 के मुख्यालय पर हमले कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने इस फाइटर जेट को मार गिराया।

म्यांमार की सेना इस चीनी फाइटर जेट की मदद अपने मुख्यालय को बचाने की कोशिश कर रही थी। इस बीच वद्रिोहियों ने उसे मार गिराया। केएनडीएफ के डेप्युटी कमांडर मौई ने इस फाइटर जेट को मार गिराने का वीडियो और फोटो शेयर किया है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि विद्रोहियों की सेना कह रही है कि कारेन्नी राज्य में यह संभव हो गया है। करेन्नी सेना को धन्यवाद। म्यांमार की सेना ने इस बात की पुष्टि की है कि उसका एक फाइटर जेट राजधानी से 130 किमी दूरी लापता हो गया है। उसने दावा किया कि यह तकनीकी गड़बड़ी या खराब मौसम की वजह से हुआ है। म्यांमार की सेना ने कहा है कि वह राहत और बचाव अभियान चला रही है।

कमांडर मौई ने कहा कि जुंटा सेना सभी तरह के फाइटर जेट की मदद से हमारे ऊपर हमले कर रही है। यह उनमें से एक हो सकता है। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि मंगलवार को म्यांमार के दो सैन्य एयरबेस से 4 फाइटर जेट और एक ट्रांसपोर्ट विमान ने उड़ान भरी थी।

जापान के इस द्वीप पर 2 हफ्तों में आए 1000 से ज्यादा भूकंप

टोक्यो, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिणी जापान के टोकारा द्वीप पर पिछले कुछ दिनों से होने वाली हलचल के चलते जापानी किसी बड़ी अनहोनी की आशंका से डरे हुए हैं। आम तौर पर शांत रहने वाले इस द्वीप की धरती पिछले दो सप्ताह से कांप रही है। 21 जून से अब तक इस द्वीप समूह में 1000 से ज्यादा भूकंप आ चुके हैं, जिसके बाद से लोग दहशत में हैं। हालांकि, ज्यादातर भूकंप कम से मध्यम तीव्रता के रहे हैं, लेकिन उनकी लगातार बढ़ती संख्या ने किसी बड़ी आपदा के डर को गहरा कर दिया है। इन झटकों ने जापान की बाबा वेंगा कही जाने वाली रियो तात्सकी की भविष्यवाणी के खौफ को जिंदा कर दिया है, जिसमें 5 जुलाई को सुनामी जैसी बड़ी आपदा की बात कही गई है।

दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंपीय रूप से अस्थिर क्षेत्रों में गिने जाने वाले प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर में स्थित टोकारा द्वीप समूह के लिए भूकंप कोई हैरानी वाली बात नहीं है, लेकिन जापान के विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंपीय गतिविधि का यह स्तर बेहद असामान्य है। उनका कहना है कि यह किसी खतरनाक चीज का संकेत हो सकता है। वैज्ञानिक इसका कारण समझने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं अधिकारी सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहने का आग्रह कर रहे हैं। पैसिफिक रिंग ऑफ फायर के भीतर क्यूशू के दक्षिण में स्थित टोकारा द्वीप समूह कई टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, तीव्र भूकंपीय गतिविधि 21 जून के आसपास शुरू हुई। 23 जून को यह चरम पर थी, जब एक दिन में ही 183 झटके दर्ज किए गए। 1000 से ज्यादा भूकंप जिनमें से ज्यादातर जापान के शिंदो पैमाने पर कम से कम स्तर पर दर्ज किए गए।

रूस का यूक्रेन पर 550 मिसाइल और ड्रोन से हमला

23 घायल, जेलेंस्की का दावा– 270 मिसाइलें मार गिराईं, 200 से ज्यादा ड्रोन जाम किए

वॉशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन पर शुक्रवार सुबह 500 मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इनमें से 270 मिसाइलों को हवा में मार गिरा गया। इनके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया गया। ये ड्रोन ईरान में बने हैं।

इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही था। कीव के अलावा दि्नप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचाया। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि इस हमले में कम से कम 23 लोग घायल हुए हैं और उनमें से 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

इस हमले से कीव के कई इलाकों में अपार्टमेंट बिल्डिंग, दुकानों, एक स्कूल, एक अस्पताल, रेलवे लाइन और दूसरे जरूरी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक धमाकों की आवाजें 3 जुलाई को रात 10 बजे से ही सुनाई देने लगी थीं और ये 4 जुलाई की सुबह तक जारी रहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को फोन पर बात की। जनवरी में ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों नेताओं ने छठी बार बातचीत की। रूस के मुताबिक, दोनों नेताओं ने यूक्रेन, ईरान और अमेरिका-रूस संबंधों समेत कई मुद्दों पर बात की।

इस दौरान पुतिन ने साफ किया कि रूस, यूक्रेन वॉर की असल वजह को खत्म करके ही रहेगा। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसे नाटो में शामिल होने जिद छोड़नी पड़ेगी और 2022 के बाद रूस ने जिन इलाकों पर कब्जा कर लिया है उन्हें मान्यता देनी होगी। पुतिन के सीनियर एडवाइजर यूरी उशाकोव ने बताया कि ट्रम्प ने यूक्रेन वॉर जल्द खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं, पुतिन ने बातचीत के जरिए जंग का हल ढूंढने की कोशिश कर जोर दिया।

पहली बातचीत (12 फरवरी 2025): यह ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में दोनों नेताओं के बीच पहली आधिकारिक बातचीत हुई। इसमें यूक्रेन, मिडिल ईस्ट, AI और एनर्जी जैसे मुद्दों पर बात हुई।

दूसरी बातचीत (18 मार्च 2025): इसमें यूक्रेन में युद्धविराम, एनर्जी इन्फ्रा पर हमले रोकने और ब्लैक सी में समुद्री युद्धविराम जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

तीसरी बातचीत (19 मई 2025): ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश की, लेकिन पुतिन ने तत्काल युद्धविराम से इनकार कर दिया।

बिलावल भुट्टो ने मसूद अजहर पर कबूला सच

आतंकवाद पर पाकिस्तान का घिनौना चेहरा फिर बेनकाब

इस्लामाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक इंटरव्यू में मसूद अजहर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान को पता नहीं है कि मसूद अजहर कहां हैं। उन्होंने उसके अफगानिस्तान में होने का दावा किया और कहा कि भारत ने पाकिस्तान से बताया था कि मसूद अजहर उनके देश में है। मसूद अजहर जैश-ए-मोहम्मद का सरगना है, जिसने भारत में दर्जनों आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है। मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिबंधित किया हुआ है, लेकिन वह आज भी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में रह रहा है।

अल जजीरा को दिए गए एक इंटरव्यू में बिलावल भुट्टो से पूछा गया, पाकिस्तान ने हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की है जो इन समूहों के नेता हैं? इस पर बिलावल

भुट्टो ने कहा, यह सही नहीं है। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है कि हाफिज सईद एक आजाद व्यक्ति है। वह पाकिस्तान की हिरासत में है। जहां तक मसूद अज़हर का सवाल है, हमें उसे गिरफ्तार करने या अफगान जिहाद के संदर्भ में उसके अतीत को देखते हुए उसकी पहचान करने में असमर्थ रहे हैं। हमारा मानना है कि वह कभी भी अफगानिस्तान में हो सकता है। अगर भारत सरकार हमारे साथ जानकारी साझा करती है कि वह पाकिस्तानी धरती पर है तो हमें उसे गिरफ्तार करने में बहुत खुशी होगी। तथ्य यह है कि भारत सरकार ठीक ने ऐसा नहीं किया है। इस पर पत्रकार ने पूछा, मैं सिर्फ मसूद अजहर के बारे में आपके द्वारा कही गई बात पर वापस आना चाहता हूं, क्योंकि यह एक असाधारण बयान है जो आप कह रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी और आपको उसके ठिकाने के बारे में पता नहीं है। और आप उम्मीद करते हैं कि भारत आपको वह जानकारी देगा?

इस पर बिलावल भुट्टो ने कहा, माफ कीजिए, जब आपके पास यह होता है तो किसी भी देश के साथ काउंटर टेररिज्म कॉर्पोरेशन होता है। हम अपनी चिंता के समूहों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं, वे अपनी चिंता के समूहों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। इसी तरह हम लंदन में हमलों को विफल करने में कामयाब रहे, न्यूयॉर्क में हमलों को विफल किया, पाकिस्तान में हमलों को विफल किया।

बिलावल भुट्टों ने आगे कहा, जहां तक मसूद अजहर का सवाल है, अगर वह अफगानिस्तान में है, तो पश्चिम ने अब उस देश को उस समूह को सौंप दिया है जिसे एक समय में वे आतंकवादी कहते थे और अब वे उन्हें अफगानिस्तान के प्रभारी बताते हैं।

ईरान पर 12 दिनों तक हमले के बाद भी इजरायल खाली हाथ

तेल अवीव, 4 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल ने 13 जून को जब ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमला बोल दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच 12 दिनों तक भीषण जंग चली। इस दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत करने और ईरानी परमाणु स्थलों को नष्ट करने की बात कही थी। अब युद्ध खत्म होने के बाद सवाल उठता है कि क्या इजरायल इस युद्ध में अपने लक्ष्यों को हासिल करने में सफल रहा। अमेरिका स्थित पत्रिका फॉरेन पॉलिसी ने इस जंग को 'असफल जुआ' बताया है। फॉरेन पॉलिसी पत्रिका के अनुसार, इजरायल इस संघर्ष में अपने घोषित उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पाया। इस जंग ने उस मिथम को भी तोड़ दिया कि किसी दूसरे देश के हमले से ईरान बिखर जाएगा। पत्रिका में लिखे लेख में कहा गया है कि नेतन्याहू ने इस्लामिक गणराज्य के खतरे को खत्म करने के इरादे से युद्ध शुरू किया था, लेकिन संघर्ष ने यहूदी देश की अपनी कमियों को सामने ला दिया। इस हमले ने ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत किया और तेहरान की मुख्य सैन्य या परमाणु क्षमता भी नष्ट करने में इजरायल नाकाम रहा।

ट्रम्प का बिग ब्यूटीफुल बिल अमेरिकी संसद में पास

वॉशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स) से गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का टैक्स और खर्च में कटौती करने वाला बिग ब्यूटीफुल बिल पास हो गया। बिल के सपोर्ट में 218, जबकि विरोध में 214 लोगों ने वोट डाला। ट्रम्प की ही पार्टी के दो सांसद थॉमस मैसी और ब्रायन फिट्जपैट्रिक ने इस बिल के खिलाफ वोट दिया था। इसी बिल को लेकर ट्रम्प और इलॉन मस्क ने एक दूसरे के खिलाफ तीखी बयानबाजी की थी।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रम्प शुक्रवार शाम 5 बजे अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस (4 जुलाई) पर एक बड़े और शानदार समारोह में इस बिल पर साइन कर दिया। यह बिल दो दिन पहले ही अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 50-51 के मामूली अंतर से पास हुआ था। उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस बिल को लेकर निर्णायक वोट डाला था। इलॉन मस्क ने शनिवार को ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की थी। मस्क ने शनिवार को X पर लिखा था- 'ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा।' मस्क ने कहा, 'यह पूरी तरह पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है, लेकिन भविष्य के उद्योगों को तबाह कर देगा।' मस्क ने पिछले महीने इस बिल को लेकर ट्रम्प प्रशासन में गवर्नमेंट एफिशिएंसी विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था।

मस्क के इस ट्वीट के बाद ट्रम्प ने कहा था- अगर मस्क को मिलने वाली सब्सिडी बंद हो जाए, तो उनको अपनी दुकान (कंपनी) बंद करके दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ेगा। ट्रम्प के कहा कि सब्सिडी बंद होने से न तो टेस्ला इलेक्ट्रिक कार का प्रोडक्शन कर पाएगी, न ही स्पेसएक्स के रॉकेट, सैटेलाइट लॉन्च होंगे।

सुखोई सू-35 के रडार में दम नहीं, इंजन बेदम

भारत के दोस्त ने रूसी जेट के खोले धागे भारत को कबाड़ बेचना चाहते हैं पुतिन?

कायरो, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रूस भारत को पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सू-57 के साथ साथ 4.5 जेनरेशन का सू-35 भी बेचना चाहता है। लेकिन भारत की तरफ से एक भी ऐसा इशारा नहीं दिया गया है, जिससे पता चले की भारत इस एयरक्राफ्ट में दिलचस्पी रखता हो। मिस्र के एक सीनियर मिलिट्री ऑफिसर ने खुलासा किया है कि काहिरा ने रूसी सू-35 लड़ाकू जेट खरीदने के अपने 2018 के सौदे को इसलिए रद्द कर दिया था, क्योंकि जांच के दौरान इस फाइटर जेट में कई टेक्नोलॉजिकल दिक्कतें मिली थीं। जिसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या यही वजह तो नहीं कि भारत इस विमान को नहीं खरीद रहा है? 2018 में मिस्र ने रूस से 24 सू-35 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए करीब 2 अरब डॉलर का सौदा किया था। उस समय यह समझौता रूस के लिए मध्य पूर्व में एक बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता मानी गई थी। सू-35, जिसे रूस 4.5 जेनरेशन जेट होने का दावा करता है, वो एक मल्टीरोल फाइटर है। लेकिन 2020 तक यह मिस्र और रूस के बीच हुआ ये सौदा चुपचाप ठंडे बस्ते में चला गया। अब जुलाई 2025 में मिस्र के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने खुलासा किया है कि तकनीकी खामियों और रणनीतिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डील को रद्द किया गया था। इसके अलावा अमेरिकी सीएएटीएसए अधिनियम के तहत प्रतिबंध का भी दबाव मिस्र पर था। मिस्र के सीनियर मिलिट्री ऑफिसर ने खुलासा किया है कि मिस्र की वायुसेना ने जब इस विमान की तकनीकी पड़ताल की तो पता चला कि सू-35 का आइरबिस-ई रडार तकनीकी रूप से पिछड़ा हुआ है। ये पुराने जमाने के पीइएसए (पासिव इलेक्ट्रानिकल स्कांड अरे) तकनीक पर आधारित है, जबकि पश्चिमी देशों के विमान जैसे एफ-35 और राफेल में एइएसए (एक्टिव इलेक्ट्रानिकली स्कांड अरे) रडार होता है।

भारत-अमेरिका में मिनी ट्रेड डील के आसार

भारत कृषि सेक्टर में नो एंट्री पर कायम; ट्रम्प ने 9 जुलाई रखी है ट्रेड डील की डेडलाइन

वॉशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से सभी देशों के लिए ट्रेड डील की डेडलाइन का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले भारत और अमेरिका के बीच 'मिनी ट्रेड डील' होने के आसार हैं। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच कई बिन्दुओं पर सहमति बन गई है। अगले दो-तीन दिन में डील हो सकती है। इसे मिनी ट्रेड डील इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि भारत और अमेरिका सितंबर-अक्टूबर में होने वाले 43 लाख करोड़ रुपए के द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर फोकस कर रहे हैं।

अमेरिका को एग्री सेक्टर पर एंट्री नहीं देगा भारत

वॉशिंगटन में व्यापार वार्ता में भारत ने अमेरिका को एग्री सेक्टर में एंट्री देने से इनकार कर दिया है। जबकि अमेरिका जेनेटिकली मॉडिफाइड फसली उत्पादों को भारत में बाजार मुहैया कराने की मांग करता रहा है। भारत के रवैए को देखते हुए अमेरिका ने फिलहाल कृषि सेक्टर में एंट्री के लिए दबाव नहीं डालने का निर्णय किया है। जबकि भारत लेबर इन्टेंसिव सेक्टर गारमेंट, जेम्स-जूलरी और लेदर प्रोडक्ट पर कम अमेरिकी टैरिफ पर कायम है। भारत की ओर से कहा गया है कि बीटीए के बाद के तीन सालों में द्विपक्षीय व्यापार के असल आंकड़े सामने आने लगेंगे।

अभी डील की डिटेल सामने आनी मुश्किल

भारत-अमेरिका ट्रेड डील जल्द होगी। लेकिन 9 जुलाई से पहले डील के सभी प्रावधान सामने आना मुश्किल हैं। क्योंकि डील के कई प्रावधानों पर सहमति होना जरूरी है। चीन और ब्रिटेन के साथ भी ट्रम्प ने डील की लेकिन इसके प्रावधान नहीं बताए। भारत से पहले स्टेज में सिर्फ डील घोषित होगी। भारत खेती का सेक्टर नहीं खोलेगा क्योंकि हमारी 60% आबादी इस पर निर्भर है। अमेरिका की 1% आबादी खेती पर निर्भर है। भारत, अमेरिका से एनर्जी और डिफेंस की बड़ी खरीद कर इसकी भरपाई करेगा। खरीद शुरू भी हो चुकी। साथ ही भारत कई अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए बजट में ही ड्यूटी कम करने का ऐलान कर चुका है। इसमें अमेरिकी मोटरसाइकिल और व्हिस्की शामिल हैं।

भारत-अमेरिका के बीच 10 साल का डिफेंस फ्रेमवर्क तैयार

भारत-अमेरिका के बीच 10 साल का डिफेंस फ्रेमवर्क तैयार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच इसे लेकर फोन पर बातचीत में सहमति बन गई है। हेगसेथ ने कहा, भारत हमेशा से अमेरिका का भरोसेमंद साझेदार रहा है। अमेरिका से भारत को अपाचे एएच-64ई अटैक हेलिकॉप्टर की पहली खेप की डिलीवरी 15 जुलाई को होगी। दूसरी खेप नवंबर में मिल सकती है। बता दें कि लगभग 5 हजार करोड़ रुरए के इन 6 अपाचे हेलिकॉप्टर खरीद का समझौता 2020 में हुआ था।भारतीय रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने एक लाख करोड़ रुपए के हथियारों की खरीद प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इसमें आर्म्ड रिकवरी व्हीकल, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और तीनों सेनाओं के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद शामिल है।

अब बिना शुल्क समय पूर्व चुका सकते हैं फ्लोटिंग दर वाले कर्ज

गैर-कारोबारी लोन पर 2026 से लागू होगा नियम

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अब प्रीपेमेंट के नाम पर भारी जुर्माना भरने से राहत मिलने वाली है। आरबीआई ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कहा है कि वे छोटे उद्यमों एवं व्यक्तिगत लोगों को दिए कर्ज पर समय से पूर्व भुगतान करने पर कोई शुल्क नहीं लगाएंगे। यह नियम एक जनवरी, 2026 के बाद लिए या नवीनीकरण कराए गए कर्जों पर लागू होगा। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके। अब प्रीपेमेंट के नाम पर भारी जुर्माना भरने से राहत मिलने वाली है। आरबीआई ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कहा है कि वे छोटे उद्यमों एवं व्यक्तिगत लोगों को दिए कर्ज पर समय से पूर्व भुगतान करने पर कोई शुल्क नहीं लगाएंगे।

यह नियम एक जनवरी, 2026 के बाद लिए या नवीनीकरण कराए गए कर्जों पर लागू होगा। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है।

इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके। आरबीआई ने कहा, इन नियमों के अंतर्गत न आने वाले मामलों में कोई पूर्व-भुगतान शुल्क है तो उसे कर्ज स्वीकृति पत्र और उसके समझौते में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। कोई भी अघोषित या पूर्व शुल्क की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि ऋणदाता खुद पूर्व भुगतान शुरू करता है तो कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

आंशिक या पूरा, नियम दोनों भुगतान पर लागू

केंद्रीय बैंक ने कहा, नया नियम दोनों तरह के भुगतान पर लागू होगा। चाहे कर्जदार कर्ज का आंशिक या पूरा भुगतान करे। साथ ही, पुनर्भुगतान के लिए इस्तेमाल धन का स्रोत चाहे जो भी हो। इसके लिए बैंक या वित्तीय संस्थान कोई न्यूनतम लॉक-इन अवधि भी नहीं रख सकते हैं। इसका उद्देश्य ऋण देने की प्रथाओं को मानकीकृत करना और वित्तीय संस्थानों के बीच असंगत नीतियों के कारण उत्पन्न होने वाली ग्राहकों की शिकायतों को कम करना है।

रतन टाटा से भिड़ गए थे साइरस मिस्त्री... क्यों आई थी ऐसी नौबत?

जन्मदिन पर जानें पूर्व चेयरमैन से जुड़ी खास बातें

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रह चुके साइरस मिस्त्री का आज जन्मदिन है। 4 जुलाई 1968 को बॉम्बे (अब मुंबई) में पारसी परिवार में पैदा हुए साइरस का 4 सितंबर 2022 को एक रोड एक्सीडेंट में निधन हो गया था। साइरस मिस्त्री साल 2012 से 2016 के बीच टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा संस के चेयरमैन रहे। उस दौरान वह ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा से भी भिड़ गए थे। हालांकि बाद में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। लेकिन वह आखिर तक अपने हक के लिए लड़ते रहे। साइरस मिस्त्री शापूरजी पालोनजी ग्रुप के एमडी भी थे। शापूरजी पालोनजी ग्रुप की टाटा संस में बड़ी हिस्सेदारी है। जब साइरस मिस्त्री को टाटा ग्रुप से हटाया गया था तो वह इसके खिलाफ कोर्ट में चले गए थे। जब उन्हें टाटा ग्रुप की जिम्मेदारी मिली थी, तब वह टाटा ग्रुप के करीब 100 साल के इतिहास में ऐसे पहले शख्स थे, जिनका सरनेम 'टाटा' नहीं था और फिर भी वह ग्रुप चेयरमैन बने थे। इसकी वजह उनके परिवार की टाटा ग्रुप के साथ नजदीकी थी।

आयरलैंड में जन्म, भारत के निवासी

साइरस मिस्त्री का परिवार देश का बड़ा कारोबारी घराना रहा है। वह शापूरजी पालोनजी मिस्त्री ग्रुप के पलोनजी मिस्त्री के सबसे छोटे बेटे थे। इनकी मां एक आयरिश महिला थीं। उनके पिता भी बाद में आयरलैंड के नागरिक बन गए थे। बाद में साइरस मिस्त्री ने भी आयरलैंड की नागरिकता ले ली थी। इसके अलावा वह भारत के भी स्थायी नागरिक थे।

लंदन में पढ़ाई के बाद संभाला परिवार का कारोबार

साइरस मिस्त्री की शुरुआती पढ़ाई मुंबई से हुई। बाद में वह हायर एजुकेशन के लिए लंदन चले गए थे। पढ़ाई पूरी करके आने के बाद उन्होंने परिवार के पलोनजी ग्रुप में साल 1991 में काम करना शुरू कर दिया। साल 1994 में वह शापूरजी पलोनजी ग्रुप में डायरेक्टर बने। यह ग्रुप कपड़े से लेकर रियल एस्टेट, हॉस्पिटेलिटी, बिजनेस ऑटोमेशन आदि सेक्टर में काम करता है।

2006 में जुड़ गए थे टाटा संस से

साइरस मिस्त्री साल 2006 में ही टाटा संस से जुड़ गए थे। उन्हें टाटा संस के बोर्ड में शामिल किया गया था। इसका कारण था कि टाटा संस में उनके परिवार के ग्रुप की सबसे बड़ी हिस्सेदारी थी। साल 2010 के बाद रतन टाटा , टाटा ग्रुप से रिटायर हो गए थे। ऐसे में काफी खोजबीन के बाद साइरस मिस्त्री को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया था। साल 2012 में वह टाटा संस के चेयरमैन बने। बताया जाता है कि साइरस मिस्त्री टाटा की विरासत को नहीं संभाल पाए। इस दौरान टाटा नैनो कार को लेकर भी रतन टाटा की साइरस मिस्त्री के साथ खींचतान हो गई थी।

एचडीएफसी के सीईओ शशिधर को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज; लीलावती ट्रस्ट ने धोखाधड़ी का केस किया था

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक के सीईओ और एमडी शशिधर जगदीशन को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने लीलावती ट्रस्ट से जुड़े मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की याचिका को सुनने से इनकार कर दिया। अब मामले की सुनवाई 14 जुलाई को निचली अदालत में होगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की बेंच ने कहा कि जब बॉम्बे हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई होनी है, तो सुप्रीम कोर्ट का दखल देना सही नहीं है। इससे पहले लीलावती किर्तीलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने जगदीशन के खिलाफ वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए 30 मई को मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज कराई थी।

ट्रस्ट के मेंबर से 2.05 करोड़ रुपए लेने का आरोप

ट्रस्ट ने आरोप लगाया था कि जगदीशन ने उनके एक पूर्व मेंबर से 2.05 करोड़ रुपए लिए, जिसका मकसद ट्रस्ट के एक मौजूदा मेंबर के पिता को परेशान करना था। हालांकि, एचडीएफसी ने इन आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताया था।एचडीएफसी बैंक ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा- ये सब लीलावती ट्रस्ट और मेहता परिवार की तरफ से बैंक को बदनाम करने की साजिश है। बैंक का दावा है कि मेहता परिवार ने 1995 में लिए गए एक लोन को चुकाने में डिफॉल्ट किया था। ब्याज समेत ये रकम 31 मई 2025 तक 65.22 करोड़ रुपए हो चुकी है। इस लोन को स्प्लेंडर जेम्स नाम की कंपनी के लिए लिया गया था, जो मेहता परिवार की ही है। बैंक के मुताबिक, 2004 में डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल (डीआरटी) ने इस लोन की वसूली के लिए सर्टिफिकेट जारी किया था, लेकिन मेहता परिवार ने इसे चुकाने की बजाय बैंक और इसके सीनियर अधिकारियों के खिलाफ कानूनी शिकायतें कीं। मेहता परिवार की ये शिकायतें बार-बार खारिज हो चुकी हैं, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में भी। अब ये एफआईआर उनके सीईओ को टारगेट करने और लोन की वसूली को रोकने की एक और कोशिश है। एचडीएफसी बैंक ने अपने बयान में कहा, "हमारे एमडी और सीईओ शशिधर जगदीशन को बिना वजह निशाना बनाया जा रहा है। ये आरोप पूरी तरह से झूठे और दुर्भावनापूर्ण हैं। हम कानूनी रास्तों से इसका जवाब देंगे और अपने सीईओ की प्रतिष्ठा की रक्षा करेंगे।"शशिधर जगदीशन 1996 से एचडीएफसी बैंक के साथ हैं। धीरे-धीरे तरक्की करते हुए 2020 में बैंक के सीईओ और एमडी बने। इससे पहले वो बैंक के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) रह चुके हैं। मुंबई में जन्मे और पले-बढ़े जगदीशन ने मुंबई यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में बैचलर डिग्री ली और यूके की शेफील्ड यूनिवर्सिटी से मनी, बैंकिंग और फाइनेंस में मास्टर्स किया। 2023 में आरबीआई ने उनकी नियुक्ति को तीन साल के लिए और बढ़ा दिया, जो अब 26 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। जगदीशन को बैंकिंग सेक्टर में एक काबिल और सम्मानित लीडर माना जाता है।

समय पर नहीं बदले इंजन के पार्ट

रिकॉर्ड में हेरफेर...एयर इंडिया की बजट एयरलाइन का सामने आया यह सच

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। एयर इंडिया की बजट एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस की बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई है। विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन को मार्च में फटकार लगाई थी। यह फटकार यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी के निर्देशों के अनुसार एयरबस ए320 के इंजन के पार्ट्स को समय पर नहीं बदलने के लिए लगाई गई थी। इन हिस्सों को बदलने का निर्देश यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी ईएएसए ने दिया था। कारण है कि इन इंजनों में कुछ निर्माण संबंधी खामियां पाई गई थीं। इससे इंजन फेल होने का खतरा था और विमान को नुकसान हो सकता था। हैरानी की बात यह है कि एयरलाइन पर रिकॉर्ड्स में हेरफेर करने का भी आरोप है ताकि यह लगे कि काम समय पर हो गया था, जबकि असल में ऐसा नहीं हुआ था। एक सरकारी मेमो से यह जानकारी मिली है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने न्यूज एजेंसी रायटर्स को बताया कि उन्होंने भारतीय नियामक के सामने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उसने सुधार संबंधी उपाय भी किए हैं। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब एयर इंडिया पहले से ही काफी जांच के दायरे में है। खासकर जून में अहमदाबाद में हुए बोइंग ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटना के बाद उस पर कई सवाल खड़े हुए हैं। इस हादसे में 242 में से लगभग सभी लोगों की मौत हो गई थी। सिर्फ एक ही व्यक्ति जिंदा बचा था। हालांकि, एयर इंडिया एक्सप्रेस के इंजन का यह मुद्दा इस दुर्घटना से महीनों पहले मार्च में ही सामने आ गया था। इसके अलावा, मुख्य एयरलाइन एयर इंडिया को भी इस साल डीजीसीए कई बार फटकार लगा चुका है।

18 मार्च को उठाया गया था मुद्दा

एयर इंडिया एक्सप्रेस के एयरबस में इंजन का मुद्दा 18 मार्च को उठाया गया था, जो क्रैश से महीनों पहले की बात है। लेकिन, नियामक ने इस साल एयर इंडिया को को तीन एयरबस विमानों को बिना जांचे हुए एस्केप स्लाइड के साथ उड़ाने के लिए नियमों का उल्लंघन करने पर भी चेतावनी दी थी। जून में पायलट ड्यूटी टाइमिंग के गंभीर उल्लंघन के लिए भी वॉर्निंग दी गई थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस एयर इंडिया की सहायक कंपनी है। इसका स्वामित्व टाटा ग्रुप के पास है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

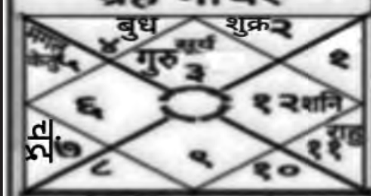

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 05-49 | सूर्यास्त 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	04-24 बजे
चंद्र-	तुला में	कर्क...	06-37 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	08-48 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	10-55 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	13-02 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक...	15-10 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	17-24 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	19-34 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	21-21 बजे
		मीन...	22-59 बजे
		मेष...	00-35 बजे
		वृष...	03-04 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- दशमीं 18-59 तक उपरान्त एकादशी
मास - आषाढ़ शुक्ल , शनिवार 05 July
नक्षत्र - स्वाति 19-51 तक उपरान्त विशाखा
योग - सिद्ध 20-35 तक उप साध्य
करण- गर 18-58 तक उप वणिज
विशेष- गुरु उदयं रात्री मे
व्रत-त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:04 से 10:43 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:49 - 07:26	अशुभ	लाभ	18:50 - 20:15	शुभ
शुभ	07:26 - 09:04	शुभ	उत्पात	20:15 - 21:37	अशुभ
रोग।	09:04 - 10:43	अशुभ	शुभ.	21:37 - 22:59	शुभ
उत्पात	10:43 - 12:21	अशुभ	अमृत	22:59 - 00:21	शुभ
चंचल	12:21 - 13:59	शुभ	चंचल	00:21 - 01:43	शुभ
लाभ	13:59 - 15:37	शुभ	रोग	01:43 - 03:05	अशुभ
अमृत.	15:37 - 17:15	शुभ	काल	03:05 - 04:26	अशुभ
काल	17:15 - 18:50	अशुभ	लाभ.	04:26 - 05:49	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आपके कार्यालय में आपके और औरो के विचारो में भिन्नता रहेगी चाहे वह आपका सहकर्मी , उच्च अधिकारी या आपका मालिक हो चाहे वो कोई भी हो पर निष्चय ही ये आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा इसलिए आपको शांत मस्तिष्क से काम लेना है ताकि आप वाद विवाद से बचे रहे । अगर आप प्रातकालः में दौड़ लगाने जैसा हल्का व्यायाम करे तो आप काफी हद तक अपने तनाव को दूर कर सकते है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना 195 सस्ता होकर 97,142 प्रति 10 ग्राम पर आया

चांदी 253 प्रति किलो सस्ती हुई; इस साल सोने ने 28%, तो चांदी ने 25% रिटर्न दिया

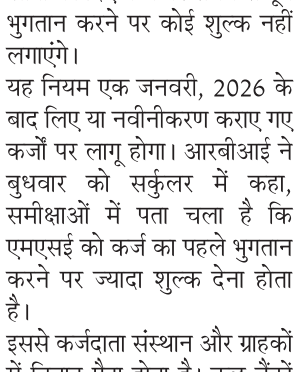

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सोने का दाम आज यानी शुक्रवार (4 जुलाई) को 195 रुपए सस्ता होकर 97,142 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। कल यह 97,337 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत भी 253 रुपए घटकर 1,07,367 पर आ गई है। कल एक किलो चांदी 1,07,620 प्रति किलो थी। 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल सोना करीब 20 हजार महंगा हो चुका है। वही, चांदी का दाम भी करीब 21 हजार बढ़ चुका है।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्लीः 24 कैरेट सोने की कीमत 98,880 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,650

मुंबईः 24 कैरेट सोने की कीमत 98,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,500

कोलकाताः 24 कैरेट सोने की कीमत 98,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,500

चेन्नईः 24 कैरेट सोने की कीमत 98,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,500

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इजराइल और ईरान के बीच भी जंग शुरू हो गई है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है।

आखिरी कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 193 अंक चढ़ा, निफ्टी 25400 के पार

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बैंक शेयरों में खरीदारी और अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार में उतार-चढ़ाव के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 462.03 अंक का उतार-चढ़ाव देखा और 83,477.86 अंक के उच्च और 83,015.83 अंक के निम्न स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 55.70 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 25,461 अंक पर पहुंच गया।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और लार्सन एंड टूब्रो प्रमुख लाभ में रहे। हालांकि, ट्रेंट, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और मारुति पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजार में गिरावट दिखी

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

घरेलू निवेशक बाजार को समर्थन दे रहे हैं

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हालिया तेजी के बाद, मुख्य सूचकांक उच्चतम मूल्यांकन स्तर के आसपास मँडरा रहे हैं। इससे आगे की तेजी सीमित हो रही है, जो कि पहली तिमाही की आय और व्यापार सौदे के विवरण पर निर्भर है। उन्होंने आगे कहा कि भारतयी बाजार में ठहराव का अनुभव हो रहा है। निवेशक मिलेजुले वैश्विक संकेतों के साथ अमेरिकी टैरिफ समयसीमा से पहले प्रतीक्षा कर रहे हैं। विदेशी निवेशक की जारी निकासी जोखिम-रहित दृष्टिकोण को दर्शाती है। वहीं, घरेलू निवेशकों का समर्थन बाजारों को मिल रहा है।

सेबी ने जेन स्ट्रीट ग्रुप को किया प्रतिबंध

इस बीच, बाजार नियामक सेबी ने अमेरिकी कंपनी जेन स्ट्रीट ग्रुप को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही, समूह को शेयर सूचकांकों में कथित रूप से हेरफेर करने के लिए 4,843 करोड़ रुपये के अवैध लाभ को वापस करने का निर्देश दिया है। यह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा निर्देशित अब तक की सबसे अधिक वसूली राशि हो सकती है।

ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 68.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.03 प्रतिशत गिरकर 68.03 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,481.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,333.06 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को सेंसेक्स 170.22 अंक या 0.20 प्रतिशत गिरकर 83,239.47 पर बंद हुआ। निफ्टी 48.10 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 25,405.30 पर बंद हुआ।

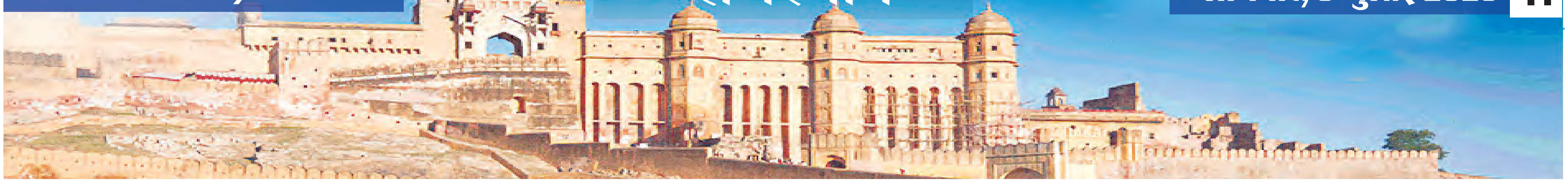

लंदन में आयोजित हुआ 12वां 'भारत गौरव अवार्ड' समारोह

> सीएम भजनलाल शर्मा ने वीसी के जरिये किया संबोधित

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी और प्रभावी विदेश नीति ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दी है। उनकी कुशल कूटनीति और नेतृत्व ने भारत को विश्व के सबसे शक्तिशाली और सम्मानित देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि देश की अनमोल प्रतिभाओं ने अपने कार्यों से भारत की ताकत और संभावनाओं से विश्व को परिचित करवाया है।

शर्मा ने लंदन के समय अनुसार मुख्यमंत्री निवास पर देर रात वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लंदन में यूके की संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित 12वें 'भारत गौरव अवार्ड' समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल भारतीय प्रतिभाओं के सम्मान का उत्सव ही नहीं, बल्कि भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मजबूत और सौहार्दपूर्ण संबंधों का भी प्रतीक है।

प्रदेश राइजिंग राजस्थान से लिख रहा विकास की नई गाथा

मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध संस्कृति, आतिथ्य और गौरवशाली इतिहास के लिए दुनिया भर में विख्यात हमारा प्रदेश "राइजिंग राजस्थान" पहल के माध्यम से विकास की नई गाथा लिख रहा है। 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने राज्य में रोजगार और समृद्धि की अपार संभावनाएं बनाई हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में राजस्थान ने निवेश, नवाचार और समावेशी विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। खनन, पर्यटन और उद्योग सेक्टर में राजस्थान आगे बढ़ रहा है। यहां शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महल, किले, हवेलियों की भव्यता और गौरवशाली इतिहास को देखने के लिए दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं। वहीं धार्मिक स्थलों, अभ्यारण्यों व रेगिस्तानी क्षेत्र में भी पर्यटन का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि प्रवासी भाई-बहन राजस्थान आएं और यहां निवेश कर विकास यात्रा का हिस्सा बनें। उनका योगदान राजस्थान को नई उंचाईयों पर ले जाएगा। साथ ही, भारत के वैश्विक नेतृत्व को और अधिक सशक्त बनाएगा।

भारत गौरव अवार्ड वैश्विक मंच पर हमारी बढ़ती ताकत का प्रतीक मुख्यमंत्री ने समारोह में सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि 'भारत गौरव अवार्ड' समारोह देश की असीम संभावनाओं, हमारी एकता और वैश्विक मंच पर हमारी बढ़ती ताकत का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि संस्कृति युवा संस्थान द्वारा आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर और दुपट्टा ओढ़ाकर भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान विश्व के 18 देशों से आए प्रतिनिधियों ने समारोह में भाग लिया।

वाइन-शॉप पर बदमाशों ने की 5 राउंड फायरिंग

झुंझुनूं के गुढ़ागौड़जी की घटना-बाइक पर आए थे दो युवक

झुंझुनूं, 4 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनूं में बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने शराब की दुकान पर 5 राउंड फायरिंग कर दी। घटना गुढ़ागौड़जी कस्बे में चंवरा रोड पर स्थित शराब की दुकान पर गुरुवार रात 12.56 बजे हुई। दो युवक चेहरे को कपड़े से ढककर बाइक से यहां पहुंचे। दुकान के पास बाइक रोकी और पीछे बैठे बदमाश ने 5 राउंड गोलियां चला दी।

वारदात के बाद आरोपी भाग गए। गुढ़ागौड़जी सीआई राममनोहर ने बताया-रात में शराब की दुकान पर कोई नहीं था। घटना की जानकारी सुबह करीब 7 बजे पुलिस को मिली। गुढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मैं भी मौके पर गया। घटनास्थल से कारतूस के 5 खोल बरामद किए हैं। घटना स्थल का निरीक्षण किया।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गहलोत ने उठाए सवाल

पहली बार ऐसा अशोभनीय व्यवहार देखा

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव साफ नजर आने लगा है और चुनाव आयोग जैसी संस्था, जिस पर पूरे चुनाव की निष्पक्षता टिकी होती है, अब सवालों के घेरे में आ गई है।

गहलोत ने कहा कि लंबे अरसे से कह रहा हूं कि देश किस दिशा में जा रहा है, उसका नमूना हमें चुनाव आयोग के हालिया व्यवहार से देखने को मिला। इतिहास में आजादी के बाद शायद पहली बार ऐसा हुआ है कि चुनाव आयोग के चेयरमैन और सदस्यों का रवैया विपक्षी नेताओं के प्रति इतना अशोभनीय रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ हुई कथित अभद्रता को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पहले आयोग का व्यवहार बेहद संयमित और लोकतांत्रिक होता था, चाहे कोई भी शिकायत लेकर जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि हर मतदाता, हर राजनीतिक प्रतिनिधि की बात को धैर्यपूर्वक सुने और निष्पक्ष फैसला दे लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों को उठाने की ओर भी ध्यान दिलाया और कहा कि उसका भी कोई जवाब नहीं मिला अंततः उन्हें आर्टिकल लिखना पड़ा। यह चुनाव आयोग की जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है। देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं जैसे ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग को भी सरकार के दबाव में काम करने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट में सरकार की तरफ से दिए गए जवाब के अनुसार 193 केस विपक्ष के नेताओं पर किए गए, जिनमें केवल दो मामलों में दोष सिद्ध हो पाया है। यानी सिर्फ 1% मामलों में सफलता मिली, बाकी मामलों में नेताओं को केवल प्रताड़ित किया गया। उन्होंने चेताया कि जब न्यायपालिका, चुनाव आयोग, ब्यूरोक्रेसी सभी दबाव में आ जाएं तो लोकतंत्र कमजोर होता है। यह किसी के हित में नहीं है न देश के, न सत्ता पक्ष के। विपक्ष की अनदेखी करना एक बड़ी भूल है, जिससे देश को नुकसान होगा।

तीन दशक बाद जागी उम्मीद, जैसलमेर-बाड़मेर-भाभर रेल लाइन परियोजना के सर्वे को मिली मंजूरी

बाड़मेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। तीन दशक से लंबित जैसलमेर-बाड़मेर-भाभर रेल लाइन परियोजना को केंद्र सरकार से बड़ा समर्थन मिला है। रेलवे मंत्रालय ने इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए 10 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। इससे ना सिर्फ राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी, बल्कि व्यापार, पर्यटन और रक्षा क्षेत्र को भी नई गति मिलेगी। बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा लोकसभा सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल के सतत प्रयासों से इस परियोजना को लेकर केंद्र सरकार ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने न केवल लोकसभा में आवाज उठाई, बल्कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से व्यक्तिगत मुलाकात कर इस परियोजना की स्वीकृति की मांग की थी।

सांसद स्वयं रेलवे की स्थायी समिति के सदस्य भी हैं और उन्होंने हर मंच पर इस रेल लाइन के पक्ष में पुरजोर पैरवी की। रेल मंत्रालय ने लगभग 380 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित जैसलमेर-बाड़मेर-भाभर रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी हेतु 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इसमें 9.50 करोड़ रुपये मुख्य लाइन के सर्वे के लिए तथा 50 लाख रुपये जैसलमेर के सोनू से रामगढ़ तक की 20 किलोमीटर की अतिरिक्त लाइन के सर्वे के लिए स्वीकृत किए गए हैं। सर्वेक्षण कार्य उत्तर-पश्चिम रेलवे द्वारा किया जाएगा और परियोजना के अंतर्गत 31 नए रेलवे स्टेशनों का निर्माण प्रस्तावित है। यह रेल लाइन भारत के पश्चिमी सीमा क्षेत्र जैसलमेर और बाड़मेर को गुजरात के भाभर, बनासकांठा, कच्छ और देश के औद्योगिक शहरों जैसे मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई से जोड़ेगी। यह न केवल यात्रियों को वैकल्पिक और तेज मार्ग देगा, बल्कि भारतीय सेना व सुरक्षा बलों को सामरिक आपूर्ति व लॉजिस्टिक सपोर्ट देने में भी सहायक साबित होगी।

सांसद घनश्याम तिवाड़ी की भारत वाहिनी पार्टी को नोटिस

6 साल से ज्यादा समय से नहीं लड़ा चुनाव आयोग ने कुल 9 पार्टियों से 15 दिन में मांगा जवाब

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और सीनियर लीडर घनश्याम तिवाड़ी की भारत वाहिनी पार्टी को चुनाव आयोग रजिस्टर्ड सूची से बाहर करने जा रहा है। आयोग के नजर में पार्टी ने पिछले 6 साल में कोई चुनाव नहीं लड़ा है। साल 2018 में घनश्याम तिवाड़ी ने अपनी एक नई पार्टी भारत वाहिनी पार्टी का गठन किया था।

हाल ही में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने घनश्याम तिवाड़ी की पार्टी समेत कुल 9 पार्टियों को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। इसमें पूछा है कि क्या पार्टी ने अपने गतिविधियां बंद कर दी है या सीमित कर दी हैं। पार्टी ने पिछले 6 साल से चुनाव आयोग के एक भी चुनाव में भाग नहीं लिया है।

अप्रैल 2018 में बनाई थी पार्टी

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने साल 2018 में अपनी नई पार्टी का गठन किया था। उस समय पार्टी का अध्यक्ष अपने बेटे अखिलेश तिवाड़ी को बनाया था। घनश्याम तिवाड़ी ने भाजपा से अलग होकर पार्टी का गठन करते हुए साल 2018 में सांगानेर सीट से चुनाव लड़ा था। इसके बाद से उनकी पार्टी निर्वाचन आयोग के किसी चुनाव कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई।

इन पार्टियों को भी दिया नोटिस

राजस्थान जनता पार्टी, राष्ट्रीय जन सागर पार्टी, खुशाल किसान पार्टी, भारतीय जन हितकारी पार्टी, नेशनल जनसत्ता पार्टी, नेशनलिस्ट पीपुल्स फ्रंट, स्वच्छ भारत पार्टी, महाराणा क्रांति पार्टी को नोटिस दिया गया है।

15 दिन में पेश होने के निर्देश

मुख्य चुनाव आयुक्त की ओर से जारी इस नोटिस में इन सभी पार्टी के अध्यक्ष या महासचिव या दल प्रमुख को आयोग के समक्ष पेश होकर अपना स्पष्टीकरण रखने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए 15 दिन का समय दिया है। इसके बाद आयोग इन पार्टियों को पंजीकृत दलों की सूची से बाहर करेगा।

एसबीआई का एटीएम उखाड़कर ले गए चोर

सीकर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर के अजीतगढ़ में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम को देर रात बदमाश उखाड़कर ले गए। गाड़ी में आए करीब 6 बदमाशों ने सबसे पहले एटीएम के गार्ड से मारपीट कर बंधकर बनाया। उसके बाद सीसीटीवी कैमरा का कनेक्शन काट दिया। एटीएम में 18 लाख 24 हजार रुपए थे। एटीएम चौमू सड़क मार्ग पर सरकारी स्कूल के पास स्थित है। वारदात को रात करीब दो से ढाई के बीच अंजाम दिया गया था। पुलिस ने घटना स्थल का मौका-मुआयना कर आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम जगह-जगह तलाश कर रही हैं। एटीएम लूट की वारदात करने वाले 6 बदमाश थे। एटीएम को उखाड़कर ले जाने के लिए अपने साथ गाड़ी भी लेकर आए थे।

डोटासरा बोले-भजनलाल सरकार पांच साल चलेगी

लोगों को तकलीफ होगी; गहलोत के पास सीएम को हटाने के षड्यंत्र का इनपुट होगा

उदयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने 9 दिन पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर बड़ा दावा किया था। उन्होंने कहा था- सीएम भजनलाल शर्मा को हटाने का भयंकर षड्यंत्र चल रहा है। उनके खिलाफ भाजपा के लोग लगे हुए हैं। इसके इतर, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि राजस्थान में भजनलाल सरकार पांच साल चलेगी। इस दौरान लोगों को बहुत तकलीफ होगी। वहीं, गहलोत के बयान पर डोटासरा ने कहा- उनके पास कोई इनपुट होगा। तभी उन्होंने कहा है। डोटासरा पर अपने नजदीकियों को नौकरी लगाने के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा आरोप पर उन्होंने कहा- हमने उनका हाथ नहीं पकड़ रखा है। कौन है-कौन नहीं है। अगर कोई गलत लगा है तो इनको भी हटा दो। डोटासरा ने उदयपुर के महाराणा प्रताप

एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। डोटासरा उदयपुर संभाग में कांग्रेस के सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे। सम्मेलन में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी शामिल होंगे।

सरकार का न विजन, न निर्णय लेने की क्षमता

डोटासरा ने कहा- भजनलाल सरकार पांच साल चलेगी, लेकिन लोगों को तकलीफ झेलनी होगी। सरकार का न कोई विजन है, न कोई निर्णय करने की क्षमता है और न इनके पास योजनाएं हैं। केवल और केवल भ्रमित करना, भ्रमण करना, थोथे भाषण देना और झूठ बोलना ये इनकी पॉलिसी बन गई है, जो जनता के लिए दुखदायी है।

डोटासरा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा-सबको परेशान किया जा रहा है। एजेंसियों का मिसयूज आम बात हो गई है। जनता की न कोई पूछने वाला है और न सुनने वाला है। डबल इंजन में एक इंजन विदेश में घूम रहा है। हमने कांग्रेसजन को आह्वान किया है कि जनता के दुःख-दर्द और तकलीफ को समझें। उनके बीच जाएं।

वोटर लिस्ट में भी घपला करने की बात आ रही

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा- ये निकायों और पंचायतों के चुनाव नहीं करवा रहे हैं। नवंबर में ही कार्यकाल पूरा हो गया, तब करवाना चाहिए था। निकाय चुनाव को किसी दल के फायदे और नुकसान की बात से न जोड़ा जाए। ये प्रजातंत्र का मखौल है। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट को लेकर उसमें भी घपला करने की बात सामने आ रही है। लगता है कि सारी संस्थाओं पर भाजपा और आरएसएस ने कब्जा कर लिया है। यह देश और लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बड़ी वारदात टली

उदयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर की सवीना थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह कार्रवाई एसपी योगेश गोयल के निर्देश पर की गई।

थानाधिकारी अजयसिंह राव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद ताहिर उर्फ ताहिर अहमद है। वह गुजरात के साबरकांठा जिले के विजयनगर का रहने वाला है। आरोपी ने अवैध रूप से पिस्टल और कारतूस एक परिचित व्यक्ति से खरीदे थे और वह इन हथियारों का इस्तेमाल कर अपने विरोधियों की हत्या की योजना बना रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि मोहम्मद ताहिर एक गिरोह बनाकर काम कर रहा था। वह नेला तालाब के पास संदिग्ध अवस्था में घूमता मिला, जहां पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। पुलिस का मानना है कि अगर समय रहते उसे नहीं पकड़ा जाता, तो कोई गंभीर वारदात हो सकती थी।

अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने हथियार कहां से खरीदे और उसके साथ और कौन लोग इस साजिश में शामिल हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वह किन लोगों को निशाना बनाना चाहता था। इस पूरी कार्रवाई को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की भी तलाश में जुट गई है। सवीना थाना पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी आपराधिक घटना टल गई।

36 घंटे से सड़क पर शव लेकर बैठे परिजन

2 लोग डिटेन, भाई ने कहा-पुलिस समझौता करने का बना रही है दबाव

देवली (टोंक), 4 जुलाई (एजेंसियां)। टोंक जिले के देवली के राजमहल गांव में रात को युवक को बजरी से भरे ट्रैक्टर ने कुचल दिया था। इससे गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने विभिन्न मांगों को लेकर देवली-राजमहल मार्ग पर शव रख कर 36 घंटे से धरना दे रखा है।

व्यापारियों ने प्रतिष्ठान रखे बंद

इस पहले गुरुवार रात को देवली पुलिस उपअधीक्षक कार्यालय में टोंक एसपी विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम बेनीवाल, उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीणा, देवली पुलिस उपाधीक्षक रामसिंह, थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर समेत की मौजूदगी में प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से बातचीत की। जिसमें उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों की मांग पुलिस प्रशासन के समक्ष रखी। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि प्रशासन की ओर से हर यथासंभव सहयोग किया जाएगा। साथ ही कहा कि परिजन जिस तरह की रिपोर्ट देंगे, पुलिस उसी को आधार मानकर कार्रवाई करेगी। जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने शुक्रवार को रिपोर्ट देने की बात कही। लेकिन सुबह 10 बजे तक मामले में परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई और न ही शव उठाने की सहमति हुई। वहीं मामले को लेकर आज व्यापारियों ने भी दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रखे है। पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर महेंद्र मीणा व बजरी माफिया ईश्वर मीणा को डिटेन कर लिया गया है। जिस पर परिजनों ने आरोप लगाया है। मृतक पप्पू के परिवार वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, सरकारी नौकरी व 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिलाने की मांग कर रहे हैं। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे विधायक राजेंद्र गुर्जर और प्रशासन के अधिकारी परिजनों को पोस्टमॉर्टम कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दे रहे थे। इसी दौरान पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया।

फिल्मी अंदाज में गाड़ी रोककर युवक पर जानलेवा हमला

बीकानेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक युवक पर दिनदहाड़े फिल्मी स्टाइल में हमला कर दिया गया। पंचशती सर्कल और जेएनवी कॉलोनी गोल सर्कल के बीच स्कॉर्पियो में सवार युवक को जान-बूझकर टक्कर मारने के बाद हमलावरों ने गाड़ी से बाहर खींचकर लाठी-डंडों से जमकर पीटा। जानकारी के अनुसार हमलावर कैम्पर गाड़ी में सवार थे और उन्होंने पहले स्कॉर्पियो को टक्कर मारी फिर युवक को बाहर निकालकर सड़क पर पटक दिया।

10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

स्कॉर्पियो लूट के मामले में चल रहा था फरार, पुर थाना पुलिस ने दबोचा

भीलवाड़ा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा की पुर थाना पुलिस ने स्कॉर्पियो लूट के मामले में फरार 10 हजार रूपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुर थाना प्रभारी पुष्पा कसौटिया ने बताया कि 28 फरवरी को उज्जैन में रहने वाले अनिल बैरागी ने एक रिपोर्ट दी जिसमें उसने बताया कि वो ड्राइवर है और 27 फरवरी को उसकी गाड़ी की बुकिंग उज्जैन से अजमेर के लिए की गई। जिस पर वो तीन-चार व्यक्तियों के साथ शाम करीब 6-7 बजे उज्जैन से गाड़ी लेकर अजमेर के लिए रवाना हुए।

रास्ते में चित्तौड़ बाईपास पर एक व्यक्ति ने उल्टी करने का बहाना किया और गाड़ी रुकवाई गाड़ी रोकते ही सभी ने मेरे साथ मारपीट की। मुझे गाड़ी में पटक कर मेरे हाथ पैर बांध दिए और बंदूक निकलकर मुझे मारने की धमकी देते हुए मेरे पास रखे 7 हजार कैश, मेरा मोबाइल और स्कॉर्पियो लूट कर मुझे झाड़ियों में हाथ पैर बांधकर पटक कर चले गए। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने एक मामला दर्ज किया इस मामले में शामिल रामनिवास, शहरुद्दीन, मुख्तार उर्फ मुकीम ओर शैलेश भामरे को गिरफ्तार कर लिया गया। वारदात के बाद से ही जाहिर मेव और भूरा मेव पुलिस को चकमा देकर लगातार फरार चल रहे थे। इन पर पुलिस ने पुलिस 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस टीम ने जाहिर को पकड़ने में सफलता हासिल की। टीम ने इनफॉरमेशन कलेक्शन, टेक्निकल अनुसंधान, कॉल डिटेल और परंपरागत पुलिसिंग से जाहिर उर्फ जाहिर मेव (22) पिता शमशु मेव 22 निवासी डीग को गिरफ्तार कर लिया।

वकील पर जानलेवा हमला करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर में वकील पर जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया है।

प्रताप नगर थानाधिकारी गोविंद लाल व्यास ने बताया कि 1 जुलाई को वकील मधुसूदन मेघवाल पर जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के एरिया में सीसीटीवी फुटेज और अन्य सूचनाओं के आधार पर नामजद आरोपियों की की तलाश की।

रेवंत सरकार का कामकाज सराहनीय : खड़गे

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि घोषणापत्र को लागू करने में कांग्रेस सरकार के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास में कांग्रेस को एकमात्र ऐसी पार्टी के रूप में याद किया जाएगा जो अपने वादों को पूरा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना में शासन सही दिशा में है और पार्टी कार्यकर्ता अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आज गांधी भवन में टीपीसीसी की विस्तारित बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि भाजपा नेता हमेशा 50 साल पहले के आपातकाल के बारे में बोलते हैं, लेकिन अपने 11 साल के शासन के दौरान "आपातकाल जैसी" स्थितियों पर चुप रहते हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पार्टी द्वारा दिए गए पदों का जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से उपयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने टीपीसीसी अध्यक्ष से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करने वाले प्रतिबद्ध और सक्षम नेताओं को ही प्रमुख पद दिए जाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं को अपनी मर्जी से बयानबाजी नहीं करनी चाहिए, बल्कि सभी को पार्टी के नियमों का पालन करना चाहिए और एकता बनाए रखनी चाहिए।

3.5 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल फोन बरामद

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर पुलिस ने हाल ही में खोए या चोरी हुए कुल 24 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कुल कीमत 3.5 लाख रुपये है। स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) एम सुधाकर ने शुक्रवार को फोन उनके मालिकों को सौंप दिए। राचकोंडा पुलिस की विभिन्न शाखाओं ने सहयोगात्मक प्रयासों से केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके फोन बरामद किए। पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे खोए हुए मोबाइल फोन की सूचना या तो अपने निकटतम पुलिस स्टेशन में या सीधे सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से दें, जो ऑनलाइन उपलब्ध है। एसएचओ ने कहा कि सीईआईआर पोर्टल के उपयोग से चोरी हुए फोनों के दुरूपयोग को रोकने और उनकी शीघ्र बरामदगी में मदद मिलती है।

किशन रेड्डी ने भारत के खनन विजन पर प्रकाश डाला

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज हैदराबाद में विश्व खनन कांग्रेस (डब्ल्यूएमसी) की भारतीय राष्ट्रीय समिति की बैठक का उद्घाटन किया। विषय प्रभावी खदान बंद करने के माध्यम से सतत खनन और जिम्मेदार प्रथाओं पर केंद्रित था। उन्होंने जिम्मेदार, पारदर्शी और सतत खनन प्रथाओं के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में जी. किशन रेड्डी ने कहा कि 1958 में अपनी स्थापना के बाद से विश्व खनन कांग्रेस ने खनन क्षेत्र में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक आवश्यक वैश्विक मंच के रूप में काम किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे दुनिया हरित खनन प्रथाओं की ओर बढ़ रही है, डब्ल्यूएमसी की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा, भारत के लिए, सतत खनन हमारे दोहरे लक्ष्यों के साथ संरेखित है- खनिज संसाधनों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हमारी प्रतिबद्धता को बनाए रखना।

उन्होंने साझा किया कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार, वैज्ञानिक योजना के साथ दस खदानों को सफलतापूर्वक बंद कर दिया गया है, और समय पर बंद करने के लिए अतिरिक्त 147 खदानों की पहचान की गई है। मंत्रालय ने खदान बंद करने की योजनाओं की निगरानी, प्रशासन और कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए दिशानिर्देशों को भी संशोधित किया है। सार्थक सामुदायिक जुड़ाव और पारिस्थितिक बहाली प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम में एक नया "रीक्लेम फ्रेमवर्क" का अनावरण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू किए गए सुधारों का जिक्र करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि खनिज ब्लॉकों के नीलामी आधारित आवंटन ने इस क्षेत्र को और अधिक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बना दिया है, जिसके तहत अब तक 500 से अधिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है। नए नीतिगत उपायों ने व्यापार करने में आसानी की सुविधा प्रदान की है, जिसमें 50-वर्षीय एकसमान पट्टे, पट्टे के नवीनीकरण में देरी को समाप्त करना और एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से डिजिटल प्रसंस्करण शामिल हैं। भारत ने कोयला उत्पादन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जो 2025 तक एक बिलियन टन को पार कर गया है, जबकि आयात में 7.9 प्रतिशत की कमी आई है।

स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण पर जोर में कोयला गैसीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा विविधीकरण और खनन भूमि की पारिस्थितिकी बहाली शामिल है। किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन और अपतटीय खनिज नीलामी के शुभारंभ का उल्लेख किया, जिसने भारत को लिथियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे खनिजों के लिए घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने वाले देशों के एक चुनिंदा समूह में स्थान दिया है। उन्होंने एक स्थायी भविष्य के लिए भारत की हरित वृद्धि और विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक खनिजों एल्यूमीनियम और तांबे के लिए विजन योजनाओं का भी अनावरण किया। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले जैसी सफलता की कहानियों का हवाला देते हुए, जहां पुनः उपयोग की गई खदानें अब पीने का पानी उपलब्ध कराती हैं और कृषि को सहायता प्रदान करती हैं, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एक समय समाप्त हो चुकी खदानें स्थानीय विकास का इंजन बन रही हैं।

जी. किशन रेड्डी ने खदानों को बंद करने को और अधिक प्रभावशाली तथा भविष्य के लिए तैयार बनाने के लिए स्थानीय समुदायों, उद्योग और नागरिक समाज के साथ मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी और समावेशी जुड़ाव का आह्वान किया। खान मंत्रालय के सचिव वी.एल. कांता राव, कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पी.एम. प्रसाद, कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बरार, कोयला, खान और लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सीएमडी, कोयला और खान मंत्रालयों के अधिकारी और खनन उद्योग के विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया।

एआईसीसी चीफ खड़गे, सीएम रेवंत ने रोसैया की प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को हैदराबाद के लकड़ीकापूल में तत्कालीन आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कोनिजेती रोसैया की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और जुपल्ली कृष्ण राव, सांसद, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, आर्य वैश्य समूहों के सदस्य और रोसैया प्रशंसकों ने भाग लिया।

प्रमुख चौराहों और बस स्टॉप पर लगे कांग्रेस के खिलाफ पोस्टर

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दौरे से पहले हैदराबाद शहर के प्रमुख चौराहों और बस स्टॉप पर पोस्टर और फ्लेक्सी बैनर लगाए गए, जिनमें सरकार पर निशाना साधा गया। बैनरों में बताया गया कि किस प्रकार कांग्रेस सरकार ने राज्य में चुनाव पूर्व किए गए अपने वादों का उल्लंघन करते हुए लोगों के खिलाफ हिंसा, अन्याय, अनियमितताएं और अत्याचार किए हैं। गुरुवार को हैदराबाद पहुंचे खड़गे शहर भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय नारे 'संविधान बचाओ' के स्पष्ट जवाब में पोस्टर और बैनरों में बताया गया कि कैसे पार्टी की सरकार 'संविधान को नष्ट कर रही है' और तेलंगाना में लोगों को परेशान कर रही है। उन्होंने सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों पर कांग्रेस के सार्वजनिक रुख का मज़ाक उड़ाया। बैनरों पर कुछ व्यंग्यात्मक नारे लिखे थे: जय बापू, हिंसा हमारा हथियार है, जय भीम, एससी/एसटी हमारा लक्ष्य हैं, और जय संविधान, संविधान हमारे लिए कोई महत्व नहीं रखता।

मोबाइल फोन चुराने और पैसे ट्रांसफर करने के आरोप में नाबालिग गिरफ्तार

निर्मल, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल केंद्र में शुक्रवार को एक नाबालिग लड़के को मोबाइल फोन चुराकर डिजिटल भुगतान एप्लिकेशन के माध्यम से दूसरों को पैसे ट्रांसफर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से 38,000 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया। निर्मल ग्रामीण इंस्पेक्टर एम कृष्णा ने बताया कि निर्मल कस्बे में किराने की दुकान पर काम करने वाले नाबालिग लड़के को चोरी के मोबाइल फोन से दूसरों को पैसे ट्रांसफर करने के आरोप में पकड़ा गया। वाहन जांच के दौरान संदिग्ध तरीके से घूमते समय उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर, लड़के ने किराने की दुकान पर ग्राहकों के मोबाइल फोन चुराकर अपराध करना कबूल किया। उसने मोबाइल फोन का उपयोग करके जीपे और फोनपे के माध्यम से 33,000 रुपये ट्रांसफर करने की बात स्वीकार की। उसने यह भी खुलासा किया कि उसने एक ग्राहक से चुराया हुआ मोबाइल फोन बेचा था।

पार्टी कार्यकर्ता जुबली हिल्स चुनाव पर ध्यान दें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम रेवंत रेड्डी ने आज पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहा कि वे कांग्रेस पार्टी के पदों को हल्के में न लें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी के पद ही नेताओं को पहचान और सम्मान देंगे और कहा कि पार्टी के पद राजनीति में पार्टी नेताओं के विकास के लिए बहुत उपयोगी होंगे। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि आने वाले दिनों में विधानसभा और संसद की सीटों की संख्या बढ़ने वाली है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं से आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में तीनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने निर्देश दिया कि उपचुनाव का प्रभावी ढंग से सामना किया जाना चाहिए। गांधी भवन में पार्टी की एक बड़े पैमाने पर टीपीसीसी कार्य समूह की बैठक हुई। सीएम रेवंत रेड्डी ने बैठक में भाग लिया और बात की। मुख्यमंत्री ने जिला प्रभारी मंत्रियों को हर मुद्दे को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें पार्टी के अनुशासन के प्रति गंभीर होने का आदेश दिया और कहा कि कांग्रेस पार्टी के पदों को तुरंत भरा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पार्टी समितियों में सभी सामाजिक समूहों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पुलिस आयुक्त ने बीबी के अलम का दौरा किया

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डीजी और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर सी.वी. आनंद ने कहा कि मुहर्रम शोक दिवसों के पालन में हैदराबाद शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। आज, मुहर्रम के 8वें दिन को चिह्नित करते हुए, उन्होंने दार-उल-शिफा, डबीरपुरा में बीबी का अलम का दौरा किया और फूल और 'दत्तियां' (प्रसाद) चढ़ाए। इस अवसर पर, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सुरक्षा और बंदोबस्त व्यवस्था का निरीक्षण किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि मुहर्रम शोक दिवस अब अपने 8वें दिन में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि मुहर्रम शुरू होने से पहले कई समन्वय बैठकें आयोजित की गईं, जिसमें सरकार के माननीय मंत्री, शिया धार्मिक नेता, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी शामिल थे। उन बैठकों में प्राप्त सुझावों के आधार पर सभी आवश्यक एहतियाती उपाय किए गए। उन्होंने बताया कि पिछले 8 दिनों से छोटे दैनिक जुलूस निकल रहे हैं, और उनके लिए पूर्ण पैमाने पर सुरक्षा (बंदोबस्त) प्रदान की जा रही है। यातायात प्रबंधन के संबंध में उन्होंने बताया कि बाहर से अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को लाया गया है तथा यातायात डीसीपी की निगरानी में सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जुलूस के समय छीना-झपटी, जेबकतरी तथा छेड़छाड़ की संभावना रहती है। हालांकि, हमारी अपराध पुलिस तथा शी टीमें सतर्क हैं, इन गतिविधियों पर अंकुश लगा रही हैं तथा कुछ व्यक्तियों को हिरासत में भी लिया है। उन्होंने घोषणा की कि कल (9वीं मुहर्रम) तथा 10वीं मुहर्रम को बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना के कारण एहतियात के तौर पर 3000 पुलिस कर्मियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है, ताकि मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्वक निकल सके। उन्होंने श्रीमती स्नेहा मेहरा (डीसीपी साउथ जोन), श्री वेंकटेश्वरलू (डीसीपी ट्रैफिक) तथा अन्य अधिकारियों के साथ 10वीं मुहर्रम जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया तथा निर्देश दिया कि जुलूस को शांत वातावरण में निकालने के लिए सभी उपाय किए जाएं। अंत में, सी.वी. हैदराबाद सिटी पुलिस की ओर से आनंद ने अपील की कि यातायात, सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित सभी आवश्यक अग्रिम उपाय किए गए हैं। उन्होंने लोगों से भी अनुरोध किया कि वे मुहर्रम के आयोजन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस के साथ सहयोग करें।

विट्ठलेश्वर स्वामी मंदिर में रथ उत्सव कल

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विट्ठलेश्वर स्वामी मंदिर जनरल बाजार सिकंदराबाद के प्रधान पुजारी एन. पंढरीनाथ ने बताया कि 6 जुलाई रविवार को भगवान पंढरीनाथ का रथ उत्सव मनाया जा रहा है। दस जुलाई को शाम 6 बजे पालखी सेवा और गोपाल काला उत्सव मनाया जाएगा। रथ उत्सव के दिन भगवान के मुख दर्शन 8.30 बजे से शाम आठ बजे तक चलेगा। मंदिर के ट्रस्टी निवास राव पटाले एन रमेश एवं एक्जीक्यूटिव अफसर जी. सत्यनारायण ने भक्तों से सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

सैफाबाद स्थित लकडी का पुल चौराहे पर पूर्व सीएम के. रोसैया के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एएमसी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार सदस्य ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी एम. नरिसंग राव नरसिम्हा शेट्टी महेंद्र कुमार आदि।

केटीआर ने की बेरोजगारों की गिरफ्तारी की निंदा

कांग्रेस के धोखे के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन की दी चेतावनी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सोमवार को सचिवालय पर प्रदर्शन कर रहे बेरोजगार युवाओं की गिरफ्तारी की निंदा की और मांग की कि कांग्रेस सरकार अपना वादा पूरा करे और नौकरी कैलेंडर जारी करे। उन्होंने युवाओं की तत्काल रिहाई की मांग की और कहा कि सरकार कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी के दो लाख सरकारी नौकरियां देने के वादे को पूरा करे।

रामा राव ने कहा कि चलो सचिवालय विरोध प्रदर्शन के तहत राज्य सचिवालय पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों को गिरफ्तार करना क्रूर और अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि सरकार राहुल गांधी से सवाल पूछने वाले युवाओं को गिरफ्तार करके उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि रेवंत रेड्डी , जिन्होंने कभी दावा किया था कि इंदिरा गांधी के शासनकाल में राज्य सचिवालय के द्वार खुले रहेंगे, अब नौकरी चाहने वालों को चुप कराने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सचिवालय में विभिन्न कार्यों से आए आगंतुकों की जल्दबाजी में की गई गिरफ्तारी की भी निंदा की।

केटीआर ने 19 महीनों में 10,000 नई नौकरियों की अधिसूचनाएँ जारी करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा घोषित 60,000 नौकरियों को बीआरएस शासन के दौरान ही मंजूरी दे दी गई थी। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के घोषणापत्र पर भरोसा करने वाले युवा अब नौकरियों के लिए नहीं, बल्कि अधिसूचनाओं के लिए अंतहीन प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के नेता बेशर्मी से दावा करते हैं कि युवा सरकार से अधिसूचनाएँ बंद करने के लिए कह रहे थे।'

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की जलकर मौत

महबूबाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मरीपेडा मंडल में शुक्रवार तड़के दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर के बाद लगी आग में 3 लोगों की जलकर मौत हो गई। यह हादसा वारंगल-खम्मम मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 563 पर मरीपेडा कस्बे के बाहरी इलाके येल्लमपेट में हुआ। विजयवाड़ा से गुजरात जा रहा एक ट्रक वारंगल से आंध्र प्रदेश जा रहे एक ट्रक से टकरा गया। टक्कर के कारण दोनों ट्रकों के इंजन केबिन क्षतिग्रस्त हो गए। दोनों वाहनों के चालक और क्लीनर मलबे में फंस गए और उनकी जलकर मौत हो गई। सीआई राज कुमार ने मीडिया को बताया कि एक ट्रक ग्रेनाइट लोड कर रहा था और दूसरा चिकन फीड। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। दमकलकर्मी और पुलिस बचाव कार्य में लगे हुए हैं।

सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वीबी एक्सप्रेस में वृद्धि

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने शुक्रवार को कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस में 5 जुलाई से स्थायी रूप से अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए हैं। तदनुसार, सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम (20702) और विशाखापट्टनम-हैदराबाद (20708) ट्रेनों में मौजूदा 14 सीटों वाली एसी चेयर कार संरचना को अब बढ़ाकर 18 सीटें कर दी गई हैं। हालांकि, 2 सीटों वाली एक्जीक्यूटिव क्लास की संरचना अपरिवर्तित बनी रहेगी।

जेएनटीयू-हैदराबाद ने इंजीनियरिंग छात्रों के लिए लचीला क्रेडिट ढांचा बहाल किया

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू)- हैदराबाद में इंजीनियरिंग के छात्र अपने कम ग्रेड वाले या फेल हुए विषयों से चार क्रेडिट छोड़ सकते हैं। हालांकि, यह छात्र द्वारा किए गए प्रयोगशालाओं, सेमिनारों, परियोजनाओं या इंटर्नशिप के लिए लागू नहीं होता है। जेएनटीयू-हैदराबाद ने एक लचीली क्रेडिट संरचना को पुनः लागू किया है, जिसका पालन आर15 विनियमों के तहत किया गया था। 2025-26 से बीटेक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले छात्रों को 164 क्रेडिट अर्जित करने की आवश्यकता होगी, सर्वोत्तम 160 क्रेडिट का उपयोग संचयी क्रेडिट प्वाइंट औसत की गणना के लिए किया जाएगा, जिससे छात्रों को चार क्रेडिट और उनकी डिग्री छोड़ने की अनुमति मिलेगी।

नए नियमों के अनुसार छात्रों को क्रेडिट छोड़ने के लिए उपस्थिति मानदंड और अन्य शैक्षणिक मापदंडों को पूरा करना अनिवार्य है। आर25 विनियमन का एक और मुख्य आकर्षण मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट विकल्पों की शुरूआत है।

छात्र दूसरे वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों को पास करने के बाद इस मार्ग से बाहर निकल सकते हैं और दो अतिरिक्त क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं, जिसमें छह सप्ताह का व्यावसायिक पाठ्यक्रम या इंटर्नशिप शामिल है। छात्रों को दूसरे वर्ष के दूसरे सेमेस्टर की शुरूआत में ही अपना एग्जिट डिक्लेरेशन जमा करना होगा। जो छात्र प्रोग्राम से बाहर निकलेंगे, उन्हें डिप्लोमा सर्टिफिकेट दिया जाएगा और वे भविष्य में तीसरे वर्ष में फिर से शामिल हो सकते हैं।

अन्य प्रमुख सुधारों में दूसरे और तीसरे वर्ष में चार एक-क्रेडिट पाठ्यक्रम (प्रति सेमेस्टर एक) शुरू करना शामिल है। इन चार पाठ्यक्रमों को तीन डोमेन विशिष्ट और एक अंतःविषय या दो प्रत्येक डोमेन विशिष्ट और अंतःविषय पाठ्यक्रमों के रूप में अपनाया जा सकता है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों के बीच उद्योग-संबंधी कौशल में सुधार करना है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि हो, इसके अलावा, भारतीय ज्ञान प्रणाली और पर्यावरण विज्ञान (प्रत्येक एक क्रेडिट), लिंग संवेदीकरण और भारत का संविधान (प्रत्येक 0.5 क्रेडिट) छात्रों के लिए अनिवार्य कर दिए गए हैं।

एक अन्य प्रमुख परिवर्तन यह है कि सभी विद्यार्थियों के लिए गणित प्रयोगशाला की शुरुआत की गई है, ताकि वे व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से अपने विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ा सकें।

बाल सुरक्षा और यूनिसेफ इंडिया प्रमुख ने भरोसा केंद्र का दौरा किया

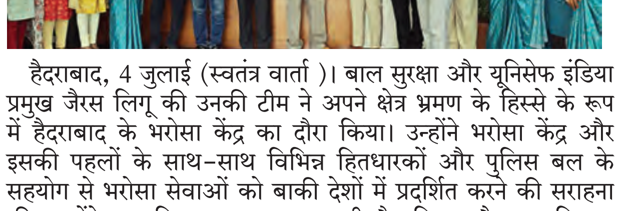

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बाल सुरक्षा और यूनिसेफ इंडिया प्रमुख जैरस लिगू की उनकी टीम ने अपने क्षेत्र भ्रमण के हिस्से के रूप में हैदराबाद के भरोसा केंद्र का दौरा किया। उन्होंने भरोसा केंद्र और इसकी पहलों के साथ-साथ विभिन्न हितधारकों और पुलिस बल के सहयोग से भरोसा सेवाओं को बाकी देशों में प्रदर्शित करने की सराहना की। उन्होंने बाल मित्रवत न्यायालय का भी दौरा किया और बाल मित्रवत न्यायालय की अनूठी विशेषताओं की सराहना की और बाल सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विकासशील और अविकसित देशों में ऐसे भरोसा केंद्रों और बाल मित्रवत न्यायालयों की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने कहा आधुनिक शहरों में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को कैसे बढ़ाया जा सकता है, इसका एक शानदार प्रदर्शन। यह एक अधिकार है, कुछ और नहीं। डॉ. लावण्या एनजेपी, पुलिस उप आयुक्त, महिला सुरक्षा, हैदराबाद, सुश्री जी. मंजुला, पुलिस निरीक्षक, भरोसा और सुश्री मैरी ऑगस्टीन, केंद्र प्रशासक ने भरोसा टीम के साथ भरोसा सेवाओं और इसके काम करने के तरीके के बारे में बताया।

सुपरमार्केट से इलायची चुराने के आरोप में एक व्यक्ति पकड़ा गया

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सुपरमार्केट से इलायची चुराने वाले एक व्यक्ति को सनतनगर पुलिस ने पकड़ लिया। यद्यपि यह घटना इस सप्ताह के प्रारम्भ में घटित हुई, किन्तु इसका प्रकाश हाल ही में हुआ। जानकारी के अनुसार, शहर के एक होटल में सुपरवाइजर के रूप में काम करने वाले संदिग्ध ने कथित तौर पर इलायची के चार 100 ग्राम के पैकेट चुराए थे और उन्हें अपने कपड़ों में छिपा लिया था। हालांकि, सुपरमार्केट के कर्मचारियों ने जब चोरी होते देखी तो उसे बिल काउंटर पर रोक लिया। जब सुरक्षाकर्मियों ने उसकी गहन जांच की तो चोरी का सामान बरामद हो गया। बाद में पता चला कि संदिग्ध ने उन्हें होटल में ऊंची कीमत पर बेच दिया था। पुलिस जांच कर रही है।

तेज रफ्तार कार गंडीपेट में सीबीआईटी के पास होर्डिंग से टकराकर पलटी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार दोपहर को गंडीपेट में सीबीआईटी के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर विज्ञापन होर्डिंग से टकरा गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। संदेह है कि दुर्घटना का कारण तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाना है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब कुछ अज्ञात युवक, जिनके कॉलेज छात्र होने का संदेह है, कार में शंकरपल्ली से नरसिंगी की ओर जा रहे थे। जब वे गंडीपेट पहुंचे तो कार चालक ने स्टीयरिंग व्हील पर से नियंत्रण खो दिया और होर्डिंग से जा टकराया। उसी गति से कार सड़क के बीच से उछलकर पलट गई और रुक गई। बताया जा रहा है कि कार के एयरबैग तुरंत सक्रिय हो गए, जिससे कोई बड़ी दुर्घटना टल गई। छात्रों का विवरण ज्ञात नहीं था। नरसिंगी पुलिस जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'मैं सिर्फ अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठाना चाहता था'

गिल को मिला स्टैंडिंग ओवेशन

269 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलने के बाद बोले शुभमन गिल

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में शुभमन गिल ने 269 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली, जिसने उन्हें रिकॉर्ड बुक में जगह दिलाई। इस ऐतिहासिक पारी के बाद शुभमन गिल ने तकनीकी सुधार और मानसिक बदलाव के बारे में बात की। 25 वर्षीय भारतीय कप्तान की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी ने टीम इंडिया को 587 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया, जो 18 साल में इंग्लैंड में उनका सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक मेहमान गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 77/3 पर रोकने में भी मदद की।

अपनी पारी के बारे में बात करते हुए शुभमन गिल ने बताया कि बल्लेबाजी का आनंद फिर से पाना उनके रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता का बड़ा कारण रहा। उन्होंने कहा, जब रन आसानी से नहीं बनते, तो बल्लेबाजी का मजा खत्म हो जाता है। आप सिर्फ रन बनाने पर ध्यान देते हैं। मुझे लग रहा था कि मैंने यह आनंद खो दिया था। मैं इतना केंद्रित था कि बल्लेबाजी का मजा नहीं ले पा रहा था। नंबर 4 पर बल्लाजी करने वाले गिल ने बताया कि बुनियादी बातों पर लौटने से उनकी लय वापस आई।

मैंने अपनी शुरुआती मूवमेंट और सेटअप पर काम किया। पहले मुझे लगता था कि मेरी बल्लेबाजी अच्छी चल रही थी। मैं टेस्ट में लगातार 35-40 रन बना रहा था, लेकिन मैं पूरी एकाग्रता खो रहा था। उन्होंने कहा, कई लोग कहते हैं कि ज्यादा ध्यान देने से आप अपनी सर्वश्रेष्ठ एकाग्रता का समय चूक जाते हैं। इसलिए, इस सीरीज में मैंने अपनी बुनियादी बातों पर ध्यान दिया। मैंने बचपन की तरह बल्लेबाजी करने की कोशिश की। मैं 35-40 रन बनाने या लंबी पारी खेलने के बारे में नहीं सोचा, बस बल्लेबाजी का मजा लेना चाहता था। गिल की इस पारी ने उन्हें कई रिकॉर्ड दिलाए। वे मंसूर अली खान पटौदी के बाद टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय कप्तान बने और सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में दोहरा शतक बनाने वाले पहले एशियाई कप्तान, और विराट कोहली के 254 नाबाद को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय टेस्ट कप्तान बने। यह 2016 में कोहली के बाद विदेशी टेस्ट में यह किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला दोहरा शतक था। हालांकि, इतने बड़े स्कोर के बावजूद गिल ने इस पारी को आसान नहीं बताया। उन्होंने कहा, पहले दिन लंच से पहले जब मैं बल्लेबाजी करने उतरा, तो टी ब्रेक तक मैंने करीब 100 गेंदों पर 35-40 रन बनाए थे। मैंने गौतम गंभीर भाई से बात की और कहा कि रन आसानी से नहीं बन रहे, भले ही मेरे पास कई शॉट्स हैं।

डीपीएल टी20 ने सीजन 2 की नीलामी के लिए नियम और पर्स की घोषणा की

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली और जिला क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने बहुप्रतीक्षित दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल टी20) के दूसरे सीजन के लिए पुरुष और महिला खिलाड़ियों की नीलामी के नियम और पूरी प्रक्रिया जारी कर दी है।

पुरुष और महिला खिलाड़ियों की नीलामी 6 और 7 जुलाई 2025 को नई दिल्ली में होगी। इसमें राजधानी की प्रमुख क्रिकेट लीग के और भी बड़े तथा अधिक प्रतिस्पर्धी संस्करण के लिए टीमों की संरचना निर्धारित की जाएगी। डीडीसीए ने घोषणा की है कि डीपीएल टी20 सीजन 2 की नीलामी में सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों, विशेष रूप से होनहार अंडर-16 क्रिकेटरों को शामिल करने की अनुमति दी गई है, जो वास्तव में एक प्रगतिशील कदम है। इससे न केवल युवा प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलेगा, बल्कि यह क्रिकेट के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। डीपीएल टी20 सीजन 2-पुरुष खिलाड़ी नीलामी के नियम इस प्रकार है। प्रति फ्रेंचाइजी कुल नीलामी राशिः 1.5 करोड़ रुपये। छह मौजूदा फ्रैंचाइजी में से प्रत्येक चार श्रेणियों में से किसी एक खिलाड़ी को रिटेन किया जा सकता है।

कार दुर्घटना में पुर्तगाली फुटबॉलर डिएगो जोटा की मौत

जमौरा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। 28 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड डिएगो जोटा का कार एक्सीडेंट में निधन हो गया। वह लिवरपूल से भी खेलते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुर्तगाली सीमा के जमोरा प्रांत में उनके कार का एक्सीडेंट हो गया। डिएगो जोटा एक लेम्बोर्गिनी चला रहे थे। स्थानीय खबरों के अनुसार उनके कार का टायर फट गया। उनकी कार पलट गई और फिर उसमें आग लग गई। यह घटना गुरुवार की सुबह हुई। जोटा के साथ उनके छोटा भाई आंद्रे सिल्वा (26 वर्ष) भी गाड़ी में थे। वह भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाली टीम एफसी पेनाफिल के लिए खेलते थे। दोनों भाइयों की इस हादसे में मौत हो गई।

जोटा की दो हफ्ते पहले ही शादी हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के ज़मोरा में स्थानीय फायर अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 28 और 26 साल थी। उनकी गाड़ी में आग लग गई थी। डिएगो जोटा के नाम 130 से ज्यादा गोल है।

शुभमन ने गावस्कर, तेंदुलकर और कोहली के रिकॉर्ड तोड़े

बर्मिंघम, 4 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में भारत ने 587 रन बना दिए। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन की पारी खेलकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़े। वे सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। वहीं भारत ने 18 साल बाद इंग्लैंड में 500 रन का आंकड़ा पार किया।

1. 25 की उम्र में 2 फॉर्मेट में दोहरे शतक

कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम में पहले दिन शतक लगाया, जिसे दूसरे दिन उन्होंने डबल सेंचुरी में बदल दिया। 25 साल के शुभमन 269 रन बनाकर आउट हुए। यह टेस्ट में उनका पहला ही दोहरा शतक रहा। वे 23 साल की उम्र में वनडे फॉर्मेट में भी डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। शुभमन 2 अलग-अलग फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने रोहित का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 32 साल की उम्र में दोनों फॉर्मेट में डबल सेंचुरी लगाई थी।

2. शुभमन ने इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर बनाया

शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय प्लेयर भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 1979 में द ओवल के मैदान पर 221 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा राहुल द्रविड़ ही 2002 में इंग्लैंड के मैदान पर दोहरा शतक लगा सके हैं।

3. एशिया के बाहर बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय

शुभमन एशिया के बाहर भी सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में सिडनी के मैदान पर 241 रन बनाए थे।

4. भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर

शुभमन की डबल सेंचुरी किसी भारतीय कप्तान का भी टेस्ट में बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में 254 रन की नॉटआउट इनिंग खेली थी।

इंग्लैंड में बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय

प्लेयर	स्कोर	कहां	कब
शुभमन गिल	269	बर्मिंघम	2025
सुनील गावस्कर	221	द ओवल	1979
राहुल द्रविड़	217	द ओवल	2002
सचिन तेंदुलकर	193	लीड्स	2002
रवि शास्त्री	187	द ओवल	1990

5. एशिया के बाहर बेस्ट स्कोर बनाने वाले एशियन कैप्टन

शुभमन एशिया के बाहर सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले एशियन प्लेयर भी बने। उन्होंने श्रीलंका के मारवान अटापट्टू का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में जिम्बाब्वे में 249 रन बनाए थे। विराट कोहली 2016 में वेस्टइंडीज के मैदान पर 200 रन बना चुके हैं।

जडेजा ने तोड़ा बीसीसीआई का नियम

टीम बस छोड़कर कार से पहले पहुंचे स्टेडियम;अकेले मैदान में प्रैक्टिस की, बर्मिंघम में बनाए 89 रन

बर्मिंघम, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन,रविंद्र जडेजा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नए नियमों को तोड़ दिया। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद नियम बनाया था कि कोई भी खिलाड़ी अकेले मैदान पर नहीं आएगा-जाएगा, सभी खिलाड़ी टीम बस के साथ एकसाथ जाएंगे। लेकिन जडेजा ने यह नियम तोड़ा और गुरुवार को वह बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में जल्दी मैदान पर पहुंचकर बैटिंग की प्रैक्टिस की।

पहले दिन 41 रन बना कर लौटे थे जडेजा

दरअसल बुधवार को एजबेस्टन टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल जब खत्म हुआ तो शुभमन गिल के साथ रवींद्र जडेजा नॉटआउट लौटे थे। जडेजा के लिए ये टेस्ट मैच बहुत अहम था क्योंकि लीड्स में टीम इंडिया के हारने के बाद क्रिकेट एक्सपर्ट्स उनकी टीम में जगह को लेकर सवाल खड़े कर रहे थे। इसीलिए जडेजा जब 41 रन बनाकर नाबाद लौटे तो वो इस पारी को और बड़ा करना चाहते थे। इसीलिए वो सुबह जल्दी उठकर टीम बस का इंतजार किए बिना स्टेडियम निकल गए। जहां पर उन्होंने लोकल गेंदबाजों के साथ नेट्स पर लगभग 40 मिनट बल्लेबाजी की। बाद में उन्होंने अपनी पारी 41 रन से बढ़ा कर 89 रन तक लेकर गए।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने नंबर वन कार्लसन को फिर हराया

एक महीने में लगातार दूसरी जीत-ग्रैंड चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में दी मात

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे ग्रैंड चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को हराया। गुकेश पहले दिन कालर्सन के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर थे। अब वर्ल्ड नंबर 1 को हराकर 10 अंकों के साथ बढ़त पर आ गए हैं। यह गुकेश की कार्लसन पर लगातार दूसरी जीत है। पिछले महीने उन्होंने कार्लसन को नॉर्वे शतरंज में हराया था।

टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश

गुकेश को टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में पोलैंड के डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और हमवतन प्रज्ञानंद को हराया। टूर्नामेंट के चौथे और पांचवें राउंड में गुकेश ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिका के फेबियानो करूआना को हराया था, जिसके बाद उनका मुकाबला कार्लसन से हुआ।

कार्लसन ने गुकेश को कमजोर कहा था

मुकाबले से पहले वर्ल्ड नंबर कार्लसन ने भारतीय खिलाड़ी को कमजोर कहा था। उन्होंने कहा था, 'मुझे लगता है कि गुकेश पिछली बार यहां काफी अच्छा खेले, लेकिन यह साबित होना बाकी है कि वे इस फॉर्मेट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। हमारे पास बहुत ही मजबूत फील्ड है। गुकेश ने ऐसा कुछ नहीं किया है जिससे यह पता चले कि वह ऐसे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। लेकिन इस टूर्नामेंट में उसके साथ खेलते हुए, मैं इसे इस तरह से देखूंगा जैसे कि मैं संभवतः सबसे कमजोर खिलाड़ियों में से एक के साथ खेल रहा हूं।'

कार्लसन के साथ 9 साल के आरित ने ड्रॉ खेला

25 जून को 9 साल के आरित कपिल ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेला था। दिल्ली के रहने वाले आरित ने ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे' में कालर्सन को ड्रॉ पर रोक दिया। आरित इस मुकाबले में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन पर भारी पड़ते नजर आ रहे थे, उन्हें पूरी तरह हार की स्थिति में पहुंचा दिया था। हालांकि, मैच के आखिरी पलों में आरित के पास समय बहुत कम बचा था।

हिसार की इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा ने जीता गोल्ड

हिसार, 4 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा की इंटरनेशल बॉक्सर स्वीटी बूरा ने हैदराबाद में हुई अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। स्वीटी का अपने पति एवं भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा के साथ विवाद चल रहा है। दोनों के बीच महिला थाने में मारपीट भी हो चुकी है। लंबे समय से चल रहे इस विवाद के बाद स्वीटी पहली बार रिंग में उतरीं। चैंपियनशिप में मेडल जीतने के बाद स्वीटी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भावुक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा कि मेरा ये मेडल उन सभी लड़कियों के नाम है, जो घरेलू हिंसा के खिलाफ खड़ी होकर अपने लिए आवाज उठाने का साहस रखती हैं। इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा और इंटरनेशनल कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन व रोहतक निवासी दीपक हुड्डा की शादी 3 साल पहले हुई थी।

विंबलडन 2025-इवांस को हराकर जोकोविच तीसरे दौर में पहुंचे, फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में ब्रिटेन के डेनियल इवांस को 6-3, 6-2, 6-0 से हराकर पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। आठवें विंबलडन खिताब की तलाश में लगे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को ऑल-इंग्लैंड क्लब में अपनी 99वीं जीत हासिल करने में एक घंटे और 47 मिनट लगे।

जोकोविच को 2021 मोंटे कार्लो मास्टर्स में ब्रिटिश खिलाड़ी इवांस ने आश्चर्यजनक रूप से सीधे सेटों में हरा दिया था। उसके बाद दोनों पहली बार आमने-सामने थे। लेकिन, यहां जोकोविच उन्हें कोई मौका नहीं दिया। 38 साल के जोकोविच ने तीन सेटों में केवल नौ अंक गंवाए और इवांस को आसानी से हरा दिया। मैच का मुख्य आकर्षण जोकोविच के 46 विनर रहे। जोकोविच ने खेल पर नियंत्रण रखा और घरेलू खिलाड़ी को लगातार दबाव में रखा। जीत के बाद जोकोविच ने कहा, मुझे लगता है कि हर कोई जानता था कि आज कोर्ट पर एक खास माहौल होने वाला है। ब्रिटेन में एक ब्रिटिश खिलाड़ी का सामना करना कभी भी आसान नहीं होता। वह एक अच्छे क्वालिटी के खिलाड़ी हैं। उनके पास बहुत प्रतिभा है।

जोकोविच की जीत ने उन्हें ओपन एरा में विंबलडन में सबसे अधिक पुरुष एकल तीसरे दौर में उपस्थिति (19) के मामले में रोजर फेडरर से आगे निकलने में भी मदद की। रिकॉर्ड पर जोकोविच ने कहा, इसका मतलब है कि मैं काफी लंबे समय से खेल रहा हूँ। उन्नीस बार, यह एक बढ़िया आंकड़ा है। यह शायद सिनर और अल्काराज के जीवन के वर्षों के बराबर है, लेकिन मैं अभी भी इसका आनंद लेता हूं। विंबलडन मेरे दिल में सबसे खास टूर्नामेंट है, जिसे जीतने का सपना मैंने बचपन में हमेशा देखा था, इसलिए यहां बनाया गया कोई भी इतिहास मेरे लिए निश्चित रूप से बहुत खास है।

ऑस्ट्रेलिया को सस्ते में समेटने के बाद वेस्टइंडीज हेड कोच सैमी ने की अपने गेंदबाजों की तारीफ

ग्रेनाडा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी का मानना है कि उनकी टीम की तेज गेंदबाजी में आत्मविश्वास लगातार बढ़ रहा है। दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बारिश से प्रभावित खेल में वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को 286 रन पर आउट कर दिया। यह मैच ग्रेनेडा के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। यह तीसरी बार है जब इस सीरीज में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने दुनिया की नंबर-1 टेस्ट टीम को कम स्कोर पर समेटा है। इससे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का यह मुकाबला दूसरे दिन के लिए रोमांचक बना हुआ है।

सैमी ने स्टंप्स के बाद कहा, हमने जिस तरह की तैयारी की थी और गेंदबाजों ने लगातार विरोधी टीम के टॉप बल्लेबाजों को चुनौती दी, वही नतीजा दिखा। जब से हमारे गेंदबाजी कोच रवि रामपाल जुड़े हैं, हमने टीम में एक नई सोच लाने की कोशिश की है, और गेंदबाज भी उसमें पूरा साथ दे रहे हैं, इसी का असर मैदान पर नजर आ रहा है। तेज गेंदबाजों ने शानदार बॉलिंग की जिसमें अल्जारी जोसेफ ने 4 विकेट लिए, जिसमें स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा जैसे अहम बल्लेबाजों को आउट किया। जेडन सील्स ने भी 2 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को कभी जमने नहीं दिया। सैमी ने आगे कहा, हमने तीन पारियों में 30 विकेट ले लिए हैं, और अगर छोड़े गए कैच भी जोड़ लें तो शायद 37 विकेट होते। गेंदबाजों ने बहुत अच्छी लाइन-लेंथ रखी है, और सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, कोई भी टीम इन गेंदों का सामना मुश्किल से कर पाती। उन्होंने यह भी कहा, अगर विरोधी टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करे और आप उन्हें 280 के करीब रोक दें, तो इसे अच्छा ही माना जाएगा। लंच के बाद हमने कुछ मौके गंवाए, लेकिन बाद में जो 5 विकेट जल्दी लिए, उससे हम फिर मजबूत स्थिति में आ गए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेउ वेबस्टर ने सबसे ज्यादा 60 रन बनाए।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप के लिए भारत आएगा

खेल मंत्रालय बोला- हम किसी को नहीं रोकेंगे; पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की एंट्री बैन थी

स्पोर्ट्स डेस्क, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति के बावजूद हॉकी एशिया कप और जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टीम को भारत आने से नहीं रोका जाएगा। खेल मंत्रालय के सूत्र ने न्यूज एजेंसी से कहा कि हम द्विपक्षीय सीरीज के खिलाफ हैं, लेकिन टूर्नामेंट के लिए हम किसी भी टीम को भारत आने से नहीं रोकेंगे। मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, 'इंटरनेशनल स्पोर्ट्स में टीमें तनाव के बावजूद हिस्सा लेती हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध के बावजूद टूर्नामेंट खेल रहे हैं। हॉकी एशिया कप 27 अगस्त से 7 सितंबर के बीच बिहार के राजगीर में खेला जाएगा।'

भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीमों के बीच एशिया कप मैच पर अधिकारी ने कहा, 'बीसीसीआई ने अब तक इस बारे में सरकार से बात नहीं की है। जैसे ही बोर्ड की ओर से बातचीत होगी, टीम इंडिया के एशिया कप में हिस्सा लेने पर फैसला लेंगे।' पाकिस्तान हॉकी बोर्ड ने अभी तक टूर्नामेंट में आने या न आने पर कोई भी बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उसने टूर्नामेंट से खुद को अलग भी नहीं किया है, जिससे माना जा रहा है कि टीम खेलने के लिए भारत आएगी।

हॉकी इंडिया ने कहा था- सरकार के निर्देश मानेंगे

हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल भोलानाथ सिंह ने कहा था, पाकिस्तान टीम एशिया कप के लिए आएगी या नहीं, इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। पहलगाम में आतंकी हमला और भारत का ऑपरेशन सिंदूर पिछले महीने ही हुआ। ऐसे में इस वक्त कुछ भी कह पाना मुश्किल है। हम शांति कायम होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार के जो भी निर्देश होंगे, हम उनका पालन करेंगे। हॉकी इंडिया के एक अन्य अधिकारी ने कहा था, 'अगर सरकार ने पाकिस्तान को एंट्री देने से मना किया तो उनके बिना टूर्नामेंट कराया जाएगा। सबकुछ सरकार के फैसले पर निर्भर है।'

2016 में भारत नहीं आई थी पाकिस्तान टीम

2016 में पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत में जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप हुआ था। तब भी पाकिस्तान हॉकी टीम भारत नहीं आई थी। तब पाकिस्तान की जगह मलेशिया को एंट्री देकर टूर्नामेंट कराया गया था। दोनों देशों में तनाव के बाद पाकिस्तान का जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी भारत आना मुश्किल लग रहा था। टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा। हालांकि मंत्रालय से आपत्ति नहीं होने के बाद अब जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी पाकिस्तान टीम भारत आ सकती है।

सीडब्ल्यूसी ने मांगे आंध्र प्रदेश से बाढ़ के आंकड़े

ईएसी की बाधा का सामना कर रही है पोलावरम-बनकाचेरला परियोजना

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने आंध्र प्रदेश सरकार से पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना (पीबीएलपी) के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है, जिसमें गोदावरी बाढ़ के पानी के तीन दशकों के आंकड़े शामिल हैं। यह अनुरोध पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) द्वारा 30 जून को परियोजना की पर्यावरणीय मंज़ूरी को अस्वीकार करने के बाद किया गया है, जिसमें अनसुलझे कानूनी, पर्यावरणीय और अंतरराज्यीय चिंताओं का हवाला दिया गया था।

जवाब में, आंध्र प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक बाढ़ के आंकड़ों को संकलित करने और ईएसी द्वारा उठाई गई आपत्तियों का समाधान करने के लिए एक समर्पित टीम बनाई है। टीम 1980 के गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण (जीडब्ल्यूडीटी) पुरस्कार के उल्लंघन को संबोधित करने की गुंजाइश की भी जांच कर रही है जो इसकी मंजूरी के रास्ते में आ रहे हैं। पुरस्कार उल्लंघन ईएसी के फैसले में प्रमुख मुद्दे हैं।

इस परियोजना का तेलंगाना ने कड़ा विरोध किया है, जिसका तर्क है कि पीबीएलपी जीडब्ल्यूडीटी अवार्ड और आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 दोनों का उल्लंघन करता है। तेलंगाना सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय जाने का संकेत दिया है और गोदावरी के पानी को मोड़ने के लिए एक वैकल्पिक इचंपल्ली-नागार्जुन सागर लिंक का प्रस्ताव दिया है।

तेलंगाना सीडब्ल्यूसी की 2018 की रिपोर्ट की ओर भी इशारा करता है, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया है कि 75% निर्भरता पर पोलावरम में कोई अधिशेष जल नहीं है - जो आंध्र प्रदेश के इस दावे का खंडन करता है कि हर साल 3,000 टीएमसी बाढ़ का पानी बिना इस्तेमाल के समुद्र में बह जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में परियोजना को कानूनी रूप से चुनौती देने के अपने घोषित इरादे के बावजूद, तेलंगाना सरकार ने अभी तक मामला दर्ज करने की दिशा में औपचारिक कदम नहीं उठाए हैं।

इसके बजाय, इसने प्रतीक्षा और नज़र रखने का दृष्टिकोण अपनाया है, आगामी शीर्ष परिषद की बैठक की प्रतीक्षा में जिसमें दोनों तेलुगु राज्य के मुख्यमंत्रियों को शामिल किया जाएगा, जैसा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने वादा किया था। 3 जुलाई को कुप्पम में बोलते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने दोहराया कि पीबीएलपी तेलंगाना के हितों को नुकसान नहीं पहुँचाएगा, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि परियोजना में केवल अतिरिक्त बाढ़ के पानी का उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अपनी हालिया बैठकों में इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिसमें वित्तीय और प्रशासनिक दोनों तरह की सहायता मांगी गई है। 2024 में घोषित पीबीएलपी का लक्ष्य पोलावरम बांध से गोदावरी बाढ़ के 200 टीएमसी पानी को 376 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से बानाकाचेरला रेगुलेटर तक पहुंचाना है। इस परियोजना को 7.41 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई और 22.58 लाख एकड़ भूमि को स्थिर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस परियोजना से 80 लाख लोगों को पीने का पानी भी मिलेगा और रायलसीमा और दक्षिण तटीय आंध्र में औद्योगिक उपयोग के लिए 20 टीएमसी पानी आवंटित किया जाएगा। इसमें 200 मेगावाट के दो जलविद्युत स्टेशन शामिल हैं और इसके लिए 24,064 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें 1,717 हेक्टेयर वन क्षेत्र शामिल है। हालाँकि, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में अनसुलझे जलमग्नता के मुद्दे अभी भी न्यायालय में विचाराधीन हैं, और ईएसी ने आंध्र प्रदेश को निर्देश दिया है कि वह एक बार फिर प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले सभी अंतर्राज्यीय विवादों को सुलझा ले।

नौकरी कैलेंडर में देरी को लेकर बेरोजगार युवाओं ने सचिवालय पर किया प्रदर्शन

पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार से नौकरी कैलेंडर जारी करने की मांग को लेकर सचिवालय का घेराव करने की कोशिश कर रहे कई बेरोजगार युवाओं और छात्र कार्यकर्ताओं को शुक्रवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 'नमस्ते बेरोजगार, चलो सचिवालय' के तत्वावधान में बेरोजगार युवाओं ने कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव के दौरान युवाओं से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के विरोध में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। विभिन्न समूहों में आए प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से मांग की कि वह एक वर्ष के भीतर दो लाख सरकारी रिक्तियों की अधिसूचना के साथ व्यापक नौकरी कैलेंडर का अपना आश्वासन पूरा करे।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि 50,000 पदों के दावे के विपरीत केवल 11,000 रिक्तियां ही भरी गई हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर खोखले वादों से युवाओं को गुमराह करने, अधिसूचनाओं में देरी करने और पिछली बीआरएस सरकार के तहत जारी नौकरियों की अधिसूचनाओं का श्रेय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने ग्रुप-I भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं, मेगा डीएससी अधिसूचना जारी करने में देरी और बिजली विभाग में लंबित भर्ती अधिसूचनाओं पर भी चिंता जताई। इससे पहले, बेरोजगारों में अशांति की आशंका के चलते, कई छात्र कार्यकर्ताओं और बेरोजगार युवा नेताओं को पुलिस ने गुरुवार रात से ही एहतियातन हिरासत में ले लिया था।

आधी रात को लगी आग से किराना स्टोर को नुकसान

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विजय नगर कॉलोनी में गुरुवार आधी रात को एक किराने की दुकान में आग लग गई। आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन किराने का सामान और अन्य फर्नीचर जलकर खाक हो गया। इस दुर्घटना का कारण शॉर्ट सर्किट होने का संदेह है। स्थानीय निवासियों ने परिसर से आग और घना धुआं निकलते देखा, जो आवासीय कॉलोनियों से घिरा हुआ है। उन्होंने तुरंत अग्निशमन विभाग और पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने मौके पर पहुचकर आग को पूरी तरह बुझा दिया।

कीचड़ भरी सड़कों के कारण छात्रों और ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़कों की खराब स्थिति के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए छात्रों ने शुक्रवार को दहेगाँव-अंडेवेली-बट्टुपल्ली-कागज़नगर मार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया तथा हाल ही में हुई बारिश से जलभराव और कीचड़ भरे हिस्सों को सुधारने के लिए अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। विभिन्न सरकारी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और अधिकारियों की लंबे समय से चली आ रही उदासीनता पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रोज़ाना आना-जाना एक दुःस्वप्न बन गया है, यूनिफ़ॉर्म गंदी हो जाती है और अपने संस्थानों तक पहुँचने में अक्सर देरी होती है।

इसी से संबंधित एक विरोध प्रदर्शन में, बेजूर मंडल के सोमिनी गांव के निवासियों ने धरना दिया, जिसमें उन्होंने पास के मंडल मुख्यालय और कागजनगर शहर तक मोटर वाहन योग्य सड़कों की कमी पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने कहा कि चिकित्सा आपात स्थिति, विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं से जुड़ी, अक्सर कीचड़ और दुर्गम सड़कों के कारण गंभीर हो जाती है। उन्हें डर था कि भारी बारिश के दौरान स्थानीय नदियों के उफान पर आने से वे पूरी तरह से अलग-थलग पड़ जाएंगे, साथ ही पुलों के अभाव में स्थिति और भी खराब हो जाएगी। एक प्रदर्शनकारी ने दुख जताते हुए कहा, 'निर्वाचित प्रतिनिधियों के बदलने के बावजूद, हमारी समस्याओं को अनदेखा किया जाता है।'

इस बीच, चिंतलामनेपल्ली मंडल के गुडेम गांव के निवासियों ने भी अपने गांव को मंडल केंद्र से जोड़ने वाली सड़क की खराब होती हालत पर चिंता जताई। हाल ही में हुई भारी बारिश ने दोपहिया और ऑटोरिक्शा यात्रियों के लिए यात्रा को असुरक्षित बना दिया है। इस मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त सड़कों के वीडियो रिकॉर्ड करना और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर साझा करना शुरू कर दिया है, ताकि अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद की जा सके।

केसीआर की नियमित स्वास्थ्य जांच जारी, कोई गंभीर चिंता नहीं: केटीआर

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को नियमित चिकित्सा जांच के लिए गुरुवार शाम हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें एहतियात के तौर पर भर्ती कराया गया है और लोगों को उनकी स्थिति के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। स्वास्थ्य की स्थिति पर अटकलों और लोगों में बढ़ती चिंता के बीच, रामा राव ने कहा कि उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री को डॉक्टरों की सलाह के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, ताकि उनके रक्त शर्करा (मधुमेह) और कम सोडियम के स्तर की निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है। उनकी सभी महत्वपूर्ण चीजें सामान्य हैं। उन्होंने चंद्रशेखर राव के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ करने वाले शुभचिंतकों को धन्यवाद दिया और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय देखरेख में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं।

विश्व पुलिस खेल मीट में टीटीडी सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारियों का सराहनीय प्रदर्शन

तिरुमला, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बर्मिंघम, यूएसए में आयोजित विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल 2025 मीट में, टीटीडी सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारियों की जोड़ी ने देश के लिए प्रतिष्ठित स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीते। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायुडू, ईओ जे श्यामला राव ने दोनों सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारियों की उनकी इस अनोखी उपलब्धि के लिए सराहना की। इसके अलावा, दोनों शीर्ष सतर्कता अधिकारियों की सराहना एडिशनल ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी, जेईओ वीरब्रह्मम और मुख्य सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी मुनिकृष्णा ने की। इस बीच, 45 प्लस सिंगल्स टेनिस वर्ग में तिरुमाला के सुरक्षा विंग के लिए टीटीडी वीजीओ ए सुरेंद्र ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि 55 प्लस सिंगल्स टेनिस में तिरुमाला सतर्कता विंग अधिकारी एनटीवी राम कुमार ने देश के लिए कांस्य पदक जीता। सीपीआरओ टीटीडी तिरुपति ने बताया कि पुलिस की जोड़ी ने अर्धवार्षिक आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रतिष्ठित पदक जीते, जिसमें दुनिया भर के 80 देशों के पुलिस और अग्निशमन विभागों के लगभग 9000 एथलीटों ने इस खेल मीट में भाग लिया।

बलात्कार के आरोप में एक गिरफ्तार

लड़की ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नचाराम पुलिस ने 19 वर्षीय लड़की को शादी का झूठा वादा करके कथित तौर पर बलात्कार करने और गर्भवती करने के आरोप में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस सदमे से उबरने में असमर्थ लड़की ने 2 जुलाई को नचाराम स्थित अपने घर पर आत्महत्या कर ली। आरोपी डी. महेंद्र उर्फ महेश, जो अंबेडकर नगर का एक निर्माण मजदूर है, ने कथित तौर पर प्यार का इजहार करके और शादी का वादा करके लड़की को फंसाया, जबकि उसने यह तथ्य छिपाया कि वह पहले से ही शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे हैं। पुलिस ने बताया कि महेंद्र ने अपने घर पर लड़की का यौन शोषण किया और उसे धमकाया। इस दुर्व्यवहार के कारण वह गर्भवती हो गई। जब उसने हाल ही में उससे शादी के बारे में पूछा तो उसने इनकार कर दिया और कथित तौर पर उसे आत्महत्या के लिए उकसाया। लड़की के परिवार की शिकायत के बाद, नचाराम पुलिस ने मामला दर्ज कर महेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि उसका आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें नशीली दवाओं से जुड़े अपराध और महिलाओं के खिलाफ अपराध शामिल हैं।

नौकरी के वादे पूरे न होने पर प्रदर्शन, गिरफ्तारियों से आक्रोश

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को हैदराबाद में तनाव व्याप्त हो गया, क्योंकि पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति विद्यार्थी (बीआरएसवी) और बेरोजगार संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के कई नेताओं को उनके नियोजित 'चलो सचिवालय' विरोध प्रदर्शन से पहले हिरासत में ले लिया, जिसमें नौकरी अधिसूचना कैलेंडर तत्काल जारी करने की मांग की गई थी। प्रदर्शनकारियों ने सभी हिरासत में लिए गए नेताओं की तत्काल रिहाई और एक व्यापक नौकरी कैलेंडर प्रकाशित करने की मांग की, जैसा कि चुनाव के दौरान कांग्रेस सरकार ने वादा किया था।

बीआरएसवी के राज्य उपाध्यक्ष तुंगा बालू और अन्य प्रमुख बीआरएसवी नेताओं को सुबह-सुबह ही नजरबंद कर दिया गया। विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए कई अन्य लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। आंदोलनकारियों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर 2 लाख सरकारी नौकरियां देने और समयबद्ध भर्ती कैलेंडर जारी करने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिए दबाव बनाने के लिए मार्च की योजना बनाई थी। गिरफ्तारियों को 'अवैध और अलोकतांत्रिक' करार देते हुए, तुंगा बालू ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा और उन पर तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को बार-बार धोखा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। बालू ने कहा, 'रेवंत रेड्डी हमेशा नजरबंदी और दमन के जरिए शासन नहीं चला सकते। उन्होंने चुनाव से पहले नौकरी का कैलेंडर जारी करने का वादा किया था, लेकिन युवाओं को धोखा देना जारी रखा है।'

।। श्री गणेशाय नमः ।। खम्मा खम्मा ।। ॐ श्री रामदेवाय नमः ।। खम्मा खम्मा ।। श्री हनुमते नमः ।।
एक शाम श्री बाबा रामदेवजी के नाम
विशाल जम्मा जागरण व महाप्रसादी
प्रस्तुतकर्ता : श्री रामदेव भक्त संगम, भाग्यनगर फोन : 9000407865
ब्रह्मलीन श्री गोपाल बजाज 'परीक्षित'
विशेष आगमन
आज शनिवार, 5 जुलाई 2025 रात्रि 7.15 बजे से
शुभ स्थल : श्री बाबा रामदेवजी मंदिर, मच्छाबोलारम, अलवाल
विशिष्ट अतिथि | मुख्य अतिथि
श्री प्रेमसिंजी तंवर, बाबा रामदेवजी 18वीं पीढ़ी वंशज, रामदेवरा
श्री M. हनुमंत राव, पूर्व विधायक
श्री C.I. राहुल देव, अलवाल
प्रमुख भजन गायक श्री सुशील गोपाल बजाज
LIVE BRS RAJASTHANI LIVE
इस अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
MEENAKSHI
आयोजक : श्री बाबा रामदेव नवयुवक मित्र मंडल, अलवाल
सम्पर्क : 9989446571, 9440562127, 9032093735, 9948509611, 9394556454, 9440557726, 6304120439, 8790859563, 9000241821, 9291504507
SCAN FOR LOCATION

Manav Seva Madhav Seva
Badrivishal Pannalal Pitti Trust
Agarwal Seva Dal
in coordination with
Telangana Chamber of Chemists & Druggists, Hyderabad
Organises
147th Camp MEGA MEDICAL CAMP FREE
In Associates with
LCH Sadhuram Eye Hospital, Domalguda, Hyd.
KIMS Sunshine Hospitals, Begumpet, Hyd.
SHRI BHAGWAN MAHAVEER VIKLANG SAHAYATA SAMITI, Hyderabad
Rainbow Children's Heart Institute, Banjara Hills, Hyd.
Free Aids & Appliances: Artificial Limbs | Hand Kits, Callipers | Hands
Specialities at the Camp
•EYE CHECKUP (FREE CATARACT SURGERY & OPTICALS TO THE NEEDY)
•GENERAL PHYSICIAN DR.AKHILS CLINIC - DR. AKHIL SUGANDHI, (RHEUMATOLGY) & DR. MEENAL KHIRAIYA SUGANDHI (MBBS DIPLOMA BIABETES)
•PHYSIOTHERAPY (BAJAJ PHYSIO CARE, DR. MEETA BAJAJ)
•DENTAL (SNR DENTAL, DR.S TEJESSWI, DR.NAVNEET RAJ, DR.S NIKHIL RAJ)
•ORTHOPAEDIC
•CARDIOLOGY•PEDIATRICIAN
•ECG / 2D ECHO / BMD, RBS / BP CHECKUP
रविवार 6 जुलाई 2025
प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक
VENUE : Chemists Bhavan # 5-9-262/1, King Koti Road Abids, Hyderabad
REGISTRATION 10.00 AM to 12 NOON
शिविर में जरूरतमंद रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की सेवा भी उपलब्ध करवायी जायेगी।
: संयोजक :
प्रदीप अग्रवाल 9246504222 | सुधीर गुप्ता 9550522277 | सुरेन्द्र गोयल 9866493222 | अरविंद कुमार भांगडिया 9849043333 | एम.सत्यनारायण 9885130086 | संजय कुमार जैन 8328464604

पवन कल्याण की महाकाव्य गाथा को सिनेमाई सफलता

48 मिलियन से ज़्यादा तेलुगु व्यूज़ के साथ बनाया सर्वकालिक रिकॉर्ड

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हरि हर वीरा मल्लू के ट्रेलर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जो इस बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक ड्रामा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है। 48 मिलियन से ज़्यादा तेलुगु व्यूज़ के साथ, इसने न सिर्फ़ एक सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि प्रशंसकों, फ़िल्म जगत और आम दर्शकों से भी इसे समान रूप से प्रशंसा मिली है। ट्रेलर की पहली झलक से ही इसकी भव्यता और तीव्रता आपको आकर्षित करती है। पावर स्टार पवन कल्याण ने पहले कभी नहीं देखे गए एक बोल्ड, शाही अवतार में ध्यान आकर्षित किया है। ऐतिहासिक शैली में अपनी शुरुआत करते हुए, उनकी विद्युतीय स्क्रीन उपस्थिति, नियंत्रित क्रूरता और करिश्माई प्रदर्शन को उनके करियर में सबसे बेहतरीन माना गया है। हर हाव-भाव और अभिव्यक्ति इस परिवर्तन के पीछे के समर्पण को दर्शाती है।

निर्देशक ज्योति कृष्ण, जिन्होंने पूरे विश्वास के साथ भविष्यवाणी की थी कि ट्रेलर रिकॉर्ड तोड़ देगा, ने वास्तव में सिनेमाई रूप से कमाल कर दिया है। वीरा मल्लू को एक बड़े व्यक्तित्व के रूप में चित्रित करना - जो भावना, शक्ति और उद्देश्य से भरपूर है - ने सभी पीढ़ियों और जनसांख्यिकी को प्रभावित किया है। एमएम कीरवानी का शानदार बैकग्राउंड स्कोर विजुअल्स को और भी बेहतर बनाता है। एक संगत से कहीं ज़्यादा, उनका संगीत ट्रेलर में जोश और आत्मा भर देता है, जिससे कहानी का भावनात्मक प्रभाव और भव्यता बढ़ जाती है। सिनेमैटोग्राफर मनोज परमहंस और ज्ञान शेखर वी.एस. ने एक शानदार दृश्य अनुभव तैयार किया है - व्यापक परिदृश्य और जटिल रूप से डिज़ाइन किए गए सेट से लेकर प्रभावशाली क्लोज-अप तक, हर शॉट पैमाने और शिष्टता की बात करता है। थोटा थारानी के प्रोडक्शन डिज़ाइन द्वारा विश्व-निर्माण को और भी बेहतर बनाया गया है, जिसमें महाकाव्य स्वभाव के साथ प्रामाणिकता का मिश्रण किया गया है।

मेगा सूर्या प्रोडक्शंस के तहत, एएम रत्नम द्वारा प्रस्तुत और दयाकर राव द्वारा निर्मित, यह फिल्म शीर्ष-स्तरीय उत्पादन मूल्यों का दावा करती है। ट्रेलर पूरी टीम द्वारा निवेश की गई महत्वाकांक्षा और कलात्मकता को दर्शाता है - जिसे अब अत्यधिक सकारात्मकता के साथ मनाया जा रहा है। कलाकारों की टोली ने ट्रेलर को और भी गहरा बना दिया है।

AGROHA BANK
AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad - 500002 Ph-040-24511322, 7093326428
Deposit more than 3 years upto 7 Years 8.85%
Sr. Citizen, REGD Trusts 0.50 Extra
MEENAKSHI

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.